MD PAPER MAY 2025_32 Inch January. 2021.qxd 5/1/2025 9:50 AM Page 1

मैडीकल दर्पण

Editor- Brijesh Garg www.medicaldarpan.com Monthly News Paper

B.N. Medical Complex, Bulandshahr (U.P.) Postal Reg. No.- BSR 56/2023-2025 RNI UPBIL/2010/44113

Year 18 | Issue 08 | D.O.P. 01 MAY 2025 | Pages 16 | ₹10/- Copy | ✆ 09045029158 | medicaldarpan.ctp@gmail.com

Kerecid-20: Redefining Acid Control with Precision

Power Beyond PPIs

Experience the next generation of acid suppression with Vonaprazan-20mg, a novel Potassium-Competitive Acid Blocker (P-CAB).

Kerecid-20®

Vonoprazan 20mg Tablets

For Trade Enquiries please contact us at:

BSA Pharma Inc.
S.C.O.-11, Behind markanda complex, Sena Nagar, Near Chandigarh-New Delhi Highway, Ambala-134003 (HR.)
email: bsapharmainc@yahoo.co.in

Contact Us: 94161-17235 96717-92650 90340-51754

SCAN QR CODE FOR OUR WEBSITE SCAN QR CODE TO DOWNLOAD OUR APP

OUR OTHER DIVISIONS: Orthocare Synacare DIBCARD

Our General Divisions

MERRIL MESTRA STERILE GENETICS

For any query :- 9719839944 Call & SMS

We have more than 2000 Products in our Successfully Running Company.

New Molecules available

Natural Progesterone 200/300/100 mg Tab.
Rifaximine 200/400/550 & Metronidazole 400 mg Tab.
Sultamycillin 375 mg Tab.
Dydrogesterone Tablets IP 10 mg

Emocare (A Neuro-Psychiatric Division): Piraciti-Plus (Citicoline 500mg + Piracetam 800mg Tab.); Velpy-200/300/500 (Sodium Valproate With Valproic Acid); Emofexine Tab. (Desvenlafaxine 50mg ER); Emofexine Plus -50 (Desvenlafaxine 50 mg + Clonazepam 0.5 mg)

NUECAD Cardiac-Diabetic division: Metolip-ER 25/50 (Metoprolol Tartrate 25/50 (ER)); Nuepido-AS (Clopidogrel 75 mg +Aspirin 75 mg); Nuepido-Plus (Clopidogrel 75 mg +Aspirin 150 mg); Tenzex-M (Teneligliptin 20mg + Metformin Hydrochloride 500mg)

Womana Gyne-infertility division: Gensure-Sachet (L-Arginine 3gm. + Proanthocyanidin 75 mg.); Gensure-LC (L-Carnitine + Co-Enzyme + Astaxanthin + Piperin + Lycopene+ Zinc Sulphate); NMPC-softgel/SR tab/ Inj. (Natural Micronised Progesterone B.P. 100/200/300 mg); Gensure-F (Folic Acid, Inositol, L-Arginine, Selenium Grape Seed Extract, Lycopene, Vitamins & Zinc)

BEAUKIN (A Derma Division of Merril Pharma): Antihist-D (Desloratadine 10 mg.); Tacroril (Tacrolimus Cream 0.03); Candigel (Luliconazole 1.0% w/w); Eberil (Eberconazole 30 mg)

Registered Office :-A-401/402, Empire Business Hub, Science City Road, Ahmedabad-380060 (Gujarat)-India,
Email : order@mestrapharma.com, Website : www.mestrapharma.com

DydroBest — In Female Infertility & Painful Menstrual Disorders

Best BEST BIOTECH

Dydrobest® Dydrogesterone 10 mg. TABLETS

- Female Infertility
- High Risk Pregnancy
- Endometriosis
- Irregular Menstrual Disorders
- Premenstrual Syndrome (PMS)

10 x 1 x 10 Tablets — Dydrogesterone Tablets IP 10 mg — Dydrobest

A true partner in Successful pregnancy

For trade enquiries please Call 91 9866908086
e-mail: bestbiotech4u@gmail.com,
Website: www.bestbiotechindia.com

PCD / FRANCHISEE

INVITING PROPOSAL FOR FRANCHISEE ACROSS COUNTRY

V & U Pharmaceuticals

A NAME SYNONYMOUS TO QUALITY & TRUST

Where Quality is the Core

All Products of V & U Pharmaceuticals are manufactured under stringent quality control in approved manufacuring facilities.

1. One of the best quality products and packaging.
2. Attractive Pricing./ 3.Attractive Bonanza
4. Comprehensive & expanding produt basket
5.Expert Marketing Support/ Print Inputs.

TABLETS/CAPSULES
SYRUPS/LIQUIDS
RESPULES/ROTACAPS
DEVICES/CREAMS

Contact: 7017051435/9999355975

V & U PHARMACEUTICALS

H-1.39N,RIICO Industrial Area, Khushkhera, Bhiwadi, Distt:Alwar, Rajasthan 301707
sales@vnupharmaceuticals.com; vnupharmaceuticals@gmail.com
www.vnupharmaceuticals.com

Biounity Pharma (Your good health is our target)

SERVICES
- Third Party Manufacturing
- Contract Manufacturing
- PCD Pharma Franchise

Committed to Healthcare through Innovation & Quality

WE OFFER
- MORE THAN 1000 PRODUCTS
- EXCEPTIONAL PROFIT MARGIN
- PROMPT / TIMELY DELIVERY
- COMPLETE MONOPOLY RIGHTS
- EXCLUSIVE PROMOTIONAL MATERIAL
- ATTRACTIVE PACKING

Supernova Life Drug Pvt. Ltd.

(An GMP Certified Company adhering to the latest revised "SCHEDULE M")

Wide Therapeutic Range

Contact No. : +91 8449549885 +91 9557627998
po.pharmabiounity@gmail.com
mkt.biounitypharma@gmail.com
Marketing.ekta@supernovalifedrugs.com

Orthopadic, Gynecare, Gastroenterology | Anti-Infective, Urology Care, Anti-Allergic | Cardiovascular, Anti-Diabetic, Cough & Cold | Bronchodilator, Paediatric, Respiratory | Injectables, Neuropsychiatry, Nutritional Supplements | OTC Products, Derma Care, Eye/Ear/Nasal Drops

iPL INVISIONPHARMA LTD

REVOLUTIONIZE YOUR BRAND WITH LIPOSOMAL TECHNOLOGY

Committed to Manufacture High-quality & Cost-effective Liposomal Drug Delivery API

Up to 10X more absorbable than the components in conventional supplements
Provides additional health benefits by substituting new phospholipids for those that have been destroyed
An exceptional vehicle for vitamins and other active components
Biodegradable as well as Biocompatible with the human body
Ingredients in the liposomal delivery system deliver high bioavailability
Provides additional health benefits by substituting new phospholipids for those that have been destroyed

Calcimune-LIPO GLUTAGRAND LIPO LipoGlobin LipoZinc IGA-lipo FRUITUS lipo

INVISION PHARMA LTD
Address: No. 194 / 31 / 2, Beretena Agrahara, Hosur Road, Bengaluru - 560100. Karnataka.
Email: admin@invisionpharma.com - Customer Care No.: 080 - 40987695 / 96 / 97

AAR ESS REMEDIES PVT. LTD.

New Launches

Let Not Worsen With Age

Tendosnap Forte

L- Arginine 500 mg + Chondroitin Sulfate 200 mg + Collagen Peptide Type-I 40 mg + Ascorbic Acid 35 mg + Sodium Hyaluronate 30 mg Tablets

Synergistically Alleviate Inflammatory Conditions

TOPPOZYME-P

Trypsin 96 mg + Bromelain 180 mg + Rutoside 200 mg + Papain 120 mg Tablets

Soliciting The Traditional Medicines

VORILAX - PC

Nano Curcumin (25%) 500 mg + Piperine (95%) 5 mg Tablets

C-28, Sector-65, Gautam Buddh Nagar, Noida-201301, Uttar Pradesh (INDIA)
www.aaressremedies.com,
info@aaressremedies.com
Contact: +91-7838364045

MD PAPER MAY 2025_32 Inch January. 2021.qxd 5/1/2025 9:50 AM Page 2

मकान में छापेमारी कर 9.5 लाख की नकली दवाइयां जब्त

पटना (बिहार)। मकान में छापेमारी के दौरान 9.5 लाख की नकली दवाइयां बरामद की गई हैं। यह कार्यवाही पटना औषधि नियंत्रण प्रशासन (ड्रग विभाग) ने की। सभी दवाइयां अलग-अलग कंपनी की महत्वपूर्ण एंटीबायोटिक के नाम पर हैं। यह छापेमारी पटना जिले के औषधि नियंत्रक प्रशासक चुनेंद्र महतो की देखरेख में की गयी। ड्रग विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर बहादुरपुर थाने के वाचस्पति नगर इलाके के एक घर में छापेमारी की। पता चला कि यह घर मिथिलेश कुमार का है। मिथिलेश के दोनों बेटे मनीष कुमार सिंह और दीपक कुमार सिंह मिल कर अवैध कारोबार करते थे। डीआई यशवंत कुमार झा और पंकज कुमार ने बताया कि छापेमारी में सैकड़ों पैकेट दवाइयों के अलावा 2500 से अधिक खुली गोलियां और कई प्रकार के एंटीबायोटिक की लगभग ढाई बोरी स्ट्रिप्स मिले हैं। इसके अलावा पैकिंग संबंधी उपकरण भी बरामद किये गये हैं।

मेडिकल डिवाइस पार्क पर नड्डा का दावा झूठा: हिमाचल सरकार

शिमला (हिमाचल प्रदेश)। मेडिकल डिवाइस पार्क मामले में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा के दावे को राज्य सरकार ने झूठा करार दिया है। राज्य की कांग्रेस सरकार ने कहा कि राज्य में मेडिकल

डिवाइस पार्क बनाने के लिए केंद्रीय धन का उपयोग नहीं किए जाने का केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा का दावा लोगों को गुमराह करने का प्रयास है। बता दें कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने राज्य की सुक्खू सरकार को ''सबसे भ्रष्ट'' करार दिया था और दावा किया कि सरकार ने मेडिकल डिवाइस पार्क के लिए आवंटित 25 करोड़ की राशि केंद्र को लौटा दी है। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने 350 करोड़ रुपये की परियोजना को रद नहीं किया है।

दर्द निवारक दवा निमेसुलाइड पर प्रतिबंध लगाना चाहिए : आईसीएमआर

नई दिल्ली: दर्द निवारक दवा निमेसुलाइड पर प्रतिबंध लगाने की भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने सलाह दी है। औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड के अनुरोध पर तैयार रिपोर्ट में कहा गया है कि लोकप्रिय दर्द निवारक दवा निमेसुलाइड के 100 मिलीग्राम से अधिक के सभी फॉर्मूलेशन को बैन कर देना जाना चाहिए। इस दवा के सभी उत्पादों पर 'ब्लैक बॉक्स' चेतावनी अनिवार्य की जानी चाहिए। वयस्क मनुष्यों में निमेसुलाइड के खराब सुरक्षा प्रोफाइल पर प्रकाश डाला गया है और सुझाव दिया गया है कि दवा को केवल द्वितीय-पंक्ति उपचार के रूप में आरक्षित किया जाना चाहिए। इसका उपयोग केवल तभी किया जाना चाहिए जब सभी प्रथम-पंक्ति विकल्प आजमा लिए गए हों और अप्रभावी पाए गए हों। इस रिपोर्ट के निष्कर्ष वयस्क आबादी में निमेसुलाइड के उपयोग के बारे में सख्त विनियामक निरीक्षण और बेहतर सार्वजनिक जागरूकता की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। हालांकि निमेसुलाइड बुखार और दर्द के प्रबंधन के लिए एक विकल्प बना हुआ है, लेकिन इसकी खराब सुरक्षा प्रोफाइल के कारण सावधानीपूर्वक विचार करना जरूरी है। यह रिपोर्ट ड्रग टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड द्वारा सिफारिशों को लागू करने के लिए विचार के लिए प्रस्तुत की गई है। बता दें कि विशेषज्ञ पैनल ने वयस्कों पर दवा के प्रभाव का आकलन करने के लिए आईसीएमआर को नियुक्त किया। डीटीएबी देश के सर्वोच्च औषधि नियामक प्राधिकरण, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के अंतर्गत आता है। डीटीएबी की सभी सिफारिशें अंतिम मंजूरी के लिए ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया को सौंपी जाती हैं।

जो सीडीएससीओ का प्रमुख है। आईसीएमआर की रिपोर्ट पर डीटीएबी ने पहले ही विचार कर लिया है और डीसीजीआई से मंजूरी मिलने के बाद इसकी सिफारिशें जल्द ही लागू हो सकती हैं। हालांकि, एक दवा कंपनी डीआर रेड्डीज ने दवा पर प्रतिबंध के खिलाफ एक प्रतिनिधित्व प्रस्तुत किया है। कंपनी का कहना है कि यह दवा वयस्क मानव आबादी में सुरक्षित है। डीटीएबी अब इस मामले में विचार-विमर्श करेगा और सिफारिशें देगा।

केईएम में एच-टेक खेल पुनर्वास केंद्र खुलेगा

मुंबई: प्राप्त समाचार के अनुसार शहर में पहली बार, परेल में नागरिक-संच. लित केईएम अस्पताल में एक उच्च तकनीक वाला खेल पुनर्वास केंद्र स्थापित किया जाएगा। 15,000 वर्ग फुट की सुविधा में खेल से संबंधित चोटों से पीड़ित लोगों की मदद करने के लिए उन्नत मशीनरी होगी। चाल विश्लेषण और प्रशिक्षण, मांसपेशियों की जांच और प्रशिक्षण के लिए मशीनें, साथ ही एक्वा ट्रेडमिल, एक ही छत के नीचे उन्नत पुनर्वास के लिए उपलब्ध होंगी। केईएम अस्पताल की डीन डॉ. संगीता रावत ने कहा, यह सुविधा हमारी ऊंची इमारत की 12वीं मंजिल पर बनेगी और लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत वाली एक टर्नकी परियोजना होगी। उन्होंने कहा कि भूमिपूजन किया गया। केंद्र अगस्त तक चालू हो सकता है। केंद्र के लिए धन बालकृष्ण इंडस्ट्रीज (बीकेटी) की विजयलक्ष्मी पोद्दार से आया, जिन्होंने कुछ साल पहले केईएम अस्पताल के आर्थोपेडिक विभाग को एक रोबोटिक हाथ दान किया था। अस्पताल के आर्थोपेडिक विभाग के प्रमुख डॉ. मोहन देसाई ने कहा, यह केंद्र पश्चिमी भारत में अपनी तरह का अनूठा होगा, जिससे सेठ जीएस मेडिकल कॉलेज और केईएम अस्पताल देश के उन छह विशिष्ट केंद्रों में से एक बन जाएगा जो खेल संबंधी चोटों और पुनर्वास के लिए समर्पित हैं। केईएम सेंटर एक खेल विज्ञान प्रयोगशाला होगी, जिसमें गति विश्लेषण, आर्थोस्कोपी, साथ ही पुनर्वास की सुविधा होगी। हम धावकों, क्रिकेटरों, जम्परों, आदि के लिए गति विश्लेषण करने में सक्षम होंगे, सहायक प्रोफेसर और खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ रोशन वेड ने कहा, जो केंद्र का प्रबंधन करेंगे। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर कई खिलाड़ी हैं जो पांच सितारा अस्पतालों और उनके महंगे पुनर्वास पैकेजों का खर्च नहीं उठा सकते हैं। कई खिलाड़ियों के लिगामेंट टियर और घुटने की चोटें हैं जो उनके करियर को खत्म कर सकती हैं। डॉ वेड ने कहा, हमारा केंद्र ऐसे युवा वंचित रोगियों की देखभाल करेगा और यदि संभव हो तो उन्हें खेल में वापस आने की अनुमति देगा। केंद्र के पूरी तरह चालू हो जाने के बाद केईएम अस्पताल से खेल चिकित्सा पर पीजी पाठ्यक्रम शुरू करने की भी योजना है

अमेरिकी खसरे और इसके टीकों के बारे में झूठे दावों के संपर्क में हैं

बेंगलुरु: अधिकांश वयस्कों और अभिभावकों ने खसरे और खसरे के टीके के बारे में झूठे दावे पढ़े या सुने हैं, जिससे कई लोग अनिश्चित हैं कि किस पर विश्वास करें, गैर-लाभकारी संगठन केएफएफ द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण से पता चला है। स्वास्थ्य नीति गैर-लाभकारी संगठन ने अमेरिकियों से पूछा कि क्या वे खसरे के बारे में तीन प्रचलित झूठे या भ्रामक बयानों के संपर्क में आए हैं। विशेषज्ञों ने कहा है कि सरकारी स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा टीकाकरण के लिए जोरदार वकालत की कमी और माता-पिता को भ्रमित करने वाले अप्रमाणित उपचारों पर बयानों से खसरे के बढ़ते मामलों के खिलाफ लड़ाई में बाधा आ रही है। केएफएफ द्वारा सर्वेक्षण किए गए 1,380 अमेरिकी वयस्कों और अभिभावकों में से एक तिहाई ने इस दावे का सामना किया है कि खसरा, कण्ठमाला और रूबेला (एमएमआर) का टीका लगवाना बीमारी से संक्रमित होने से ज्यादा खतरनाक है, जो मार्च 2024 में किए गए एक सर्वेक्षण के बाद से लगभग 15 प्रतिशत अंकों की वृद्धि को दर्शाता है। इसके बाद 11 मार्च को फॉक्स न्यूज पर एक साक्षात्कार हुआ जिसमें यू.एस. के स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने बिना किसी सबूत के यह दावा करके एमएमआर वैक्सीन के जोखिमों के बारे में एक झूठी कहानी को आगे बढ़ाया कि वैक्सीन के कारण हर साल मौतें होती हैं और बीमारी से जुड़ी सभी बीमारियाँ होती हैं। शीर्ष पद संभालने के बाद से, कैनेडी, जिनका टीकों के खिलाफ वकालत करने का एक लंबा इतिहास रहा है, ने खसरे को रोकने के लिए शॉट्स के उपयोग को सबसे अच्छे तरीके के रूप में समर्थन दिया है। हालाँकि, उन्होंने पोषण और उपचारों के बारे में भ्रामक दावे भी किए हैं, जिसमें विटामिन ए भी शामिल है, जो कुपोषण से पीड़ित कुछ बच्चों की मदद कर सकता है, लेकिन उच्च खुराक में यह लीवर को नुकसान पहुंचा सकता है। वैक्सीन विशेषज्ञों और चिकित्सकों का कहना है कि खसरे के लिए कोई प्रभावी दवा नहीं है, केवल इसके लक्षणों को नियंत्रित करने के लिए उपचार हैं, और उनका दावा है कि संक्रमण को रोकने का एकमात्र तरीका वैक्सीन है। खसरे का टीका एक खुराक के बाद 93% और दो खुराक के बाद 97% प्रभावी है। सर्वेक्षण में शामिल लगभग दस में से छह वयस्कों और 61% माता-पिता का कहना है कि उन्होंने पढ़ा या सुना है कि एमएमआर वैक्सीन ऑटिज्म का कारण बनती है, एक दावा जिसे कई अध्ययनों द्वारा खारिज किया गया है।

MD PAPER MAY 2025_32 Inch January. 2021.qxd 5/1/2025 9:50 AM Page 3

अजीम प्रेमजी अस्पताल गरीबों को देगा मुफ्त सेवाएं

रांची: अजीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा झारखंड में स्थापित किया जा रहा पहला अस्पताल गरीबों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा और इस परियोजना के जनवरी 2027 में पूरा होने की उम्मीद है, एक अधिकारी ने कहा। अधिकारी ने कहा कि अगर यह परियोजना सफल रही तो इसे देश भर में 15 समान उपक्रमों के साथ दोहराया जाएगा। फाउंडेशन में स्वास्थ्य परियोजना का नेतृत्व करने वाले आनंद स्वामीनाथन ने कहा कि रांची के इटकी ब्लॉक में लगभग 150 एकड़ के अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय परिसर में 230 बिस्तरों वाला सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज बनाया जा रहा है । इस सुविधा में अंततः 1,300 बिस्तर होंगे। हमारी योजना जनवरी 2027 तक 230 बिस्तरों वाले अस्पताल के साथ संचालन शुरू करने की है। अस्पताल और मेडिकल कॉलेज दोनों के लिए निर्माण शुरू हो गया है। यह देश में फाउंडेशन का पहला अस्पताल होगा, स्वामीनाथन ने संवाददाताओं से कहा। उन्होंने कहा, इस अस्पताल की सफलता के बाद, हमारा लक्ष्य भविष्य में देश भर में 15 और सुविधाएं स्थापित करना है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पिछले साल 24 जनवरी को 5,000 करोड़ रुपये की निजी विश्वविद्यालय परियोजना की आधारशिला रखी थी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का पहला चरण जुलाई 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है, और उसी साल शैक्षणिक सत्र शुरू होने की संभावना है। स्वामीनाथन ने इस बात पर जोर दिया कि गरीबों के लिए इलाज मुफ्त होगा, और दूसरों के लिए शुल्क वहनीय रहेगा। विश्वविद्यालय परिसर के भीतर चार एकड़ में एक स्कूल भी विकसित किया जा रहा है, जिसमें 12वीं कक्षा तक मुफ्त शिक्षा दी जाएगी। स्वामीनाथन ने कहा कि स्कूल में मध्याह्न भोजन, स्वास्थ्य जांच, यूनिफॉर्म, पाठ्यपुस्तकें और नोटबुक उपलब्ध कराई जाएंगी।

दवा दुकान में चोरी, तीन संदिग्ध हिरासत में

देवघर। दवा दुकान में चोरी के मामले में तीन संदिग्ध हिरासत में लिए गए हैं। नगर थाना इलाके के टावर चौक स्थित पावर्ती मेडिकल दुकान में देर रात को चोरी हो गई थी। दुकान से चोरों ने करीब सात लाख रूपये की दवा चोरी कर ली थी। इस बारे में दवा दुकान संचालक सुकदेव वर्णवाल ने नगर थाना में मामला दर्ज कराया था। इस चोरी के मामले में नगर पुलिस को अहम सुराग मिले हैं। पुलिस ने बाइपास रोड स्थित केनरा बैंक के पास एक मारूती वैन में सवार तीन संदिग्ध को हिरासत में लिया।

महिला की मौत के बाद गुम हुआ प्राइवेट अस्पताल

मल्लावां (हरदोई)। प्राप्त समाचार के अनुसार महिला की मौत का पता चलने के बाद प्राइवेट अस्पताल के गुम हो जाने का सनीसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। अस्पताल और चिकित्सकों के बोर्ड भी रातों रात हटा दिए गए। बांसा गांव के मजरा सथरा निवासी रेखा देवी (30) तीन माह की गर्भवती थीं। पेट में दर्द होने पर उसे संडीला रोड स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां अस्पताल के कर्मचारियों ने बताया कि पेट में पल रहा बच्चा खराब हो गया है। रेखा की जान को खतरा बताते हुए गर्भपात कराने की सलाह दी। इस पर महिला का गर्भपात करा दिया गया। अगले दिन महिला की हालत ज्यादा बिगड़ी तो परिजनों ने दूसरे चिकित्सकों के पास दिखाया। राहत न मिलने पर परिजन रेखा को लेकर लखनऊ ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। वहां रेखा की मौत हो गई। इससे परिजनों में कोहराम मच गया। मृतका के पिता कासिमपुर थाना क्षेत्र के बिहारीपुर निवासी दयाशंकर ने ससुरालीजनों पर इलाज में लापरवाही करने का आरोप लगाया। थानाध्यक्ष अनिल सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। रिपोर्ट आने पर आगे की कार्यवाही की जाएगी। उधर, रेखा की मौत की जानकारी अस्पताल के कर्मचारियों को भी हुई।

हार्ट अटैक से बचाएगी ये दवा

नई दिल्ली। हार्ट अटैक का खतरा कम करने वाली नई दवा इजाद कर ली गई है। शोधकर्ताओं ने एक ऐसी दवा खोज निकाली है जो लिपोप्रोटीन को काफी हद तक कम कर सकती है। उम्मीद जताई गई है कि इस दवा की मदद से दिल के दौरे और स्ट्रोक के जोखिमों को भी कम किया जा सकेगा।

MD PAPER MAY 2025_32 Inch January. 2021.qxd 5/1/2025 9:50 AM Page 4

पंजाब में टीबी से लड़ने के लिए नई उन्नत डायग्नोस्टिक वैन शुरू की गई

चंडीगढ़: प्राप्त समाचार के अनुसार पंजाब से टीबी (तपेदिक) को खत्म करने की दिशा में एक कदम बढ़ाते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण निदेशालय से एक उन्नत वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसमें बीमारी का जल्द पता लगाने के लिए एक हाथ से चलने वाली एक्स-रे मशीन और एक फ्लोरोसेंट माइक्रोस्कोप लगा हुआ है। उल्लेखनीय है कि अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहल के तहत इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने पीपल-टू-पीपल हेल्थ फाउंडेशन के साथ मिलकर पंजाब स्वास्थ्य विभाग को दो हाथ से चलने वाली एक्स-रे मशीनें और दो फ्लोरोसेंट माइक्रोस्कोप दान किए हैं। आईओसीएल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि ये मशीनें संगरूर और मलेरकोटला जिलों में निदान क्षमताओं को मजबूत करेंगी। मंत्री ने समय रहते पहचान की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि पंजाब में 2020-21 के सर्वेक्षण में व्यापकता-अधिसूचना अनुपात 2.8:1 पाया गया, जो स्क्रीनिंग प्रयासों को बढ़ाने की महत्वपूर्ण आवश्यकता को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि 40% से अधिक अधिसूचित मामले लक्षणहीन थे और एक्स-रे निष्कर्षों के माध्यम से पता चला, जो इस नैदानिक उपकरण की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के एमडी घनश्याम थोरी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण निदेशक डॉ. हितिंदर कौर, स्वास्थ्य सेवाएं (परिवार कल्याण निदेशक) डॉ. जसमिंदर, ईएसआई निदेशक डॉ. जसप्रीत कौर और राज्य टीबी अधिकारी डॉ. राजेश भास्कर भी मौजूद थे।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपराधों के लिए दंडात्मक कार्यवाही के नियम अधिसूचित किए

नई दिल्ली: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने औषधि विनियमन के तहत छोटे अपराधों के लिए अपराधों के शमन से संबंधित नियमों को अधिसूचित किया है। अंतिम अधिसूचना का उद्योग जगत को बहुत इंतजार था - लगभग नौ महीने पहले इसका मसौदा प्रकाशित हुआ था - क्योंकि जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम, 2023 के अनुरूप नियम कानूनी बोझ को कम करने, बेहतर अनुपालन का समर्थन करने और व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने में मदद करेंगे। 24 अप्रैल, 2025 की अंतिम अधिसूचना के अनुसार औषधि और प्रसाधन सामग्री (अपराधों का शमन) नियम, 2025, आधिकारिक राजपत्र में उनके प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे। मसौदा नियम 10 जुलाई, 2024 को जनता के लिए उपलब्ध कराए गए थे, जिसमें भारत के राजपत्र में मसौदा अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से 45 दिनों की समाप्ति पर या उसके बाद अंतिम अधिसूचना पर विचार करने की योजना थी। अंतिम अधिसूचना में, मंत्रालय ने कहा कि मसौदा नियमों पर जनता से प्राप्त आपत्तियों और सुझावों पर केंद्र सरकार द्वारा विचार किया गया था। इसमें कम्पाउंडिंग अथॉरिटी की नियुक्ति, आवेदन का प्रारूप और तरीका, कम्पाउंडिंग की प्रक्रिया, अभियोजन से उन्मुक्ति प्रदान करने के लिए प्राधिकरण की शक्तियाँ और ऐसे मामले जहाँ प्राधिकरण अभियोजन से उन्मुक्ति वापस ले सकता है, से संबंधित नियम हैं। नियमों के अनुसार, केंद्र और राज्य सरकारें अपराधों के कम्पाउंडिंग से संबंधित मामलों में उपाय करने के लिए नियम के तहत रिपोर्टिंग प्राधिकरण के पद से नीचे के किसी भी अधिकारी की नियुक्ति को कम्पाउंडिंग अथॉरिटी के रूप में अधिसूचित कर सकती हैं।

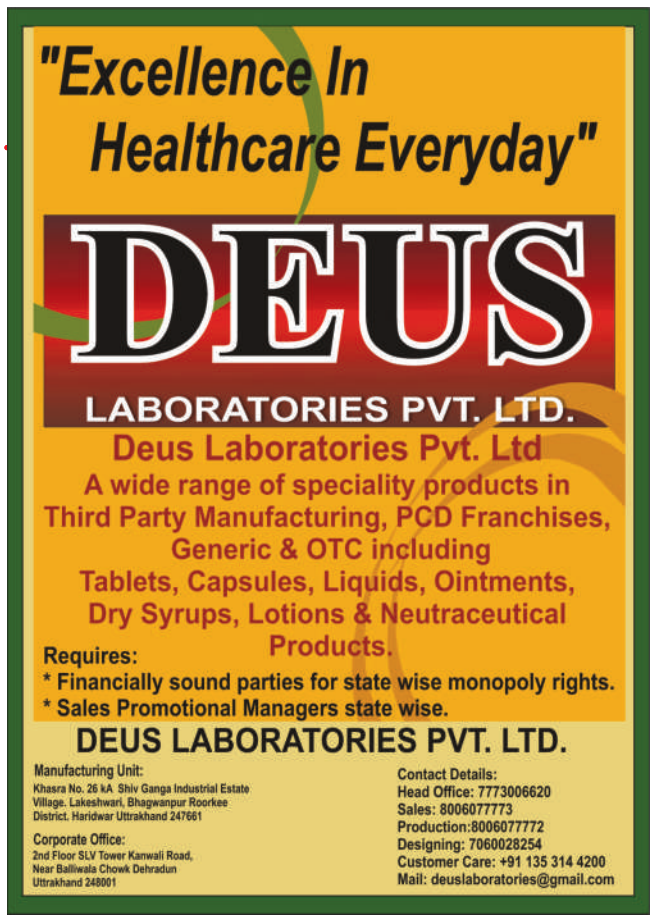

सरकार ने डायग्नोस्टिक लैब के लिए सीईए पंजीकरण अनिवार्य किया

जयपुर: राज्य स्वास्थ्य विभाग ने इस क्षेत्र को विनियमित करने के लिए नए सिरे से प्रयास करते हुए सभी डायग्नोस्टिक लैब के लिए क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट (सीईए) 2010 के तहत पंजीकरण कराना अनिवार्य कर दिया है। केंद्र और राज्य दोनों की अधिसूचनाओं के बावजूद, राज्य में अधिकांश लैब बिना पंजीकरण के काम कर रही हैं, जो अधिनियम का उल्लंघन है। अतिरिक्त निदेशक (अस्पताल प्रशासन), डॉ. नरोत्तम शर्मा ने कहा, हम उन लैब के खिलाफ कार्यवाही करेंगे जो सीईए 2010 के प्रावधानों के अनुसार पंजीकरण नहीं करवा रही हैं। हमने सभी मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि कोई भी लैब अधिनियम के तहत वैध पंजीकरण के बिना काम नहीं करेगी। स्वास्थ्य विभाग ने उन प्रयोगशालाओं की पहचान करने की कवायद शुरू कर दी है जो अवैध रूप से चल रही हैं और सीईए 2010 के प्रावधानों को पूरा नहीं कर रही हैं। प्रयोगशालाओं ने अधिनियम के तहत पंजीकरण के लिए आवेदन करना शुरू कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग की एक टीम उनकी प्रयोगशालाओं का निरीक्षण करेगी और उन्हें पंजीकरण देने से पहले यह सुनिश्चित करेगी कि प्रयोगशाला द्वारा सीईए के सभी प्रावधानों का पालन किया गया है।

MD PAPER MAY 2025_32 Inch January. 2021.qxd 5/1/2025 9:50 AM Page 5

अमृत और मृत्यु – दोनों ही इस शरीर में स्थित हैं. मनुष्य मोह से मृत्यु को व सत्य से अमृत को प्राप्त होता है

"यदि किसी का स्वभाव अच्छा है तो उसे किसी और गुण की क्या जरूरत है? यदि आदमी के पास प्रसिद्धि है तो भला उसे और किसी श्रृंगार की क्या आवश्यकता है?" –चाणक्य

सरकारी नियंत्रण याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने 107 नर्सिंग कॉलेजों को नोटिस जारी किया

जयपुरः सुप्रीम कोर्ट ने नर्सिंग कॉलेजों को विनियमित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा दायर एक विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर सुनवाई करते हुए 107 नर्सिंग कॉलेजों और भारतीय नर्सिंग परिषद (आईएनसी) को नोटिस जारी किए। राज्य सरकार ने राजस्थान उच्च न्यायालय की एकल पीठ और खंडपीठ के आदेशों के खिलाफ एसएलपी दायर की, जिसमें राज्य की नर्सिंग शिक्षा नीति की प्रमुख शर्तों को खारिज कर दिया गया था। अपलोड किए गए आदेश के अनुसार, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दलीलें सुनीं और राजस्थान के 107 नर्सिंग कॉलेजों और आईएनसी को नोटिस जारी किए। राज्य सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में नर्सिंग कॉलेजों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि देखी गई है, जो केवल फ्लैटों और इमारतों से संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें कोई वास्तविक बुनियादी ढांचा या गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता नहीं है। उन्होंने तर्क दिया, बड़े जनहित में, 7 जून, 2022 को एक नीति पेश की गई थी, जिसमें अनिवार्य किया गया था कि नर्सिंग कॉलेज स्थापित करने की इच्छा रखने वाले किसी भी संस्थान के पास 100 बिस्तरों वाला अस्पताल होना चाहिए और उसका संचालन करना चाहिए। नर्सिंग शिक्षा की विश्वसनीयता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए इसे न्यूनतम सीमा के रूप में रखा गया था। हालांकि, 4 नवंबर, 2022 को एकल पीठ ने राज्य सरकार की उस नीति को खारिज कर दिया, जिसमें अनिवार्य किया गया था कि नर्सिंग संस्थान में 100 बिस्तरों वाला अस्पताल होना चाहिए। शर्मा ने कहा, हमने इसे खंडपीठ में चुनौती दी, जिसने भी 1 मार्च, 2024 को हमारी अपील खारिज कर दी। इस प्रकार, हमने 12 अप्रैल, 2024 को सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और अपनी पहली सुनवाई में सर्वोच्च न्यायालय ने नोटिस जारी किए। राज्य सरकार ने यह भी तर्क दिया कि उच्च न्यायालय आईएनसी द्वारा निर्धारित न्यूनतम मानकों और अतिरिक्त सुरक्षा उपायों के बीच अंतर को समझने में विफल रहा, जिसे राज्य सरकार स्थानीय वास्तविकताओं के आधार पर लागू कर सकती है। शर्मा ने अदालत में तर्क दिया, घटिया संस्थानों की बढ़ती संख्या अपर्याप्त रूप से प्रशिक्षित पेशेवरों का उत्पादन करके सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सीधे खतरे में डालती है।

रूस-यूक्रेन युद्धः भारतीय फार्मा कंपनी भी फंसी, लॉबी ने पीएम मोदी से मदद मांगी

नई दिल्लीः एक भारतीय फार्मा कंपनी रूस-यूक्रेन संघर्ष क्षेत्र में फंस गई है, जिसके चलते फार्मा लॉबी समूह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग की है। छोटी और मध्यम फार्मा कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले फेडरेशन ऑफ फार्मा एंटरप्रेन्योर्स (FOPE) ने प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिखकर विदेशों में, खास तौर पर युद्ध क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों की संपत्तियों की सुरक्षा के लिए नीति बनाने की मांग की है। यूक्रेन में कुसुम हेल्थकेयर के गोदाम में कथित तौर पर मिसाइल से आग लगने के कुछ दिनों बाद ऐसा हुआ है। फेडरेशन ने 17 अप्रैल को लिखे अपने पत्र में कहा कि आग लगने से 150 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

FOPE ने सरकार से अनुरोध किया कि वह विदेश में भारतीय कंपनियों की संपत्तियों की सुरक्षा के लिए एक नीति बनाए जिस तरह से भारतीय नागरिकों के जीवन की रक्षा की जा सके। फेडरेशन ने कहा कि कंपनी संघर्ष क्षेत्र में जीवन रक्षक और महत्वपूर्ण दवाइयों की आपूर्ति करती है, और कुसुम को परिचालन जारी रखने में मदद करने के लिए तत्काल मुआवजे का भुगतान करने की मांग की। गोदाम कीव के पूर्वी हिस्से में स्थित था। रूस ने आरा. ेपों को खारिज कर दिया कि उसकी सेना ने गोदाम पर हमला किया। भारत में रूसी दूतावास ने सुझाव दिया कि यूक्रेन की वायु रक्षा मिसाइल के गलत तरीके से फायर किए जाने से नुकसान हो सकता है, इस घटना के लिए यूक्रेन की अयोग्य रूप से संचालित इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली को दोषी ठहराया। इसने कहा कि रूसी सेना ने कभी भी नागरिक सुविधाओं को निशाना नहीं बनाया। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि कुसुम हेल्थकेयर यूक्रेन में सबसे बड़ी भारतीय कंपनी है और अल्जाइमर और पार्किंसन के साथ-साथ अन्य गंभीर बीमारियों के लिए दवाओं के स्टॉक की व्यवस्था करने की पूरी कोशिश कर रही है। नाम न बताने की शर्त पर उन्होंने कहा, भारत सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए और इस मुद्दे को उठाना चाहिए।

फूजीफिल्म इंडिया ने पेश किया समाधान

मुंबईः प्राप्त समाचार के अनुसार हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी कंपनी फूजीफिल्म इंडिया ने 22वें मुंबई लाइव एंडोस्कोपी इवेंट में एल्युक्सियो 8000 थोरेप्यूटिक एंडोस्कोपी सॉल्यूशन पेश किया। फूजीफिल्म इंडिया के प्रबंध निदेशक कोजी वाडा ने कहा, उन्नत स्वास्थ्य सेवा को और अधिक सुलभ बनाने के हमारे प्रयासों में, हम भारत में एल्युक्सियो 8000 चिकित्सीय समाधान ला रहे हैं, जहां अत्याधुनिक परिशुद्धता से बेहतर रोगी देखभाल हो सकेगी।

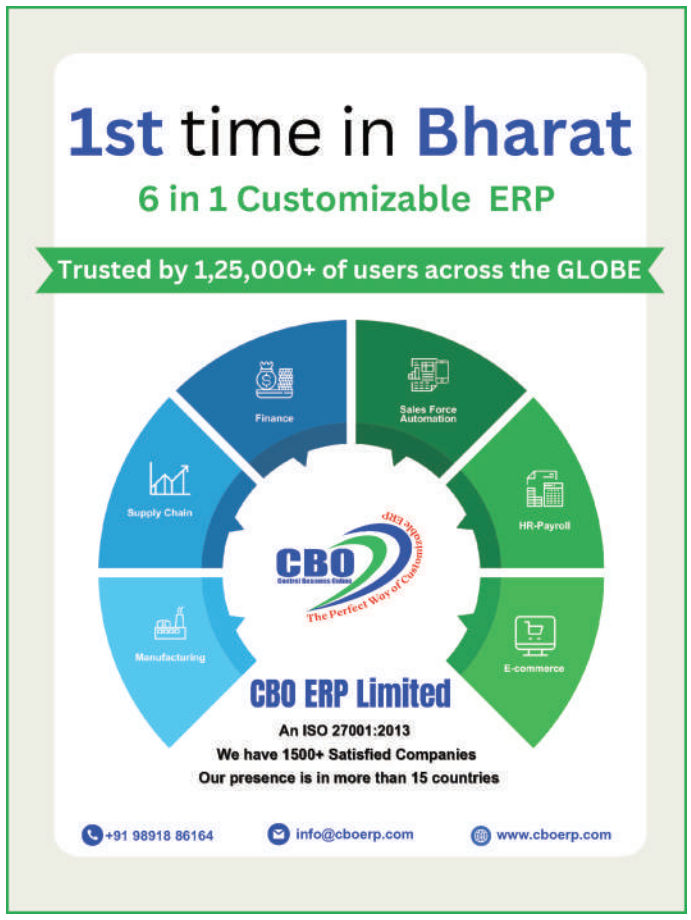

4 वर्ष तक घर बैठे यह समाचार पत्र पढ़ने के लिये हमारे पंजाब नैशनल बैंक के खाता संख्या 1824002100120081, IFSC Code - PUNB0145020 जो कि मैडीकल दर्पण के नाम से है, में रू० 500/- जमा कर अपना पूरा पता हमारे फोन नं०- 09045029158 पर SMS कर दें।

MD PAPER MAY 2025_32 Inch January. 2021.qxd 5/1/2025 9:50 AM Page 6

जन्मदिन पर ढेर सारी हार्दिक शुभकामनाएं

SHRI RAJESH K. BHANGALE JI	JALGAON	01/05/1969	9763790007
SHRI YOGESH MARKAND JI	NASHIK	01/05/1989	8999434537
SHRI. SUMIT KUMAR GUPTA JI	B.S.R	01/05/1982	9410483138
SHRI. SAURABH TOMAR JI	B.S.R	01/05/1988	8273095054
SHRI ANJU A.GUPTA JI	GONDIA	01/05/1984	9423414562
SHRI NILESH S. JAIN JI	NASHIK	01/05/1984	9823755528
SHRI HARIOM SINGHAL JI	AGRA	02/05/1970	9412332030
SHRI ATUL GARG JI	PANCHKULA	02/05/1977	9896074202
SHRI KARAN RAJ JAIN JI	HYDERABAD	02/05/1968	9391083353
SHRI SATISH M. SHIVRAME JI	JALGAON	02/05/1970	9325079255
SHRI NARENDRA MAHESHWARI JI	BANASKANTHA	03/05/1982	9429722813
SHRI DEEPAK S. LODHA JI	JALGAON	03/05/1977	9922292200
SHRI ATUL PETHIA JI	NAGPUR	04/05/1973	9325303018
SHRI TUSHAR S. HIRE JI	NASHIIK	04/05/1985	7771053835
SHRI WARKE R. JANJARAM JI	JALGAON	05/05/1965	9923445590
SHRI MANISH AGRAWAL JI	BHARATPUR	06/05/1992	7229839900
MR. KISHORE CHANDRA SAHU JI	ANGUL	06/05/1971	9439019600
DR. JAGROOP SINGH JI	MEERUT	06/05/1980	8006784785
SHRI SHRAVAN NAMDEV JI	JALGAON	06/05/1985	9423615168
SHRI CHETAN R.BHAMARE JI	NASHIK	10/05/1984	8698369898
SHRI VIJAY S. PATIL JI	BHANDARA	14/05/1982	9527243816
SHRI MANISH AGARWAL JI	NAGPUR	14/05/1974	9373767676
RAFU A. KHAN	NASHIK	15/05/1975	9822513147
SHRI GOPAK N.PATIL JI	BELGAUM	16/05/1968	9663517805
SHRI NILESH DESHPANDE JI	SOLAPUR	17/05/1983	9881136502
SHRI YOGESH KADAM JI	NASHIK	17/05/1984	9423932656
MOH. FURKHAN JI	B.S.R	18/05/1991	7895901048
SHRI YBV. PARVATHALU (BALU) JI	PRAKASAM	18/05/1970	9866395614
SHRI RAJESH KUMAR JI	AGRA	20/05/1957	9319102913
SHRI DINESH KUMAR GABDA JI	DHULE	21/05/1959	9552939759
SHRI NANDU BHAI PATIL JI	BANASKANTHA	21/05/1970	9879395808
SHRI MAHESH CHOUDHRY JI	PUNE	21/05/1991	9552310059
SHRI JIGNESH K. PATANI JI	VADODARA	22/05/1992	9879618351
SHRI MAYANK SINGH JI	RAJHAND-	22/05/1999	7000436157
SHILPA AGARWAL JI	B.S.R	22/05/1997	7409062958
SHRI BHANUDAS PATIL JI	JALGAON	22/05/1973	9890111659
SHRI SANDIP BORA JI	NASHIK	23/05/1974	9423485884
SHRI SAMEER K.PARKHI JI	NASHIK	23/05/1990	7588013365
SHRI ASHISH D. AGARWAL	BHANDARA	24/05/1986	9420517280
SHRI SHIVKUMAR BANSAL JI	AGRA	25/05/1998	9690617328
SHRI RAJ NARESH SHARMA JI	AGRA	26/05/1963	9219615112
SHRI JITENDRA MORANKAR JI	DHULE	26/05/1973	8483089386
SHRI D.M. MAHAJAN JI	KOLHAPUR	26/05/1965	9673355399
SHRI PRAKASH H. CHOUDHARY JI	SURAT	26/05/1988	8469935185
SHRI VIVEK GOSAVI JI	NASHIK	26/05/1988	8806057916
SHRI RUPESH GOVIND NANKAR	NASHIK	26/05/1985	9422766651
SHRI AMISH SHAHU JI	NAGPUR	27/05/1976	9860500915
SHRI PAVANJAIN JI	DHAULPUR	27/05/1977	9414028142
SHRI NISCHAL PUROHIT JI	TAPI	28/05/1972	9825651996
SHRI. ARUN CHAUDHARY JI	B.S.R	28/05/1993	9675023063
SHRI YOGESH N.BHOKARE JI	JALGAON	28/05/1977	9850210488
SHRI YOGESH N. BHOKARE JI	JALGAON	28/05/1977	9850210488
SHRI BHARAT BHAI PATEL JI	MEHSANA	31/05/1973	9429728129

1.हर पल,
एक संघर्ष।
बीत जाते,
सरे वर्ष।
2. सहन,
कर पाओ।
सम्मान,
न गंवाओ।
3. मुस्कुराओ,
खिलखिलाओ।
छोटा जीवन है,
प्रसन्न जी पाओ।
4. गलत पथ से,
लौट भी आइये।
सही पथ पर,
नाम कमाइये।
5. सुनते जाओ,
कम बोल पाओ।
सफलता को,
और पास लाओ।
6. विधि का,
यही विधान है।
हर समस्या,
का समाधान है।
डॉ. नरेन्द्र नाथ
लाहा, ग्वालियर,
मो. न. :
9826611169

सीएम मेडिकल सहायता कोष से 4.75 लाख रुपये हड़पने के आरोप में 3 डॉक्टरों पर मामला दर्ज, EOW करेगी जांच

ठाणे: महाराष्ट्र के ठाणे जिले के एक अस्पताल में फर्जी दस्तावेज और मरीज के रिकॉर्ड के जरिए मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से 4.75 लाख रुपये निकालने के आरोप में तीन डॉक्टरों पर मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शाम को एक बयान में सीएम कार्यालय ने कथित अपराध को बेहद परेशान करने वाला बताया और कहा कि यह कोष वंचित मरीजों के इलाज के लिए है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आर्थिक अपराध शाखा ने जांच अपने हाथ में ले ली है। खड़कपाड़ा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि मई और जुलाई 2023 के बीच हुई इस धोखाधड़ी के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी), 406, 471 (जाली दस्तावेजों को असली के तौर पर इस्तेमाल करना) और अन्य संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया। सीएम कार्यालय ने कहा कि आरोपी डॉ. अनुदुर्ग ढोने (45), डॉ. प्रदीप बापू पाटिल (41) और डॉ. ईश्वर पवार ने मोहने के अंबीविली में गणपति मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल में 13 गैर-मौजूद मरीजों के लिए अस्पताल में भर्ती होने और इलाज के रिकॉर्ड में कथित तौर पर हेराफेरी की।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि सीएम के चिकित्सा सहायता कोष से 4.75 लाख रुपये का दावा करने के लिए सर्जरी और इलाज के रिकॉर्ड सहित फर्जी दस्तावेज जमा किए गए थे। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, आरोपी ने जाली मेडिकल दस्तावेजों का एक विस्तृत जाल बनाया ताकि यह दिखाया जा सके कि असली मरीजों का इलाज किया गया था और यहां तक कि ऑपरेशन और इलाज के रिकॉर्ड भी बनाए। सीएम कार्यालय ने कहा कि धोखाधड़ी 11 जुलाई, 2023 को सामने आई, जब दो बड़े मामलों में अनियमितताएं पाई गईं, जिसमें मस्तिष्क की बीमारी के लिए अरविंद सोलखी के इलाज के लिए 3.7 लाख रुपये और इसी तरह के इलाज के लिए भगवान भदाने के लिए 3.1 लाख रुपये मंजूर किए गए थे। हालांकि, जांच से पता चला कि मरीजों को उनके आवेदन में बताए गए अस्पतालों से अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। जब अधिकारियों ने गणपति अस्पताल का दौरा किया, जहां भदाने भर्ती थे, तो उन्होंने पाया कि अस्पताल की हालत बहुत खराब थी। सीएम कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि जब अस्पताल के डॉ. धोने से दस्तावेज दिखाने के लिए कहा गया, तो वे अपने बच्चे को स्कूल से लेने के बहाने भाग गए। बाद की जांच से पता चला कि 17 जुलाई, 2023 को जब डॉ. धोने को मुख्यमंत्री सचिवालय में बुलाया गया, तो वे उपस्थित नहीं हुए। अपने बयान में उन्होंने डॉ. पवार और डॉ. पाटिल को सुविधाकर्ता के रूप में फंसाया, जिन्होंने अस्पताल को सरकारी पैनल में सूचीबद्ध करवाने में उनकी मदद की।

पैल्विक दर्द के लिए ओवर-द-काउंटर गोलियों से बचें: डॉक्टर

लखनऊ: विशेषज्ञों के अनुसार पेल्विक दर्द को कभी भी नजर. अंदाज नहीं करना चाहिए या ओवर-द-काउंटर दवाओं से खुद का इलाज नहीं करना चाहिए क्योंकि यह पुरुषों और महिलाओं दोनों में महत्वपूर्ण अंगों से जुड़ी अंतर्निहित चिकित्सा स्थितियों का संकेत हो सकता है। पेल्विक दर्द के कई कारण हो सकते हैं और अगर यह लगातार बना रहता है तो इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। प्रारंभिक निदान और उचित चिकित्सा मूल्यांकन जटिलताओं को रोक सकता है, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के एनेस्थीसिया विभाग की दर्द चिकित्सा इकाई द्वारा आयोजित मल्टीस्पेशलिटी पेल्विक दर्द संगोष्ठी में बोलते हुए प्रो. सरिता सिंह ने कहा। केजीएमयू की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद, आईएसपीसी के संस्थापक सदस्य डॉ. अनिल अग्रवाल और केजीएमयू में एनेस्थीसिया विभाग की प्रमुख प्रो. मोनिका कोहली ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रोफेसर नित्यानंद ने बताया कि केजीएमयू ने दर्द निवारक दवा के क्षेत्र में डीएम कार्यक्रम शुरू करने के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) को प्रस्ताव भेजा है। प्रोफेसर मोनिका कोहली ने स्व-चिकित्सा के माध्यम से दर्द को दबाने के खिलाफ चेतावनी दी और पेशेवर सलाह की आवश्यकता पर बल दिया।

हीटवेव कार्ययोजना बनाएं मुख्य सचिव: हाईकोर्ट

जयपुर: राजस्थान उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने राज्य में हीटवेव की स्थिति पर स्वत: संज्ञान लेते हुए कार्यवाही शुरू की। न्यायालय ने मुख्य सचिव को कार्ययोजना बनाने और हीटवेव से संबंधित सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभावों को कम करने के लिए बनाए गए पिछले न्यायालय के आदेशों के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए समन्वय समिति गठित करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति अनूप कुमार ढांड ने राजस्थान के मुख्य सचिव को नागरिकों को भीषण हीटवेव की स्थिति से बचाने के लिए कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, जिला कलेक्टरों को पिछले निर्देशों के अनुपालन पर रिपोर्ट देने के लिए कहा गया, जिसमें कूलिंग सेंटर, ट्रैफिक सिग्नल शेड और गर्मी से संबंधित बीमारियों के लिए चिकित्सा सुविधाओं की स्थापना शामिल है। न्यायमूर्ति ढांड ने कहा, पिछले साल भी इस मामले का स्वत: संज्ञान लिया गया था. और इसे एक सिविल याचिका के रूप में पंजीकृत किया गया था, जिसमें उच्च न्यायालय ने विभिन्न निर्देश जारी किए थे। तब से 10 महीने से अधिक समय बीत चुका है, और राज्य द्वारा हीटवेव की बढ़ती स्थिति से निपटने के लिए कोई कार्य योजना तैयार नहीं की गई है। न्यायालय ने राज्य सरकार को सलाह दी कि वह जोखिम वाले श्रमिकों, जिनमें मजदूर, गाड़ी खींचने वाले, कुली और रिक्शा चालक शामिल हैं।

कैल्शियम की कमी हड्डियों को बना देती है खोखला, आज से ही शुरू कर दें ये उपाय

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, उम्र के साथ शरीर में कैल्शियम का अवशोषण घट जाता है। इसके अलावा महिलाओं में विशेषकर रजो. निवृत्ति के बाद, एस्ट्रोजन हार्मोन की कमी से हड्डियां कमजोर होती हैं।

शरीर को फिट रखने के लिए हड्डियों का मजबूत होना बहुत आवश्यक माना जाता है। हालांकि लाइफस्टाइल और आहार की गड़बड़ी के कारण कम उम्र में ही हड्डियों से संबंधित समस्याओं का जोखिम तेजी से बढ़ता देखा जा रहा है, कैल्शियम की कमी को इसका एक कारण माना जा सकता है। भारत में कैल्शियम की कमी एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता है, अध्ययनों से पता चलता है कि विभिन्न आयु समूहों में लो कैल्शियम की दिक्कत देखी जाती रही है। अध्ययन में पाया गया कि भारत में शहरी क्षेत्र में स्कूल जाने वाले 59.9% बच्चों और किशोरों में कैल्शियम की कमी हो सकती है। कैल्शियम हड्डियों, दांतों, मांसपेशियों, नसों और हृदय के सामान्य कामकाज के लिए बहुत जरूरी खनिज है।

क्यों होती है कैल्शियम की कमी: बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी लोगों को नियमित रूप से आहार में कैल्शियम युक्त चीजों को शामिल करने की सलाह दी जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कैल्शियम हड्डियों-दांतों से संबंधित लाभ के अलावा हृदय की लय और मांसपेशियों के संकुचन को भी नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण है।

क्या आप अपने आहार के माध्यम से इस पोषक तत्व की पूर्ति कर पा रहे हैं?

शरीर में अपर्याप्त कैल्शियम हाइपोकैल्सीमिया नामक स्थिति का कारण बन सकती है। इस समस्या में भ्रम, मांसपेशियों में ऐंठन, हाथ-पैर में सुन्नता और हड्डियों के फ्रैक्चर होने का खतरा अधिक होता है। कैल्शियम की कमी हड्डियों की ताकत को कम कर सकती है और ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन सकती है।

क्यों होती है कैल्शियम की कमी?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, उम्र के साथ शरीर में कैल्शियम का अवशोषण घट जाता है, यही कारण है कि 50 की आयु के बाद वाले लोगों में इसकी महत्वपूर्ण कमी देखी जाती है। इसके अलावा महिलाओं में विशेषकर रजोनिवृत्ति के बाद, एस्ट्रोजन हार्मोन की कमी से हड्डियां कमजोर होती हैं।

खान-पान की आदतों को दुरुस्त करने से लीवर रोग का खतरा 50 प्रतिशत तक हो सकता है कम

नई दिल्ली: शहरी और ग्रामीण दोनों ही आबादी में लीवर की बीमारियों में वृद्धि के बीच, डॉक्टरों ने आहार संबंधी आदतों और लीवर के स्वास्थ्य के बीच महत्वपूर्ण संबंध पर जोर दिया। विश्व लीवर दिवस की पूर्व संध्या पर, चिकित्सा विशेषज्ञ भोजन ही दवा है का संदेश दे रहे हैं, उनका कहना है कि आज स्वस्थ बदलाव लीवर की बीमारी के जोखिम को 50 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि लीवर में खुद को ठीक करने की अद्भुत क्षमता होती है और सही जीवनशैली में बदलाव करके सालों से चली आ रही क्षति को भी ठीक किया जा सकता है। ताजे फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज और लीन प्रोटीन से भरपूर आहार न केवल लीवर की बीमारी को रोकता है बल्कि लीवर के पुनर्जनन में भी सहायता करता है। डॉक्टरों के रूप में, हम चमत्कार देखते हैं जब मरीज स्वच्छ आहार पर स्विच करते हैं - लिवर एंजाइम का स्तर बेहतर होता है, ऊर्जा का स्तर वापस बढ़ता है और दीर्घकालिक स्वास्थ्य परिणाम काफी बेहतर होते हैं। पहला कदम खाद्य लेबल पढ़ना और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर निर्भरता कम करना है, सैगल ने कहा। इस वर्ष के विश्व लिवर दिवस का विषय - भोजन दवा है - लिवर के स्वास्थ्य को बनाए रखने में आहार के महत्व को रेखांकित करता है। लिवर की बीमारी अब शराब के दुरुपयोग तक ही सीमित नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, अस्वास्थ्यकर खाने के पैटर्न, मोटापे और व्यायाम की कमी के कारण गैर-अल्कोहल फैटी लिवर रोग में चिंताजनक वृद्धि हुई है। फ्रंटियर्स इन न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक हालिया बड़े पैमाने के अध्ययन ने लीवर के स्वास्थ्य में आहार की महत्वपूर्ण भूमिका को पुष्ट किया है। यूके बायोबैंक में 1,21,000 (1.21 लाख) से अधिक प्रतिभागियों के डेटा का विश्लेषण करते हुए, शोधकर्ताओं ने पाया कि आहार संबंधी भड़काऊ सूचकांक द्वारा मापी गई उच्च प्रो-इंफ्लेमेटरी क्षमता वाले आहार का सेवन करने वाले व्यक्तियों में क्रोनिक लीवर रोग विकसित होने का जोखिम 16 प्रतिशत अधिक था। भूमध्यसागरीय आहार और स्वस्थ भोजन सूचकांक 2020 पर उच्च स्कोर करने वाले जैसे एंटी-इंफ्लेमेटरी आहार पैटर्न का पालन, क्रोनिक लीवर रोग के कम जोखिम से जुड़ा था। लिवर ट्रांसप्लांटेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया के भावी अध्यक्ष डॉ. अभिदीप चौधरी ने कहा, यह एक खामोश स्थिति है - अक्सर बिना किसी लक्षण के जब तक बहुत देर हो चुकी होती है। चिकित्सा अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि शुरुआती चरण के लिवर क्षति वाले लोग भी निरंतर जीवनशैली में बदलाव करके इसके प्रभावों को उलट सकते हैं। चौधरी - जो दिल्ली के बीएलके-मैक्स अस्पताल में एचपीबी (हेपेटो-पैनक्रिएटो-बिलियरी) सर्जरी और लिवर प्रत्यारोपण विभाग के उपाध्यक्ष और प्रमुख भी हैं - ने आगे कहा, ताजा उपज, घर का बना भोजन, हाइड्रेशन और ध्यानपूर्वक खाने से हम लिवर की बीमारियों को दूर रख सकते हैं। चीनी से भरपूर पेय, जंक फूड और फास्ट फूड लिवर को नुकसान पहुंचाते हैं। न्यूट्रिएंट्स में प्रकाशित एक अन्य हालिया अध्ययन प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से उच्च फ्रुक्टोज सेवन और मोटे बच्चों में चयापचय संबंधी शिथिलता से जुड़े स्टेटोटिक लिवर रोग के विकास के बीच एक चिंताजनक संबंध को उजागर करता है।

MD PAPER MAY 2025_32 Inch January. 2021.qxd 5/1/2025 9:50 AM Page 7

बी-कांप्लेक्स की गोलियां गुणवत्ता जांच में फेल मिली

रायबरेली (उप्र)। बी-कांप्लेक्स की गोलियां गुणवत्ता जांच में फेल पाई गई हैं। बेलाभेला सीएचसी से लिए गए अलग-अलग तीनों बैच की दवाओं में हार्डनेस की कमी मिली। ड्रग इंस्पेक्टर शीवेंद्र प्रताप सिंह ने इनका सैंपल लेते समय 13,900 टैबलेट के वितरण पर रोक लगा दी थी। रिपोर्ट आने के बाद मध्यप्रदेश की निर्माता कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। जिला अस्पताल और सभी सीएचसी में बैच नंबर वीबीटी1449, वीबीटी2448, वीबीटी2452 की तीन लाख से अधिक टैबलेट मरीजों में वितरण के लिए दी गई थी। जनवरी में आशंकित तीनों बैच की दवा का एक-एक सैंपल लेकर लैब जांच के लिए भेजा गया था।

महाराष्ट्र के बुलढाणा में लोगों के नाखून गिर रहे, स्वास्थ्य मंत्रालय ने भेजी टीम

महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के शेगांव में कम से कम पांच गांवों में नाखूनों की असामान्यता और उनके अलग होने की नई समस्या सामने आई है। यह घटना करीब चार महीने पहले उस क्षेत्र के 15 गांवों के लोगों द्वारा गंभीर रूप से बाल झड़ने की शिकायत के बाद सामने आई है। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, शेगांव में लगभग 30 लोगों के नाखूनों में असामान्यताएं पाई गई हैं, जो रक्त में सेलेनियम के बढ़े हुए स्तर से संबंधित हो सकती हैं। जिला स्वास्थ्य विभाग की एक टीम ने प्रभावित गांवों में जाकर लक्षण दिखाने वाले लोगों के रक्त के नमूने एकत्र किए। बोंडगांव में सात मामलों की खोज के बाद, यह स्थिति तेजी से आस-पास के गांवों में फैल गई, जिसमें शेगाँव के कथोरा, कलवाड़ और मछिंद्रखेड़ और पास के मेहर तहसील के घुई गाँव में दो मामले शामिल हैं। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमोल गीते ने दावा किया कि बाल और नाखून का झड़ना शरीर में सेलेनियम के बढ़े हुए स्तर के कारण हो सकता है। उन्होंने कहा, हमें अगले कुछ दिनों में और अधिक निश्चित परीक्षण परिणामों की उम्मीद है। शेगांव ने दिसंबर 2024 और जनवरी की शुरुआत में राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया, जब निवासियों ने अचानक गंजापन और बाल झड़ने की शिकायत की। यह उसी समय था जब राशन की दुकानों के माध्यम से वितरित गेहूं में सेलेनियम की उच्च सांद्रता के कारण शेगांव सुर्खियों में आया था। हालांकि, दावों की पुष्टि नहीं हुई। बुलढाणा के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल बांकर ने पीटीआई को बताया, शेगाँव तालुका के चार गांवों में 29 लोगों के नाखून विकृत पाए गए हैं। उन्होंने कहा, कुछ मामलों में नाखून गिर गए हैं। उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया है और आगे की जांच के लिए शेगांव के एक अस्पताल में भेजा जाएगा। शुरुआती शोध के आधार पर, बंकर ने इस समस्या को उच्च सेलेनियम की उपस्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराया, क्योंकि जो लोग बाल झड़ने से पीड़ित हैं, वे नाखून झड़ने की समस्या का भी सामना कर रहे हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) ने पहले बाल झड़ने के मामलों की जांच की और रक्त और बालों के नमूनों में असामान्य रूप से उच्च सेलेनियम स्तर पाया। बेंगलुरु के एस्टर व्हाइटफील्ड अस्पताल की त्वचा विशेषज्ञ डॉ प्रियंका कुरी के अनुसार, शरीर में सेलेनियम की उच्च मात्रा सेलेनियम विषाक्तता या सेलेनोसिस नामक स्थिति पैदा करती है। डॉ कुरी ने बताया, वयस्कों के लिए 400 एमसीजी/दिन की सहनीय सीमा से अधिक सेलेनियम का लगातार सेवन करने से बाल या नाखून झड़ने के साथ-साथ थकान, पेट की समस्या और लहसुन जैसी सांसों की दुर्गंध हो सकती है। गुरुग्राम के सीके बिरला अस्पताल में त्वचाविज्ञान सलाहकार डॉ. सीमा ओबेरॉय लाल ने इस बात से सहमति जताते हुए दावा किया कि सेलेनोसिस से पीड़ित लोगों में बालों का झड़ना, बालों का पतला होना और नाखूनों का रंग खराब होना, कमजोर होना या अलग हो जाना जैसे लक्षण हो सकते हैं। डॉ. कुरी ने दावा किया कि सेले. नियम का सेवन कम करके सेलेनोसिस की स्थिति को ठीक किया जा सकता है, लेकिन बेहतर परिणाम के लिए समय रहते इसका पता लगाना जरूरी है।

थोक दवा आयात में 15.7 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार फरवरी महीने में देश में बल्क ड्रग्स और ड्रग इंटरमीडिएट्स के आयात में पिछले साल के इसी महीने के मुकाबले 15.7 फीसदी की गिरावट देखी गई है। वित्त वर्ष 2024-25 के पहले 11 महीनों में पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले आयात में 1.6 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, फरवरी, 2025 के दौरान बल्क ड्रग्स और ड्रग इंटरमीडिएट्स का आयात 320.93 मिलियन डॉलर रहा, जबकि पिछले साल के इसी महीने में यह 380.74 मिलियन डॉलर था। इसकी तुलना फरवरी, 2024 में दर्ज आयात में 9.86 प्रतिशत की वृद्धि से की गई है, जबकि 2023 के इसी महीने में यह 346.57 मिलियन डॉलर था। फरवरी, 2025 के महीने में लगभग 74 प्रतिशत आयात, जो 239.48 मिलियन डॉलर था, चीन से हुआ, इसके बाद सिंगापुर से 7.8 मिलियन डॉलर, इटली से 7.34 मिलियन डॉलर, जर्मनी से 7.31 मिलियन डॉलर और अमेरिका से 5.58 मिलियन डॉलर का आयात हुआ। रुपये के संदर्भ में, फरवरी, 2025 के दौरान आयात में 11 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जो 2,793.9 करोड़ रुपये थी, जबकि 2024 के इसी महीने में आयात 3,158.9 करोड़ रुपये था। गिरावट की तुलना फरवरी, 2024 में दर्ज 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि से की गई है, जबकि फरवरी, 2024 में यह 1,084.8 करोड़ रुपये था। फरवरी, 2025 को समाप्त पहले 11 महीनों के दौरान, थोक दवाओं और मध्यवर्ती वस्तुओं का आयात 4.25 बिलियन डॉलर था, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 4.19 बिलियन डॉलर था। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि के दौरान चीन का योगदान लगभग 74 प्रतिशत यानी 3.15 बिलियन डॉलर था।

11 महीनों के दौरान आयात 3.52 प्रतिशत बढ़कर 35,934 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 34,712 करोड़ रुपये था। जैसा कि पहले बताया गया है, अप्रैल से दिसंबर, 2024 के अंत तक नौ महीने की अवधि के दौरान आयात 3.5 बिलियन डॉलर रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 3.42 बिलियन डॉलर था। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान भारत का थोक दवाओं और दवा मध्यवर्ती उत्पादों का आयात 4.55 बिलियन डॉलर रहा, जो वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान दर्ज किए गए 4.51 बिलियन डॉलर की तुलना में मामूली गिरावट है। केंद्र सरकार बल्क ड्रग्स, ड्रग इंटरमीडिएट्स और की स्टार्टिंग मटीरियल्स जैसे आवश्यक फार्मास्युटिकल कच्चे माल के आयात को कम करने पर जोर दे रही है और इन सामग्रियों के घरेलू उत्पादन को समर्थन देने के लिए विभिन्न प्रोत्साहन योजनाएं शुरू की हैं। फार्मास्यूटिकल्स विभाग देश में फार्मा कच्चे माल के उत्पादन को बढ़ावा दे रहा है, जिसमें देश में महत्वपूर्ण प्रमुख प्रारंभिक सामग्री (केएसएम)/दवा मध्यवर्ती और सक्रिय दवा सामग्री (एपीआई) के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना भी शामिल है, ताकि व्यापार करने में आसानी और योजना का लाभ उठाने के संबंध में विभिन्न पहलुओं में उद्योग का समर्थन किया जा सके।

तेज धूप में गन्ने का जूस पीने के हैं कई नुकसान, जानिए सेवन का सही समय और तरीका

क्या आप जानते हैं कि तेज धूप में गन्ने का रस पीना सेहत को नुकसान भी पहुंचा सकता है। इसे पीने का समय और तरीका सही न हो, तो यह फायदे की जगह नुकसान भी पहुंचा सकता है। गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडक और ऊर्जा देने के लिए गन्ने का रस एक उपयोगी पेय है। गन्ने का जूस सेहत के लिए काफी फायदेमंद भी माना जाता है। इस मौसम में भारत में तो चौराहे और नुक्कड़ों पर गन्ने का रस आसानी से मिल जाता है। चिलचिलाती गर्मी से राहत पाने के लिए लोग गन्ने का रस पीना पसंद करते हैं। लोगों को लगता है कि पानी के बजाय गन्ने का जूस पीने से स्वास्थ्य लाभ भी होगा और प्यास भी बुझेगी। लेकिन क्या आप जानते हैं कि तेज धूप में गन्ने का रस पीना सेहत को नुकसान भी पहुंचा सकता है। इसे पीने का समय और तरीका सही न हो, तो यह फायदे की जगह नुकसान भी पहुंचा सकता है। आइए जानते हैं तेज धूप में गन्ने का जूस पीने के नुकसान क्या है और इसे पीने का सही समय और तरीका क्या है।

चिलचिलाती धूप में शरीर पहले से गर्म होता है। ऐसे में गन्ने का ठंडा रस पीने से पाचन तंत्र पर असर पड़ सकता है, जिससे गैस, अपच या पेट में ऐंठन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। गन्ने का रस प्राकृतिक रूप से ठंडा होता है। गर्मी में पसीने से भीगा शरीर जब अचानक ठंडी चीज लेता है, तो इससे गला खराब हो सकता है या सर्दी-खांसी हो सकती है। खुले में बिकने वाले गन्ने के जूस में हाइजीन की कमी हो सकती है। तेज धूप में गन्ने को खुले में रखना बैक्टीरिया पनपने का कारण बनता है, जिससे फूड पॉइजनिंग या पेट की इंफेक्शन हो सकती है। गन्ने में प्राकृतिक शक्कर अधिक होती है। धूप में थके हुए शरीर में इसे तुरंत पीने से शुगर लेवल अचानक बढ़ सकता है, जिससे चक्कर या थकान महसूस हो सकती है।

न्यूबर्ग डायग्नोस्टिक्स और मैग्नम इमेजिंग ने मिलकर न्यूबर्ग मैग्नम की स्थापना की

चेन्नई: प्राप्त समाचार के अनुसार डायग्नोस्टिक्स हेल्थकेयर चेन न्यूबर्ग डायग्नोस्टिक्स ने मैग्नम इमेजिंग एंड डायग्नोस्टिक्स के साथ मिलकर तिरुचिरापल्ली में एक अत्याधुनिक एकीकृत सुविधा स्थापित की है, एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को कहा। यह साझेदारी पैथोलॉजी और आणविक निदान में न्यूबर्ग की वैश्विक विशेषज्ञता को मैग्नम इमेजिंग एंड डायग्नोस्टिक्स की उन्नत रेडियोलॉजी और इमेजिंग में उत्कृष्टता के साथ जोड़ती है। कंपनी के एक बयान में कहा गया कि तिरुचिरापल्ली में अत्याधुनिक एकीकृत डायग्नोस्टिक्स और इमेजिंग सेंटर न्यूबर्ग मैग्नम का शुभारंभ इस क्षेत्र के लिए व्यापक और व्यक्तिगत स्वास्थ्य सेवा में एक नए युग का प्रतीक है। तिरुचिरापल्ली सिटी म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन के मेयर एमयू अंबालागन ने वर्चुअली इस केंद्र के साथ-साथ जिले भर में स्थापित 14 सैटेलाइट केंद्रों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर तिरुचिरापल्ली सिटी कॉरपोरेशन की महिला कर्मचारियों के लिए एक विशेष महिला स्वास्थ्य कार्ड भी लॉन्च किया गया। न्यूबर्ग डायग्नोस्टिक्स के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक जीएसके वेलु ने कहा, न्यूबर्ग मैग्नम के साथ, हम डायग्नोस्टिक्स के भविष्य को आगे बढ़ा रहे हैं। हमें इस अत्याधुनिक सुविधा के माध्यम से तिरुचिरापल्ली में विश्व स्तरीय सेवाएं लाने पर गर्व है।

डिवीज लैब ने वैश्विक दवा इकाई समझौते पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली: डिवीज लैबोरेटरीज ने कहा कि उसने एक वैश्विक दवा कंपनी के साथ आपूर्ति समझौता किया है। डिवीज लैबोरेटरीज ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि दीर्घकालिक समझौते के तहत, कंपनी पार्टियों के बीच सहमत वाणिज्यिक शर्तों के अनुसार उन्नत मध्यवर्ती उत्पादों का निर्माण और आपूर्ति करेगी। कंपनी को इस दीर्घकालिक समझौते से सार्थक राजस्व योगदान की उम्मीद है, उसने भागीदार की पहचान का खुलासा किए बिना कहा। कंपनी ने कहा, कंपनी 650 करोड़ रुपये से 700 करोड़ रुपये के बीच अनुमानित निवेश के साथ अपनी विनिर्माण सुविधाओं में क्षमता वृद्धि की योजना बना रही है, जिसे आंतरिक स्रोतों से वित्तपोषित किया जाएगा।

MD PAPER MAY 2025_32 Inch January. 2021.qxd 5/1/2025 9:50 AM Page 8

मां और बच्चे की सेहत, Heatwave के दौरान ऐसे बनाएं प्रेग्नेंसी को सेफ

नई दिल्ली। गर्मी का मौसम अपने चरम पर पहुंच चुका है। अप्रैल के महीने में ही लोगों को मई-जून वाली गर्मी का एहसास होने लगा है। इसी बीच मौसम विभाग की तरफ से हीटवेव यानी लू को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। राजधानी दिल्ली समेत देश के कई इलाकों में इस समय हीटवेव का कहर जारी है। ऐसे में लू से बचने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। खासकर अगर आप इस मौसम में प्रेग्नेंट (hot weather pregnancy care Tips) हैं, तो खुद का ख्याल रखना और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है। गर्मी अक्सर प्रेग्नेंसी (summer pregnancy safety tips) को मुश्किल बना सकती है। ऐसे में इस दौरान सुरक्षित रहने के लिए कुछ सावधानी बरतना जरूरी है।

गर्मी में क्यों मुश्किल हो जाती है प्रेग्नेंसी?

प्रेग्नेंसी के दौरान अक्सर शरीर में कई सारे बदलाव होते हैं। शरीर में इन हार्मोनल बदलाव और ब्लड फ्लो में बढ़ोतरी के कारण एक महिला के शरीर का तापमान अपने आप बढ़ जाता है। ऐसे में गर्म मौसम में अपने शरीर को ठंडा रखना मुश्किल हो जाता है, जिससे गर्मी की वजह से कई तरह की समस्याएं जैसे हीट एग्जॉशन या हीटस्ट्रोक (How to avoid heatstroke in pregnancy) का खतरा बढ़ जाता है।

गर्मी के मौसम में खासकर हीटवेव के दौरान ज्यादा गर्म या लू वाले समय में बाहर निकलने से बचें। इसलिए सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच घर के अंदर ही रहने की कोशिश करें। अगर आपको बाहर निकलना ही पड़े, तो टोपी आदि से अपने सिर को अच्छी तरह ढंके, ढीले सूती कपड़े पहनें और सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें।

सांस लेने वाले ढीले कपड़े पहनें: गर्मी के मौसम में खासकर कपड़ों का ख्याल रखें। इस दौरान हल्के रंग के, ढीले-ढाले और सांस लेने वाले कपड़े जैसे सूती या लिनन फैब्रिक को चुनें, जो पसीने को सोखने में मदद करते हैं और काफी आरामदायक भी होते हैं।

हाइड्रेटेड रहें: गर्मी में सेहतमंद रहने का सबसे सरल उपाय खुद को हाइड्रेट रखना है। इसके लिए दिन भर खूब पानी पिएं, भले ही आपको प्यास न लगे। साथ ही अगर आपको बहुत ज्यादा पसीना आ रहा है, तो नारियल पानी या ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन जैसे इलेक्ट्रोलाइट की मदद शरीर में पानी की कमी पूरा करें।

पंखे और एयर कंडीशनिंग का इस्तेमाल करें: इस मौसम में खुद को गर्मी से बचाने के लिए जितना हो सके ठंडे माहौल में रहें। इसके लिए पंखे और एयर कंडीशनिंग का इस्तेमाल करें। अगर आपके पास एयर कंडीशनिंग की सुविधा मौजूद नहीं है, तो शरीर के तापमान को कम करने के लिए पंखे, ठंडे शॉवर या अपनी गर्दन और कलाई पर गीले तौलिए का इस्तेमाल करें।

वॉर्निंग साइन्स पर नजर रखें: अगर आपको चक्कर आना, मतली, दिल की तेज धड़कन, सिरदर्द या मांसपेशियों में ऐंठन जैसे लक्षण नजर आते हैं, तो अनदेखा न करें। साथ ही अगर आपको ज्यादा गर्मी या अस्वस्थता महसूस हो रही है, तो आराम करें, पानी पिएं और अगर फिर भी लक्षण बने रहते हैं, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें।

बचपन में जीवाणु विष के संपर्क में आने से युवाओं में कोलोरेक्टल कैंसर हो सकता है: अध्ययन

वाशिंगटन: शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने शुरुआती कोलोरेक्टल कैंसर में खतरनाक वृद्धि के पीछे एक संभावित माइक्रोबियल अपराधी की पहचान की है : कोलीबैक्टिन नामक एक जीवाणु विष । वैज्ञानिकों की रिपोर्ट है कि बचपन में कोलीबैक्टिन के संपर्क में आने से कोलन कोशिकाओं के डीएनए पर एक अलग आनुवंशिक हस्ताक्षर अंकित होता है - जो 50 वर्ष की आयु से पहले कोलोरेक्टल कैंसर के विकास के जोखिम को काफी हद तक बढ़ा सकता है। अध्ययन का नेतृत्व कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन डिएगो के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने किया था। यह एस्चेरिचिया कोली के कुछ उपभेदों द्वारा निर्मित होता है जो कोलन और मलाशय में रहते हैं, कोलीबैक्टिन एक ऐसा विष है जो डीएनए को बदलने में सक्षम है। 23 अप्रैल को नेचर में प्रकाशित नए अध्ययन में 11 देशों में कोलोरेक्टल कैंसर के अलग-अलग जोखिम स्तरों वाले प्रारंभिक और देर से शुरू होने वाली बीमारी वाले रोगियों के 981 कोलोरेक्टल कैंसर जीनोम का विश्लेषण किया गया। निष्कर्षों से पता चलता है कि कोलीबैक्टिन डीएनए उत्परिवर्तन के विशिष्ट पैटर्न को पीछे छोड़ता है जो प्रारंभिक-शुरुआत के मामलों (विशेष रूप से 40 से कम उम्र के वयस्कों में) में 70 वर्ष की आयु के बाद निदान किए गए लोगों की तुलना में 3.3 गुना अधिक आम थे। ये उत्परिवर्तन पैटर्न विशेष रूप से प्रारंभिक-शुरुआत के मामलों की उच्च घटनाओं वाले देशों में भी प्रचलित थे। ये उत्परिवर्तन पैटर्न जीनोम में एक तरह का ऐतिहासिक रिकॉर्ड हैं, और वे प्रारंभिक-शुरुआत की बीमारी के पीछे एक प्रेरक शक्ति के रूप में कोलीबैक्टिन के शुरुआती जीवन के संपर्क की ओर इशारा करते हैं,ष यूसी सैन डिएगो में बायोइंजी. नियरिंग के शू चिएन-जीन ले विभाग और सेलुलर और आणविक चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर, अध्ययन के वरिष्ठ लेखक लुडमिल एलेक्जेंड्रोव ने कहा। हालांकि पिछले अध्ययनों, जिसमें एलेक्जेंड्रोव की प्रयोगशाला के पहले के काम भी शामिल हैं, ने सभी कोलोरेक्टल कैंसर के मामलों में से लगभग 10 से 15 प्रतिशत में कोलीबैक्टिन से संबंधित उत्परिवर्तन की पहचान की है, वे अध्ययन या तो देर से शुरू होने वाले मामलों पर केंद्रित थे या प्रारंभिक और देर से शुरू होने वाली बीमारी के बीच अंतर नहीं करते थे।

औषधि पैनल दुरुपयोग को रोकने के लिए ओटीसी दवाओं की बिक्री पर लगाम लगाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार भारत में दवाओं पर शीर्ष सलाहकार बोर्ड दुरुपयोग को रोकने और रोगी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आम तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) दवाओं की बिक्री पर लगाम लगाने की योजना पर विचार कर रहा है, मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया। प्रस्ताव के तहत, केवल 27 दवाओं को डॉक्टर के पर्चे के बिना बेचा जा सकता है, वह भी खुराक और मात्रा पर अंकुश के साथ। सूची में एंटीपायरेटिक्स, दर्द निवारक, एंटासिड, कफ सिरप, मौखिक गर्भनिरोधक, एंटीसेप्टिक्स, जुलाब, नाक स्प्रे, डोमपेरिडोन (एंटी-इमेटिक), आयरन और फोलिक एसिड की गोलियां, एसओएस दवा के अलावा शामिल हैं।

कई दवाएं जो वर्तमान में डॉक्टर के पर्चे की आवश्यकता के बिना वितरित की जा रही हैं, उन्हें बाहर रखा गया है, क्योंकि उप-समिति का मानना है कि इन्हें केवल डॉक्टर की मंजूरी पर बेचा जाना चाहिए। इस सप्ताह ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की बैठक होने की उम्मीद है, जिसमें सिफारिश पर फैसला लिया जाएगा। देश के नियामक प्राधिकरण, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने पिछले साल ओटीसी दवाओं के लिए रूपरेखा तैयार करने के लिए आठ सदस्यीय उप-समिति का गठन किया था। इसे यह निर्धारित करने के लिए एक तंत्र बनाने के लिए कहा गया था कि कौन सी दवाएँ ओटीसी दवाओं के रूप में योग्य होंगी, जिसमें चिकित्सकों के सुझाव शामिल होंगे। ओटीसी उप-समिति के अध्यक्ष डॉ. अनुपम प्रकाश ने पुष्टि की कि रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी। उन्होंने कहा, इसका उद्देश्य आम तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं की पहुँच बढ़ाना और साथ ही रोगी की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। प्रकाश ने कहा, सभी एसओएस दवाओं को सूची में शामिल किया गया है। हमने कई दवाओं को हटा दिया है जो फार्मासिस्टों के पास उपलब्ध हैं और उन्हें केवल नुस्खे के साथ ही दिया जाना चाहिए। ओटीसी सूची में शामिल दवाओं के लिए, उप-समिति ने सुरक्षित उपयोग को बढ़ावा देने के लिए उपचार की अवधि के लिए उपयुक्त छोटे पैक आकार की सिफारिश की है, खासकर उन दवाओं के लिए जिनके दुरुपयोग या ओवरडोज का संभावित जोखिम है।

ओटीसी दवा की बिक्री पर लग सकता है प्रतिबंध

नई दिल्ली। ओटीसी दवा की बिक्री पर जल्द ही प्रतिबंध लगाया जा सकता है। दवाओं के दुरुपयोग को रोकने और रोगी सुरक्षा की गारंटी देने के लिए भारत का प्रमुख औषधि सलाहकार पैनल यह विचार कर रहा है। अक्सर इस्तेमाल की जाने वाली स्व-चिकित्सा दवाओं की ओवर-द-काउंटर बिक्री को सीमित करने के प्रस्ताव पर विचार किया गया है। बताया गया है कि केवल 27 दवाएं बिना डॉक्टर के पर्चे के बेची जाएंगी और ये दवाएं सीमाओं और मात्रा नियंत्रण के अधीन होंगी। इस सूची में ज्वरनाशक, दर्दनाशक, एंटासिड, खांसी के मिश्रण, मौखिक गर्भनिरोधक, एंटीसेप्टिक, जुलाब, नाक स्प्रे, डोमपेरिडोन (एक उल्टी-रोधी), आयरन और फोलिक एसिड की गोलियां, तथा एसओएस दवाएं शामिल हैं । कई दवाइयाँ जो अब काउंटर पर उपलब्ध हैं, उन्हें सूची से बाहर रखा गया है। दरअसल, उप-समिति का मानना है कि उन्हें केवल डॉक्टर के पर्चे के साथ ही दिया जाना चाहिए। इस सप्ताह औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड की बैठक होगी, जिसमें सिफारिश को अंतिम रूप दिया जाएगा। ओटीसी उप-समिति के अध्यक्ष डॉ. अनुपम प्रकाश ने पुष्टि की कि रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य आम तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं की पहुंच बढ़ाना और साथ ही रोगी की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। सभी एसओएस दवाओं को सूची में शामिल किया गया है। हमने कई दवाओं को हटा दिया है जो फार्मासिस्टों के पास उपलब्ध हैं और उन्हें केवल नुस्खे के साथ ही दिया जाना चाहिए।

फार्मासिस्ट बनाने के लिए 4 लाख का दे रहे पैकेज

नई दिल्ली। फार्मासिस्ट बनाने के लिए 4 लाख रुपये का पैकेज दिया जा रहा है। यह हैरतअंगेज खुलासा दिल्ली की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने किया है। फर्जी फार्मेसी रजिस्ट्रेशनों की जांच के बाद गिरफ्तार दिल्ली फार्मेसी काउंसिल (डीपीसी) के पूर्व रजिस्ट्रार कुलदीप सिंह सहित 48 लोगों से पूछताछ में यह बात सामने आई। एसीबी की जांच में सामने आया है कि दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में बड़ी संख्या में दलाल सक्रिय हैं।

ये अनपढ़ को भी चार लाख रुपये में मैट्रिक का सर्टिफिकेट, फार्मेसी का डिप्लोमा और फार्मेसी रजिस्ट्रेशन नंबर तक उपलब्ध करवा रहे हैं। इस घोटाले में दलालों के साथ डीपीसी के पूर्व रजिस्ट्रार कुलदीप सिंह और कई कॉलेजों के मालिक भी शामिल हैं। 4,900 से अधिक रजिस्ट्रेशन जांच के दायरे में हैं।

गिरफ्तार किए गए दलाल संजय कुमार ने बताया कि वह ऐसे लोगों को टारगेट करते हैं, जो पढ़े लिखे नहीं हैं और फार्मेसी की दुकान पर काम करते थे। ऐसे लोगों को अपनी फार्मेसी की दुकान खोलने का लालच देकर वह उन्हें फंसाते हैं। उसके बाद 4 लाख से 8 लाख रुपये तक का सौदा तय किया जाता है। इस सौदे में मैट्रिक सर्टिफिकेट से लेकर फार्मेसी की पढ़ाई का डिप्लोमा और फिर दुकाल खोलने के लिए आवश्यक दिल्ली फार्मेसी काउंसिल (डीपीसी) का पंजीकरण नम्बर तक दिया जाता है। दिल्ली फार्मेसी काउंसिल आवेदकों के दस्तावेजों को कॉलेज से ई-मेल के जरिए वेरिफाई करता है। दस्तावेज सत्यापित होने के बाद रजिस्ट्रार रजिस्ट्रेशन जारी करने से पहले एक इंटरव्यू आयोजित करता है। संजय और उसके सहयोगियों ने इसका फायदा उठाया। उन्होंने काउंसिल और कॉलेज में अपने जानकारों की मदद ली। आरोपी संजय रोहिणी में एक प्रिंटर के पास जाकर फर्जी दस्तावेज तैयार करता था। दस्तावेज छपने के बाद उन्हें पंजीकरण के लिए डीपीसी की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाता था। उसके बाद कॉलेज को उनकी जानकारी दी जाती थी। डीपीसी की ओर से ई-मेल के लिए दस्तावेज वेरिफाई होने के बाद रजिस्ट्रेशन नंबर दे दिया जाता था। एक आवेदक से चार लाख रुपये लिए जाते थे और इसमें से 1.5 लाख रुपये कथित तौर पर रजिस्ट्रार को दिए जाते थे।

फार्मासिस्टों ने प्रतिबंधित कफ सिरप के स्टॉक पर स्पष्टता की मांग की

नई दिल्ली: फार्मासिस्टों ने कई दवाओं को संभालने की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं जिन्हें हाल ही में चार साल से कम उम्र के बच्चों में इस्तेमाल के लिए प्रतिबंधित किया गया था। ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) को लिखे एक पत्र में, फार्मासिस्टों के एक राष्ट्रीय निकाय, इंडियन फार्मास्युटिकल एसोसिएशन (IPA) ने प्रतिबंधित कफ सिरप के स्टॉक पर स्पष्टता मांगी है जो पहले से ही वितरण चौनल में है। सुरक्षा और प्रभावशीलता की चिंताओं का हवाला देते हुए, भारत की शीर्ष दवा नियामक एजेंसी ने निर्माताओं को तत्काल प्रभाव से उन निश्चित खुराक संयोजन (FDC) दवाओं के उत्पादन, बिक्री और वितरण को रोकने का निर्देश दिया था। प्रति. बंधित कफ सिरप ब्रांड जो कुछ निश्चित संरचना और ताकत के साथ व्यापक रूप से निर्धारित और बेचे जाते हैं। आईपीए ने पूछा है कि क्या मौजूदा स्टॉक निर्माताओं को वापस कर दिया जाना चाहिए या स्टॉक खत्म होने तक बेचा जाना चाहिए। निकाय ने यह भी पूछा है कि क्या फार्मेसी एफडीसी वितरित कर सकती है यदि उन्हें चार साल से कम उम्र के बच्चे के लिए डॉक्टर द्वारा निर्धारित किया गया हो। क्लोरफेनिरामाइन मैलेट और फिनाइलफ्राइन हाइड्रोक्लोराइड के निश्चित खुराक संयोजन के सभी फॉर्मूलेशन को इस शर्त के अधीन निर्माण, बिक्री और वितरण के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है कि निर्माता लेबल और पैकेज इंसर्ट या दवा के प्रचार साहित्य में चेता. वनी का उल्लेख करेंगे निश्चित खुराक संयोजन का उपयोग चार साल से कम उम्र के बच्चों में नहीं किया जाएगा।

भारत में हीमोफीलिया के लिए पहली बार मानव जीन थेरेपी का परीक्षण किया गया

बेंगलुरु: बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च एंड इनोवेशन काउंसिल के इंस्टीट्यूट फॉर स्टेम सेल साइंस एंड रीजनरेटिव मेडिसिन (ब्रिक-इनस्टेम) और सीएमसी वेल्लोर के बीच सहयोग से हीमोफीलिया के लिए देश का पहला मानव जीन थेरेपी परीक्षण हुआ है, अधिकारियों ने घोषणा की। हीमोफीलिया एक आनुवंशिक रक्त विकार है जिसमें रक्त सामान्य रूप से नहीं जमता है, जिससे असामान्य रक्तस्राव होता है।

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने ब्रिक-इनस्टेम में सुविधाओं के निरीक्षण के दौरान काम में प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निवारक और पुनर्योजी स्वास्थ्य सेवा में संस्थान के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा, यह भारत की वैज्ञानिक यात्रा में एक मील का पत्थर है। सिंह ने BRIC-inStem की बायोसेफ्टी लेवल III प्रयोगशाला का दौरा किया, जो भारत के वन हेल्थ मिशन के तहत उच्च जोखिम वाले रोग. जनकों का अध्ययन करने के लिए एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सुविधा है। महामारी ने हमें सिखाया कि हमें हमेशा तैयार रहना चाहिए। इस तरह की सुविधाएं हमें खतरों से आगे रखेंगी। हाल ही में शुरू किए गए सेंटर फॉर रिसर्च एप्लीकेशन एंड ट्रेनिंग इन एम्ब्रियोलॉजी (CReATE) को विकासात्मक जीव विज्ञान अनुसंधान के माध्यम से जन्म दोषों और बांझपन को संबोधित करने के अपने काम के लिए प्रशंसा मिली।

35 एफसीडी दवाओं के उत्पादन और बिक्री पर लगी रोक

बीबीएन (हप्र)। 35 एफसीडी दवाओं के उत्पादन और बिक्री पर केंद्र सरकार ने रोक लगा दी है। देशभर में बिना वैज्ञानिक परीक्षण और मंजूरी के बनाई और बेची जा रही एफसीडी (फिक्स्ड कंबीनेशन डोज) दवाओं पर तुरंत प्रभाव से रोक लगाने के निर्देश जारी किए हैं। इन एफसीडी दवाओं में दर्द निवारक, मधुमेह की दवाएं, उच्च रक्तचाप की दवाएं, नर्व पेन (तंत्रिका संबंधी दर्द) की दवाएं, प्रजनन क्षमता बढ़ाने वाली दवाएं और पोषण संबंधी सप्लीमेंट शामिल हैं। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया डा. राजीव सिंह रघुवंशी ने निर्देश में कहा है कि कुछ एफडीसी दवाओं को बिना सुरक्षा और प्रभावशीलता का वैज्ञानिक मूल्यांकन किए राज्य स्तर पर लाइसेंस जारी किए गए हैं।

फार्मा कंपनियों के नकली रैपर व दवाएं बरामद

दरियापुर (बिहार)। फार्मा कंपनियों के नकली रैपर व दवाएं बरामद किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इसके चलते दवा दुकान को सील कर दिया गया है। थाना क्षेत्र के सैदपुर में पुलिस ने एक मेडिकल स्टोर पर छापेमारी कर भारी मात्रा में कई कंपनियों की रैपर व दवाएं बरामद की। इसके चलते दवा दुकान को सील भी कर दिया है। बताया गया है कि वैशाली जिले के गुर्मियां गांव के मो सादुल्ला पटना में ब्रांड प्रोटैक्शन सर्विसेज कंपनी में कार्य करते हैं। उन्हें शिकायत मिली कि पटना हनुमान मंदिर का सुनील यादव दरियापुर के सैदपुर में दुकान भाड़े पर लेकर दवा कंपनी हिमालया, सिपला व इंटास के प्रोडक्ट खुलेआम बिक्री कर रहा है।

MD PAPER MAY 2025_32 Inch January. 2021.qxd 5/1/2025 9:50 AM Page 9

ह्यूमन मिक्सटार्ड पर भारतीय मधुमेह रोगी इंसुलिन थेरेपी में बदलाव से चिंतित

बेंगलुरु: भारत की मधुमेह आबादी, विशेष रूप से नोवो नॉर्डिस्क के ह्यूमन मिक्सटार्ड इंसुलिन पर निर्भर लोग, अब नुस्खे के तौर-तरीकों में बदलाव को लेकर आशंकित हैं। इन चिंताओं के लिए नैदानिक प्रभावकारिता, सामर्थ्य और पहुंच सहित विभिन्न कारकों को जिम्मेदार ठहराया जाता है। राज्य चिकित्सा शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आने वाले कर्नाटक इंस्टीट्यूट ऑफ एंडोक्राइनोलॉजी एंड रिसर्च ने कहा कि मौजूदा दिनचर्या से परिचित मरीजों के लिए नुस्खे बदलना उलझन भरा हो सकता है। मधुमेह विशेषज्ञों के एक वर्ग ने कहा कि जब मरीज अपने इंसुलिन उपचार में बदलाव का सामना करते हैं, तो वे घबराहट और बेचौनी के दौर से गुजरते हैं, खासकर अगर नया उपचार उनके स्थापित दिनचर्या से काफी अलग हो। देश में मधुमेह रोगियों की संख्या सबसे अधिक है, जिसकी अनुमानित संख्या 212 मिलियन है। मधुमेह से पीड़ित लोगों की संख्या के मामले में भारत दुनिया में सबसे आगे है, यहां तक कि चीन से भी आगे। ग्रुप फार्मास्युटिकल्स के बिजनेस डेवलपमेंट के उपाध्यक्ष सुनील चिपलूनकर ने कहा कि दुनिया में इंसुलिन के तीन बड़े उत्पादक एली लिली, नोवो नॉर्डिस्क और सैनोफी हैं। नोवो नॉर्डिस्क इंसुलिन रेंज राज्यों ने मनोवैज्ञानिकों को दवा लिखने का अधिकार दिया

7 राज्यों (कोलोराडो, इडाहो, इलिनोइस, आयोवा, लुइसियाना, न्यू मैक्सिको और यूटा) ने लाइसेंस प्राप्त मनोवैज्ञानिकों को दवा लिखने का अधिकार दिया है। यह आंदोलन मानसिक स्वास्थ्य देखभाल की कमी को दूर करने के लिए उभरा, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहाँ मनोचिकित्सकों की सीमित पहुँच है। प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिकों को अवसादरोधी, चिंतानिवारक और मूड स्टेबलाइजर जैसी मनोविकृतिरोधी दवाएँ लिखने की अनुमति देकर, इन राज्यों का उद्देश्य एकीकृत उपचार मॉडल के माध्यम से प्रतीक्षा समय को कम करना और रोगी देखभाल को बेहतर बनाना है। 1 प्रिस्क्राइबिंग मनोवैज्ञानिक टॉक थेरेपी को औषधीय हस्तक्षेपों के साथ जोड़ते हैं, जिससे अक्सर कई प्रदाताओं के कारण होने वाली रुकावट कम हो जाती है। प्रिस्क्रिप्शन अथॉरिटी के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए, मनोवैज्ञानिकों के पास डॉक्टरेट की डिग्री (पीएचडी या PsyD) होनी चाहिए और क्लिनिकल साइकोफार्माकोलॉजी (MSCP) में 2 साल का मास्टर डिग्री प्रोग्राम पूरा करना चाहिए, जिसमें कोर्सवर्क और पर्यवेक्षित क्लिनिकल ट्रेनिंग दोनों शामिल हैं। मनोवैज्ञानिकों के लिए साइकोफार्माकोलॉजी परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद, उम्मीदवारों को एक अनंतिम लाइसेंस प्राप्त होता है, जिसके लिए उन्हें स्वतंत्र रूप से प्रिस्क्राइब करने से पहले 2 साल की पर्यवेक्षित प्रैक्टिस की आवश्यकता होती है। ये आवश्यकताएं यह सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन की गई हैं कि प्रिस्क्राइबिंग मनोवैज्ञानिकों के पास दवाओं को सुरक्षित और प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए आवश्यक ज्ञान हो। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन मनोवैज्ञानिकों के लिए प्रिस्क्रिप्शन अथॉरिटी का समर्थन करता है, निदान, चिकित्सा और मनोचिकित्सा में उनके व्यापक प्रशिक्षण का हवाला देते हुए। न्यू मैक्सिको और लुइसियाना के अध्ययनों से पता चला है कि प्रिस्क्रिप्शन मनोवैज्ञानिकों से रोगी के परिणाम बेहतर हो सकते हैं, जैसे आत्महत्या की दर कम करना। 3 समर्थकों का तर्क है कि यह पहल देखभाल में महत्वपूर्ण अंतराल को संबोधित करती है, खासकर ग्रामीण समुदायों में जहां मनोचिकित्सक सीमित हैं। प्रिस्क्रिप्शन मनोवैज्ञानिक दवा-सहायता प्राप्त चिकित्सा की आवश्यकता वाले रोगियों के लिए अधिक सुलभ और लागत प्रभावी विकल्प प्रदान करते हैं। इन लाभों के बावजूद, इस पहल को अमे. रिकन मेडिकल एसोसिएशन और अमेरिकन साइकियाट्रिक एसोसिएशन से विरोध का सामना करना पड़ रहा है। आला. `चकों का तर्क है कि मनोवैज्ञानिकों के पास सुरक्षित रूप से दवाएँ लिखने के लिए आवश्यक चिकित्सा विशेषज्ञता का अभाव है, विशेष रूप से कई स्थितियों या दवा की परस्पर क्रिया से जुड़े जटिल मामलों में। इन संगठनों का मानना है कि दवाएँ लिखने का अधिकार मनोचिकित्सकों और प्राथमिक देखभाल चिकित्सकों जैसे चिकित्सकीय रूप से प्रशिक्षित पेशेवरों के पास रहना चाहिए, जिनके पास इन जटिलताओं को कवर करने वाला व्यापक चिकित्सा प्रशिक्षण हो रहा है, खासकर शहरी और ग्रामीण इलाकों में टाइप 2 मधुमेह का प्रबंधन करने वालों के लिए। इसने एक किफायती, पूर्व मिश्रित समाधान पेश किया जिसने इंसुलिन थेरेपी को अधिक सुलभ और प्रबंधित करना आसान बना दिया। हम इस बात को समझते हैं कि यह परिवर्तन हमारे कई रोगियों के लिए चिंता पैदा कर सकता है जो वर्षों से इस फॉर्मूलेशन पर स्थिर हैं। डॉ. महेश ने फार्माबिज को बताया कि, यह देखभाल का अंत नहीं है क्योंकि आज भारतीय बाजार में बहुत विश्वसनीय और सुलभ विकल्प उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि एरिस-बायोकॉन द्वारा इंसुजेन और एक्ससुलिन 30/70, लिली द्वारा ह्यूमिनसुलिन 30/70 और एंथम द्वारा इंसुट्रेंड 30/70 जैसे विकल्प तुलनीय प्रभावकारिता प्रदान करते हैं और सही चिकित्सा मार्गदर्शन के साथ रोगी की देखभाल योजना में आसानी से एकीकृत किए जा सकते हैं। इसके अलावा, अब हमारे पास एरिस-बायोकॉन, एंथम और लिली जैसी कंपनियों के अधिक उन्नत प्रीमिक्स एनालॉग इंसुलिन तक पहुंच है, जो बेहतर ग्लाइसेमिक नियंत्रण, हाइपोग्लाइकेमिया का कम जोखिम और भोजन और जीवनशैली के साथ अधिक लचीलापन प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि ये इंसुलिन शरीर की प्राकृतिक इंसुलिन प्रतिक्रिया की बारीकी से नकल करते हैं और दीर्घकालिक परिणामों में काफी सुधार कर सकते हैं

भारतीय फार्मा ग्रीन फार्मा 2.0 की ओर बढ़ रहा है, जहां एआई, डिजिटल ट्विन्स, टिकाऊ अणु डिजाइन का बोलबाला है

बेंगलुरु: प्राप्त समाचार के अनुसार भारतीय दवा उद्योग सौर पैनलों और ऊर्जा-कुशल मशीनरी के उपयोग के साथ हरित क्रांति के बीच में है। नवाचार का एक नया युग फार्मा उद्योग को ग्रीन फार्मा 2.0 की ओर धकेल रहा है, जहाँ कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल जुड़वाँ और टिकाऊ अणु डिजाइन फार्मा के लिए एक हरित, स्मार्ट भविष्य के निर्माण के कुछ पहलू हैं। HRV ग्लोबल लाइफ साइंसेज के प्रबंध निदेशक और न्यू होराइजन ग्लोबल फार्मा के सीईओ हरि किरण चेरेड्डी के अनुसार, पारंपरिक दवा उत्पादन बहु-चरण संश्लेषण मार्गों पर निर्भर करता है, अक्सर विषाक्त सॉल्वैंट्स और उच्च-ऊर्जा प्रतिक्रियाओं के साथ। अब, इन रासायनिक मार्गों को फिर से इंजीनियर करने के लिए AI प्रोग्राम का उपयोग किया जा रहा है, जो कम उपोत्पादों और कम ऊर्जा आवश्यकताओं के साथ सर्वोत्तम प्रतिक्रिया मार्गों का पूर्वानुमान लगाते हैं। मशीन लर्निंग एल्गोरिदम अब लाखों सिंथेटिक मार्गों को मॉडल कर सकते हैं और सबसे कुशल, पर्यावरण के अनुकूल लोगों को चुन सकते हैं, जिससे परिमाण के क्रम में परीक्षण-और-त्रुटि प्रयोग कम हो जाते हैं।

उन्होंने कहा कि कई AI स्टार्ट-अप ऐसे उपकरण बना रहे हैं जो पूर्वानुमानित रसायन विज्ञान को स्थिरता के साथ एकीकृत करते हैं, जिससे फॉर्मूलेटर लागत-प्रभावी, जलवायु-अनुकूल विकल्प बनाने में सक्षम होते हैं। भारतीय फार्मा में तेजी से उभरते नवाचारों में से एक डिजिटल जुड़वाँ का अनुप्रयोग है, जो भौतिक निर्माण प्रणालियों की वास्तविक समय, AI द्वारा संचालित आभासी प्रतियां हैं। डिजिटल जुड़वाँ ऑपरेटरों को कारखाने के फर्श पर लागू करने से पहले एक आभासी वातावरण में प्रतिक्रिया मापदंडों, ऊर्जा इनपुट और सामग्री प्रवाह में परिवर्तनों का परीक्षण करने में सक्षम बनाते हैं। यह बर्बादी को कम करता है, पैदावार को बढ़ाता है, और पर्यावरणीय खतरों को कम करता है, चेरेड्डी ने एक ईमेल में फार्माबिज को बताया। उदाहरण के लिए, एक सुखाने चक्र या क्रिस्टलीकरण चरण को इन-सिलिको में बदलने से प्रति वर्ष हजारों लीटर विलायक का संरक्षण किया जा सकता है। वास्तविक समय के डेटा एनालिटिक्स के साथ, डिजिटल जुड़वाँ पूर्वानुमानित रखरखाव और गतिशील अनुकूलन की सुविधा प्रदान कर रहे हैं, जिससे ऊर्जा की खपत 20% तक कम हो रही है, उन्होंने कहा। उन्होंने कहा कि पशु चिकित्सा एपीआई (सक्रिय दवा सामग्री) जैसे क्षेत्रों में जहां पानी और मिट्टी में अपवाह एक मुद्दा है, ग्रीन-बाय-डिजाइन अणु एक गेम-चेंजर हो सकते हैं। जैसे-जैसे अंतर्राष्ट्रीय विनियमन बढ़ते हैं, दवा खरीददार और नियामक किसी उत्पाद के ग्रीन फुटप्रिंट के पूर्ण प्रकटीकरण पर जोर देते हैं। चेरेड्डी ने कहा कि भारतीय निर्यातकों ने टिकाऊ सॉल्वैंट्स और ऊर्जा स्रोतों से लेकर पैकेजिंग और परिवहन तक आपूर्ति श्रृंखला के माध्यम से स्वच्छ प्रथाओं को सुनिश्चित करने के लिए ब्लॉकचेन-आधारित ईएसजी निगरानी को शामिल करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय फार्मा जहां तकनीक-संचालित स्थिरता क्रांति को लागू कर रहा है, वहीं एचआरवी ग्लोबल लाइफ साइंसेज भी हमारी एआई सक्षम आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलन रणनीतियों के माध्यम से हरित एपीआई, पर्यावरण-अनुकूल रसद के लिए एआई-आधारित दवा डिजाइन को अपना रहा है। भारतीय फार्मा न केवल हरित प्रथाओं को शामिल कर रहा है, बल्कि यह आभासी, कुशल और पर्यावरण के अनुकूल होने के लिए एआई, बायोटेक और डिजिटल बुनियादी ढांचे के चौराहे पर है। चेरेड्डी ने कहा कि जैसे-जैसे भारत दुनिया की फार्मेसीश से श्भविष्य की ग्रीन फार्मेसीश में परिवर्तित हो रहा है, अंतरराष्ट्रीय उद्योग इस पर ध्यान देगा।

शुगर की नकली दवा जब्त कर ओजेम्पिक के बारे में दी चेतावनी

मुंबई। शुगर की नकली दवा जब्त कर ओजेम्पिक के बारे में दी चेतावनी दी गई है। इस बारे खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने मरीजों और डॉक्टरों से आग्रह किया कि वे जांच लें कि उनके ओजेम्पिक नुस्खे वैध हैं। यूएस में अधिकृत आपूर्ति श्रृंखला के बाहर नकली 1-मिलीग्राम इंजेक्शन वितरित किए जा रहे थे। इसकी जानकारी ओजेम्पिक और वजन घटाने वाली दवा वेगोवी के निर्माता नोवो नॉर्डिस्क ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन दी। उन्होंने बताया कि इसका मतलब है कि यह संभवत: अनधिकृत वितरकों या पुनर्विक्रेताओं जैसे अनौपचारिक माध्यमों से बाजार में आए हैं। एफडीए ने इन नकली उत्पादों को जब्त कर लिया। एजेंसी ने कहा कि उसे इस लॉट से जुड़ी छह प्रतिकूल घटनाओं की रिपोर्ट के बारे में पता है। हालाँकि, उनमें से कोई भी नकली उत्पाद से जुड़ी हुई नहीं लगती। एजेंसी और नोवो नॉर्डिस्क नकली उत्पादों का परीक्षण कर रहे हैं ताकि पता लगाया जा सके कि वे सुरक्षित हैं या नहीं। असली ओजेम्पिक में पेट की समस्याओं सहित साइड इफेक्ट हो सकते हैं, इसलिए यह स्पष्ट नहीं है कि प्रतिकूल घटनाएँ सामान्य उपयोग के कारण हुई थीं या नहीं। एजेंसी के अनुसार उसने नकली ओजेम्पिक की हजारों इकाइयाँ जब्त कीं और चेतावनी दी कि कुछ अभी भी खरीद के लिए उपलब्ध हो सकती हैं।

भारतीय दवा एक्सपोर्ट पहली बार 30 अरब के पार

मुंबई। भारतीय दवा एक्सपोर्ट पहली बार 30 अरब के पार हो गया है। देश के फार्मा निर्यात का एक तिहाई से अधिक हिस्सा अमेरिकी बाजार है। इसे देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। वित्त वर्ष 2025 में फार्मा निर्यात 30,467.32 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2024 के 27,851.70 मिलियन डॉलर से 9 प्रतिशत अधिक है। मार्च के महीने में फार्मा निर्यात में सालाना आधार पर 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। यह पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने के 2,805.71 मिलियन डॉलर से बढकर 3,681.51 मिलियन डॉलर है। वित्त वर्ष 2025 में मूल्य के संदर्भ में अमेरिका को निर्यात 14.29 प्रतिशत बढकर 8,953.37 मिलियन डॉलर हो गया और फार्मा निर्यात में टॉप पर रहने वाले दूसरे देशों में यूके, ब्राजील, फ्रांस और दक्षिण अफ्रीका थे। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च (इंड-रा) की रिपोर्ट में कहा गया कि घरेलू फार्मास्यूटिकल्स बाजार में वित्त वर्ष 2026 में सालाना आधार पर 8-9 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2025 के लिए इस क्षेत्र में वृद्धि सालाना आधार पर 7.5-8.0 प्रतिशत होगी।

बिकाऊ है

बुलन्दशहर में जिला अस्पताल के सामने मोती बाग की ओर जाने वाली सड़क पर मन्दिर के पास

Ground Floor
2 Shops

First Floor
200 Square Yard, Drawing Room
Big Lobby, 3 Bedroom, Kitchen, 3 WC

-विशेषताऐं-

- On Road Property
- 30 फीट से अधिक चौड़ी सड़क
- Corner Property
- 3 Side Open (East, West & South)
- 12 फीट पटाव की छत
- व्यवसायिक उपयोग
- Situated in Mix Area Residence Cum Commercial
- पार्क, अस्पताल, मैडीकल स्टोर, सब्जी मण्डी, बस स्टैण्ड के निकट
- फर्श पर टाइल्स
- लाइट, जेट पम्प आदि सभी सुविधायें

Contact us:
9045029158, 9410434811

गुजरात अस्पताल में 58 कंपनियों द्वारा अनधिकृत दवा परीक्षण, 9 डॉक्टर निलंबित

अहमदाबाद: अहमदाबाद नगर निगम द्वारा 2021 से संचालित वीएस अस्पताल में मरीजों पर अनधिकृत दवा परीक्षण करने के लिए आठ डॉक्टरों और एक एसोसिएट प्रोफेसर ने कथित तौर पर 50 से अधिक दवा कंपनियों के साथ मिलीभगत की, पांच सदस्यीय समिति द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है। कथित परीक्षणों में ऑटोइम्यून बीमारियों, रेबीज, त्वचा रोगों और अन्य स्थितियों वाले मरीज शामिल थे। समिति के एक सदस्य ने कहा कि इन कंपनियों द्वारा भुगतान कथित तौर पर सीधे शामिल डॉक्टरों के बैंक खातों में जमा किया गया था। एएमसी ने एसोसिएट प्रोफेसर डॉ देवांग राणा और अनधिकृत परीक्षणों में शामिल आठ अनुबंधित डॉक्टरों को निलंबित कर दिया है। डिप्टी म्युनिसिपल कमिश्नर भरत परमार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ष्तत्कालीन अधीक्षक के कार्यकाल के दौरान नेशनल मेडिकल कमीशन और ड्रग कंट्रोलर ऑफ इंडिया के नियमों के अनुसार कोई नैतिक समिति स्थापित नहीं की गई थी। फरवरी में कांग्रेस पार्षद राजश्री केसरी द्वारा दर्ज की गई शिकायत के बाद यह मामला प्रकाश में आया। जांच समिति की सदस्य डॉ. सुप्रिया मल्होत्रा ने पुष्टि की कि पिछले चार वर्षों से नैदानिक अनुसंधान चल रहा था, जिसमें अनुमानित 57 से 58 कंपनियां दवा परीक्षण कर रही थीं। जनवरी 2019 में, नगर निगम ने वीएस अस्पताल परिसर में 1,600 बिस्तरों वाला 800 करोड़ रुपये का एसवीपी अस्पताल बनाया।

भारी मात्रा में नशीली दवाइयां व इंजेक्शन बरामद

सोनबरसा (बिहार)। दवा दुकान से भारी मात्रा में नशीली दवाइयां व इंजेक्शन बरामद करने का मामला सामने आया है। यह कार्रवाई डीएम के निर्देश पर पुलिस व औषधि निरीक्षक की टीम ने सोनबरसा चौक पर एक मेडिकल स्टोर पर की। औषधि निरीक्षक की टीम ने सोनबरसा चौक पर एक मेडिकल स्टोर पर रेड की। जांच के दौरान भारी मात्रा में नशीली दवा व इंजेक्शन बरामद किए गए। बरामद दवा व इंजेक्शन खरीदने व बेचने के संबंध में कोई वैध कागजात नहीं मिले और दवाओं को जब्त कर मेडिकल स्टोर को बंद करा दिया है। पुलिस ने नाइट्राजेपाम 10 पीस, एमपुल दो पीस, पाइवान टैबलेट 312 पीस व 130 पीस नशीली दवा भी उक्त दुकान से जब्त की है। इस मामले में फुलपरासी गांव निवासी संजय महतो को हिरासत में लिया गया है। ड्रग इंस्पेक्टर ने बताया कि दवाओं के संबंध में संचालक कोई खरीद व बिक्री से संबंधित कागजात नहीं दिखा पाया। उन्होंने बताया कि दवाओं की जांच की जा रही है और अनियमितता मिलने पर संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायी जाएगी।

डॉ. रेड्डीज, ल्यूपिन ने लेबलिंग, विनिर्माण त्रुटियों के कारण अमेरिका में उत्पाद वापस मंगाए

नई दिल्ली: अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक के अनुसार , डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज और ल्यूपिन क्रमश: लेबलिंग और विनिर्माण त्रुटियों के कारण अमेरिकी बाजार में उत्पादों को वापस बुला रहे हैं। अपनी नवीनतम प्रवर्तन रिपोर्ट के अनुसार, यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (यूएसएफडीए) ने कहा कि हैदराबाद स्थित दवा प्रमुख की यूएस-आधारित सहायक कंपनी अमेरिकी बाजार में जेनेरिक एंटीपीलेप्टिक दवा के कुछ बैचों को वापस बुला रही है। प्रिंसटन स्थित डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज इंक लेबलिंग में गड़बड़ी के कारण अमेरिका में लेवेतिरसेटम 0.75 पीसी सोडियम क्लोराइड इंजेक्शन (1,000 मिलीग्राम / 100 एमएल) के 4,010 बैग वापस बुला रही है, यूएसएफडीए ने कहा। इसमें कहा गया है, इन्फ्यूजन बैग पर गलत तरीके से लेवेटिरेसेटम 0.82% सोडियम क्लोराइड इंजेक्शन 500 मिलीग्राम/100 एमएल लिखा हुआ है, जबकि एल्युमीनियम ओवररैप पैकेजिंग पर उत्पाद की सही पहचान लेवेटिरेसेटम 0.75% सोडियम क्लोराइड इंजेक्शन 1,000 मिलीग्राम/100 एमएल के रूप में की गई है। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने बताया कि कंपनी ने इस साल 13 मार्च को क्लास 1 राष्ट्रव्यापी (यूएस) रिकॉल जारी किया है। यूएसएफडीए के अनुसार, क्लास रिकॉल दोषपूर्ण उत्पादों से संबंधित है जो गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकते हैं।

एम्स-भोपाल में इस गर्मी में नए नेत्र परीक्षण उपकरण शामिल किए जाएंगे

भोपाल: एम्स भोपाल के नेत्र रोग विभाग ने इस मौसम में अपनी नेत्र ओपीडी में दो अतिरिक्त अपवर्तन इकाइयाँ स्थापित की हैं। इस विकास का उद्देश्य रोगियों के लिए नेत्र परीक्षण सेवाओं की गुणवत्ता और गति को बढ़ाना है । प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नई स्थापनाएँ नेत्र परीक्षण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करेंगी, जिससे यह जनता के लिए अधिक सुविधाजनक हो जाएगी। ये इकाइयाँ दृष्टि मूल्यांकन और नेत्र-उपकरणों के लिए अपवर्तन, स्थलाकृति के माध्यम से कॉर्नियल सतह विश्लेषण और हेस स्क्रीनिंग के माध्यम से आँख की मांसपे. शियों के मूल्यांकन सहित आवश्यक सेवाएँ प्रदान करेंगी। ये सुविधाएँ विशेष रूप से उन रोगियों की सहायता करेंगी जिन्हें नियमित जाँच, विशेष मूल्यांकन या विस्तृत नेत्र परामर्श की आवश्यकता होती है। नई अपवर्तन इकाइयों से न केवल रोगियों के लिए प्रतीक्षा समय कम होगा, बल्कि नेत्र परीक्षण की गुणवत्ता और दायरे में भी वृद्धि होगी। एम्स भोपाल की नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. भावना शर्मा ने इस विकास को नेत्र देखभाल की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण प्रगति के रूप में रेखांकित किया। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन सुविधाओं से शीघ्र जांच और परामर्श संभव होगा, जिससे रोगियों के प्रभावी उपचार में सहायता मिलेगी। इस मौसम में गर्मी के कारण आंखों में संक्रमण बढ़ सकता है, इसलिए ये अतिरिक्त इकाइयां मददगार साबित हो सकती हैं।

फार्मा जाइडस मेडटेक ने ब्रेल बायोमेडिका के साथ साझेदारी की

मुंबई। फार्मा जाइडस मेडटेक ने ब्राजील स्थित कार्डियोवैस्कुलर डिवाइस निर्माता ब्रेल बायोमेडिका के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वाल्व इम्प्लांटेशन (टीएवीआई) तकनीक का विशेष रूप से व्यावसायीकरण किया जा सकेगा। यह समझौता जाइडस मेडटेक के तेजी से बढ़ते इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी सेगमेंट में रणनीतिक विस्तार में एक महत्वपूर्ण कदम है। जाइडस मेडटेक अपनी वाणिज्यिक और विनियामक विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में ब्रेल बायोमेडिका की उन्नत बैलून-विस्तार योग्य टीएवीआइ प्रणाली पेश करेगा। ब्रेल बायोमेडिका ख्र विशेष रूप से लैटिन अमेरिका में कार्डियोवैस्कुलर नवाचार में एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड के साथ - इन बाजारों के लिए उत्पाद का निर्माण और आपूर्ति करेगा।

आईसीएमआर ने लोकप्रिय दर्द निवारक दवा पर चुनिंदा प्रतिबंध लगाने का समर्थन किया

नई दिल्ली: भारत के प्रमुख स्वास्थ्य अनुसंधान निकाय ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए 18 वर्ष से कम और 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के रोगियों में लोकप्रिय दर्द निवारक और बुखार-रोधी दवा निमेसुलाइड पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) ने सिफारिश की है कि 100 मिलीग्राम से ऊपर के निमेसुलाइड के सभी फॉर्मूलेशन पर प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए। सिफारिशें देश की शीर्ष दवा सलाहकार संस्था को भेजी गई हैं, जो इस सप्ताह होने वाली बैठक में दवा के भाग्य पर फैसला करेगी। यदि प्रतिबंध का फैसला लिया जाता है, तो प्रमुख फार्मा कंपनियों को झटका लगेगा। भारत में, निमेसुलाइड निमुलिड, निमटेक्स, निसिप जैसे ब्रांड नामों के तहत उपलब्ध है। डॉ रेड्डीज ब्रांड नाइस भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाली निमेसुलाइड दवा है विवादास्पद एंटी-इंफ्लेमेटरी दवा स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए लंबे समय से चिंता का विषय रही है। 2011 में, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में निमेसुलाइड के बाल चिकित्सा उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था और जनवरी 2025 में, सरकार ने पशु चिकित्सा उपयोग के लिए निमेसुलाइड के सभी फॉर्मूलेशन के उत्पादन, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया था। इससे पहले, स्वास्थ्य मंत्रालय ने ICMR को वयस्कों पर निमेसुलाइड के प्रभाव का अध्ययन करने का काम सौंपा था, इस चिंता के बीच कि यह दवा कुछ रोगियों में लीवर को नुकसान पहुंचा सकती है, जो घातक साबित हो सकती है। अब, ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड (DTAB) को दी गई सिफारिशों के एक सेट में, ICMR ने 100 मिलीग्राम से ऊपर के निमेसुलाइड के सभी फॉर्मूलेशन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की है।

MD PAPER MAY 2025_32 Inch January. 2021.qxd 5/1/2025 9:50 AM Page 10

दवा लाइसेंस लेने के लिए अब ऑनलाइन करना होगा ये काम

पटना (बिहार)। दवा लाइसेंस लेने के लिए राज्यभर में अब नई प्रणाली लागु कर दी गई है। इसके तहत दवा लाइसेंस के लिए ऑनलाइन अप्लाई करना होगा। राज्य में ड्रग लाइसेसिंग प्रक्रिया में बदलाव कर दिया गया है। बिहार ने औषधि नियंत्रण विभाग में पारदर्शिता बढ़ाने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए वन नेशन, वन ड्रग लाइसेंसिंग यानी ओएनडीएलएस सिस्टम लागू कर दिया है। नए सिस्टम के तहत नए ड्रग लाइसेंस या नवीनीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। सबसे पहले यह आवेदन राज्य औषधि नियंत्रक के पास जाएगा। वे संबंधित औषधि निरीक्षक को भौतिकी सत्यापन के लिए काग. जात भेजेंगे। यह रिपोर्ट उप औषधि नियंत्रक के पास जाएगी और तकनीकी पहलुओं की जांच के बाद जिले के लाइसेंसिंग पदाधिकारी को भेजी जाएगी। इससे प्रदेश के सभी दवा दुकानदारों का केंद्रीय डाटा भी तैयार किया जा सकेगा।

सीएम पुष्कर धामी का लक्ष्य हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित करना

ऋषिकेश: प्राप्त समाचार के अनुसार उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य हर जिले में कम से कम एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करना और राज्य में जन औषधि केंद्रों का विस्तार करना है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश के 5वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए धामी ने पिछले एक दशक में देश के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में हुए विकास पर प्रकाश डाला। उत्तराखंड के सीएम ने कहा, हम हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने और राज्य में जन औषधि केंद्रों के नेटवर्क का विस्तार करने के उद्देश्य से नए मेडिकल कॉलेजों का निर्माण कर रहे हैं। आयुष्मान भारत योजना के तहत राज्य में 14 लाख से अधिक लोगों का इलाज किया गया है। उत्तराखंड की 5000 से अधिक ग्राम सभाएं टीबी मुक्त हो गई हैं। धामी ने आगे कहा कि आयुष्मान भारत जैसी पहलों और नए एम्स और मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के साथ पिछले एक दशक में भारत के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि एम्स ऋषिकेश पूरे राज्य के लोगों को गुणवत्तापूर्ण और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं और सुविधाएं प्रदान कर रहा है।

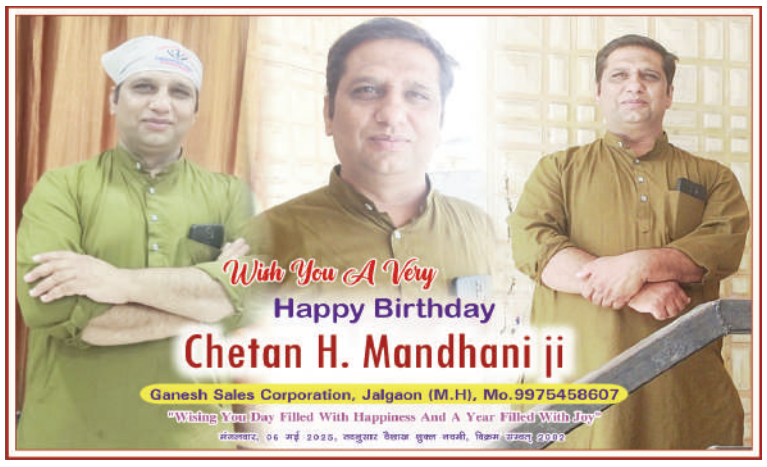

पतंजलि की दवा सोरायसिस बीमारी के इलाज में कारगर

हरिद्वार। पतंजलि की दवा को सोरायसिस बीमारी के इलाज में कारगर पाया गया है। पतंजलि रिसर्च इंस्टीट्यूट की ओर से किए गए शोध को विश्व प्रसिद्ध समूह के रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया है। शोध के अनुसार पतंजलि की सोरोग्रिट टैबलेट और दिव्य तेल सोरायसिस बीमारी के इलाज में प्रभावशाली साबित हुई हैं। पतंजलि के आचार्य बालकृष्ण ने बताया कि पतंजलि के वैज्ञानिकों ने लम्बे समय से शोध करके सोरायसिस की जड़ तक पहुंचने की कोशिश की है। सोरायसिस एक पुराना और तकलीफदेह त्वचा रोग है।

यह एक ऑटो इम्यून डिजीज है, जिसमें शरीर की रोग प्रतिरोधक प्रणाली खुद ही त्वचा पर हमला करने लगती है। इससे त्वचा पर लाल चकत्ते, खुजली और सफेद-सी परतें बनने लगती हैं। आमतौर पर इसका इलाज एलोपैथी में सिर्फ लक्षणों को दबाने तक सीमित होता है लेकिन लंबे समय तक इसका समाधान नहीं होता। अब पतंजलि आयुर्वेद में इस बीमारी के इलाज को लेकर उम्मीद की एक किरण जगी है। एलोपैथिक चिकित्सा में इस रोग में मात्र लक्षणों को कम किया जाता है और साथ ही एलोपैथ के दुष्प्रभाव भी देखने को मिलते हैं। सोरायसिस का अभी तक इसका कोई स्थाई इलाज नहीं था। अब पतंजलि ने सिद्ध कर दिया है कि प्राकृतिक जड़ी-बूटियों के माध्यम से सोरायसिस जैसे लाइलाज समझे जाने वाले रोग को भी ठीक किया जा सकता है। सोरोग्रिट और दिव्य तेल दोनों ही आयुर्वेदिक औषधियों पर आधारित हैं। इसमें प्रयुक्त जड़ी-बूटियां त्वचा की सूजन को कम करती हैं। त्वचा की मृत को. शिकाओं को हटाने में मदद करती हैं और शरीर की रोग प्रतिरोधक प्रणाली को संतुलित करती हैं। यह इलाज ना केवल लक्षणों को कम करता है, बल्कि रोग की जड़ पर काम करता है, जिससे दीर्घकालिक राहत संभव हो पाती है।

ओरल कोल्चिसीन को पेरीकार्डिटिस के लिए FDA अनाथ दवा का दर्जा मिला

एफडीए ने कोल्चिसीन (ग्लोपरबा; साइलेक्स होल्डिंग कंपनी) के लिए अनाथ दवा पदनाम (ओडीडी) के अनुरोध को मंजूरी दे दी है, जो पेरीकार्डिटिस के उपचार के लिए एंटी-गाउट दवा का पहला और एकमात्र तरल मौखिक संस्करण है। कोल्चिसीन शब्द या अवधारणा को लकड़ी की मेज पर लकड़ी के अक्षर टाइलों द्वारा दर्शाया गया है, कोल्चिसिन की 5 मिली लीटर में 0.6 मिल. ीग्राम की मौखिक खुराक उन व्यक्तियों की मदद कर सकती है जिन्हें गोलियाँ निगलने में परेशानी होती है। इसके अतिरिक्त, कोल्चिसिन गठिया और गुर्दे या यकृत की दुर्बलता वाले व्यक्तियों के लिए समायोज्य खुराक, अनुमापन और खुराक में कमी के विकल्प प्रदान कर सकता है, जिससे प्रतिकूल घटनाओं में कमी आती है।

पेरिकार्डिटिस के लिए कोल्चिसिन: नॉनस्टेरॉइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग्स (NSAIDs) के सहायक उपचार के रूप में, कोल्चिसिन आवर्ती या तीव्र पेरीकार्डिटिस वाले व्यक्तियों में पेरीकार्डिटिस की घटनाओं की संख्या को कम कर सकता है। 2 अमे. रिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार, पेरीकार्डिटिस पेरीकार्डियम की सूजन है जो हृदय के खिलाफ थैली की परतों के रगड़ने के कारण सीने में दर्द का कारण बनती है। दिल के दौरे से होने वाले दर्द से अलग, पेरीकार्डिटिस से संबंधित सीने में दर्द अक्सर एक तेज, चुभने वाला दर्द होता है जो अचानक छाती के बीच में या बाईं ओर हो सकता है। मरीजों को सीने में दर्द का अनुभव होगा; कभी-कभी, कुछ इसे जकड़न के रूप में वर्णित करेंगे। आम तौर पर, अगर वे पीठ के बल लेटे हैं, तो लक्षण बदतर होते हैं - इसलिए, दर्द और भी बदतर होगा - अगर वे बैठते हैं और/या आगे की ओर झुकते हैं, तो दर्द दूर हो जाता है और कम हो सकता है, जेसिका फेरेल, फार्मडी, रुमेटोलॉजी विभाग, अल्बानी मेडिकल सेंटर में क्लिनिकल फार्मासिस्ट और अल्बानी कॉलेज ऑफ फार्मेसी एंड हेल्थ साइंसेज में फार्मेसी प्रैक्टिस विभाग में संकाय प्रोफेसर ने फार्मेसी टाइम्स के साथ एक साक्षात्कार में कहा। में परिवर्तन भी हो सकते हैं; हृदय की थैली के चारों ओर तरल पदार्थ जमा हो सकता है, जिसे इमेजिंग पर देखा जा सकता है। कुछ रोगियों को खांसी होने पर या गहरी सांस लेने पर अधिक दर्द होगा। ज्यादातर मामलों में पेरिकार्डिटिस हल्का होता है और आराम और न्यूनतम उपचार से अपने आप ठीक हो जाता है; हालाँकि, अधिक गंभीर मामलों में उपचार की आवश्यकता होती है। 3 ज्यादातर व्यक्तियों का इलाज एस्पिरिन और इबुप्रोफेन से किया जाता है, और दर्द और सूजन को कम करने के लिए कोल्चिसिन का उपयोग किया जाता है।

कोल्चिसीन के व्यापक उपयोग और महत्वपूर्ण विचार: कोल्चिसिन गाउट के हमलों को रोकने या उसका इलाज करने और एथेरोस्क्लेरोसिस वाले व्यक्तियों में दिल के दौरे, स्ट्रोक, कुछ प्रकार की हृदय प्रक्रियाओं और हृदय संबंधी मृत्यु के जोखिम को कम करने के लिए कैप्सूल और टैबलेट के रूप में भी उपलब्ध है। मेयो क्लिनिक के अनुसार, NSAID को एक दुर्लभ पारिवारिक भूमध्यसागरीय बुखार के इलाज के लिए भी संकेत दिया जाता है, जो एक दुर्लभ स्थिति है। कोल्चिसिन का उपयोग 2 मुख्य तरीकों से किया जाता है: सूजन से संबंधित समस्याओं की दीर्घकालिक रोकथाम के लिए नियमित, कम खुराक का सेवन और तीव्र हमलों से राहत के लिए अल्पकालिक, उच्च खुराक का सेवन। हालांकि, हमले के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली उच्च खुराक की तुलना में छोटी खुराक के साथ निवारक उपचार में गंभीर प्रतिकूल प्रभावों का जोखिम कम होता है। फैरेल ने कहा, कोलचिसीन के साथ कई दवाएँ परस्पर क्रिया करती हैं, और सहनशीलता एक चिंता का विषय हो सकती है क्योंकि बहुत से रोगियों को इसके साथ दस्त या दस्त की समस्या हो सकती है, और हमें आमतौर पर उन्हें उपचार की खुराक देने की आवश्यकता होती है, इसलिए दिन में दो बार खुराक दी जाती है... लेकिन ये कुछ सीमाएँ हैं जो हमारे पास कोलचिसीन के साथ हैं।

मैक्सीविजन और मालाबार आई हॉस्पिटल ने संयुक्त उद्यम की घोषणा की

चेन्नई: नेत्र देखभाल शृंखला मैक्सीविजन ग्रुप ऑफ आई हॉस्पिटल्स ने केरल में मालाबार आई हॉस्पिटल के साथ संयुक्त उद्यम की घोषणा की है। एक बयान में कहा गया है कि यह साझेदारी तीन दशक पुराने मालाबार आई केयर ब्रांड को उत्तरी केरल के जिलों में फैलाने में मदद करेगी। नए ब्रांड वाले मालाबार मैक्सीविजन आई हॉस्पिटल्स अगले दो वर्षों में 400 से अधिक नए रोजगार के अवसर पैदा करेंगे। कालीकट शहर में दो नए अस्पताल और कन्नूर, तेलीचेरी, क्विलैंडी और पेरिंथलमन्ना में चार सेकेंडरी केयर सेंटर शुरू किए जाएंगे। रविवार को कालीकट में सहयोग की शुरुआत की गई। इसमें कहा गया है कि केरल के पीडब्ल्यूडी और पर्यटन मंत्री पीए मोहम्मद रियास ने उद्घाटन में भाग लिया। मैक्सीविजन आई हॉस्पिटल्स के चेयरमैन जीएसके वेलू ने कहा, डॉ. रानी मेनन आई हॉस्पिटल और अब मालाबार के साथ हमारे हालिया संयुक्त उद्यम के साथ, हम विश्वसनीय क्षेत्रीय भागीदारों के साथ केरल में अपना विस्तार कर रहे हैं। मैक्सीविजन आई हॉस्पिटल्स के ग्रुप सीईओ सुधीर ने कहा, हमारी तत्काल प्राथमिकता एरनहिपालम केंद्र को सुपर स्पेशियलिटी आई हब में बदलना है। मालाबार मैक्सीविजन आई हॉस्पिटल्स के निदेशक पीएम रशीद ने कहा, हमारे रोगियों को नवीनतम नेत्र देखभाल प्रौद्योगिकियों तक पहुंच से लाभ होगा, जबकि हमारे कर्मचारियों और छात्रों को राष्ट्रीय स्तर का अनुभव और विकास मिलेगा।

प्रतिबंधित दवाइयों की बिक्री रोकने के सख्त आदेश

जयपुर (राजस्थान)। प्राप्त समाचार के अनुसार प्रतिबंधित दवाइयों की बिक्री रोकने के आदेश जारी किए गए हैं। ये आदेश जिले में युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए जिला प्रशासन ने दिए हैं। जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर की जिला स्तरीय समिति की बैठक हुई और इस दिशा में कई प्रभावी कदम उठाने को कहा गया। बैठक में स्पष्ट किया गया कि अब नशे के खिलाफ सिर्फ जागरूकता ही नहीं, बल्कि सख्त कार्रवाई भी होगी। डॉ. सोनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नशे के अवैध उत्पादन, भंडारण और परिवहन पर तुरंत और कठोर कार्रवाई की जाए। खासतौर पर सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान करने वालों और स्कूल-कॉलेज के पास स्थित दुकानों पर तंबाकू उत्पाद बेचने वालों पर नजर रखी जाए। दवा दुक. ानों की जांच करें और बिना लाइसेंस या तय सीमा से अधिक प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री करने वालों पर सख्ती से कार्रवाई करें। औषधि नियंत्रण विभाग ने बैठक में बताया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले मेडिकल स्टोर्स के लाइसेंस निलंबित या रद्द किए जा रहे हैं। यह एक बड़ा संदेश है कि प्रशासन अब किसी भी तरह की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं करेगा। इसके साथ ही अवैध रूप से चल रहे नशामुक्ति केंद्रों पर भी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। प्रतिबंधित दवाइयों की बिक्री रोकने के आदेश जारी किए गए हैं। ये आदेश जिले में युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए जिला प्रशासन ने दिए हैं।

एमटीपी किट ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बेचने के आरोप में 2 अरेस्ट

जींद। एमटीपी किट ऑनलाइन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर बेचने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सिविल लाइन थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की। दोनों आरोपी बिहार के बताए गए हैं। इनकी पहचान भागलपुर निवासी अमित कुमार सिंह और गांव कल्गीगंज, जिला भागलपुर निवासी रितेश कुमार के तौर पर हुई है। पुलिस ने दोनों युवकों को अदालत में पेश करके जेल भेज दिया है। सीएचसी अलेवा में तैनात चिकित्सा अधिकारी प्रवीण ने पुलिस को बताया कि यूनिक मार्केट डाटइन वेबसाइट के माध्यम से एमटीपी किट बेची जा रही है। एमटीपी किट शेड्यूल एच की ड्रग्स में आती है। यह किट केवल पंजीकृत चिकित्सा अधिकारी की देखरेख में प्रयोग की जा सकती है। सूचना के तहत सिविल सर्जन जींद ने एक टीम गठित की और इस टीम ने गीता रानी के नाम से एक किट मंगवाई। इस किट की फोन पे एप के माध्यम से पेमेंट भी की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शीतल नगर, वार्ड-10, भागलपुर निवासी अमित कुमार सिंह और गांव कल्गीगंज, जिला भागलपुर निवासी रितेश कुमार को भागलपुर (बिहार) से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों युवकों को अदालत में पेश करके जेल भेज दिया है।

रिश्वत, फर्जी डिग्रियां: फार्मेसी रैकेट की असलियत

देश भर में हजारों लोग धोखाधड़ी से दवा की दुकानें चला रहे हैं - यह रैकेट 2 अप्रैल को तब सामने आया जब दिल्ली की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने 48 लोगों को गिरफ्तार किया 45 वर्षीय मदन मंडल एक ऐसी नौकरी की तलाश में थे जिसे वे "सम्मानजनक नौकरी" कहते थे। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के शाहबाद डेयरी के निवासी, वे अपनी खुद की दुकान खोलना चाहते थे, और उन्हें लगा कि फार्मेसी चलाना एक अच्छा विकल्प होगा। एक मुखबिर ने इस मुद्दे को अधिकारियों के संज्ञान में लाया।

समस्या केवल एक थी - मंडल ने स्कूल से मैट्रिकुलेशन भी नहीं किया था, फार्मेसी डिप्लोमा तो दूर की बात थी, जिससे फार्मेसी पंजीकरण प्रमाणपत्र प्राप्त करना - जो कि दवा की दुकान चलाने के लिए अनिवार्य है - असंभव था।

मंडल ने अपना पंजीकरण दूसरे तरीके से करवाने का विकल्प चुना - उसने एक दलाल को पैकेज डील के लिए 4 लाख रुपये दिए। कुछ ही दिनों में उसे मैट्रिकुलेशन और डिप्लोमा के फर्जी सर्टिफिकेट मिल गए। ढाई महीने बाद, दिल्ली फार्मेसी काउंसिल (DPC) ने उसे पंजीकरण संख्या जारी कर दी। मामले की जांच करने वाले जांचकर्ताओं के अनुसार, इसके साथ ही उसने टिकरी में अवैध रूप से फार्मेसी चलाना शुरू कर दिया। मंडल देश भर में फर्जी तरीके से फार्मेसियां चलाने वाले **हजारों लोगों में से एक है** - यह रैकेट 2 अप्रैल को जांच के दायरे में आया, जब दिल्ली की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने फर्जी फार्मेसी पंजीकरणों की व्यापक जांच के तहत पूर्व डीपीसी रजिस्ट्रार कुलदीप सिंह सहित 48 लोगों को गिरफ्तार किया। एसीपी जरनैल सिंह की अगुआई वाली एसीबी टीम ने जिन लोगों को गिरफ्तार किया है, उनमें नरेला का एक दलाल संजय कुमार और उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में बाबा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी का प्रिंसिपल इमलाख खान शामिल हैं।

कैसे काम करता था यह रैकेट: पंजीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए डीपीसी द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, काउंसिल फार्मेसी आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों को उनके कॉलेज को पुष्टि के लिए ईमेल करके सत्यापित करती है। यदि इस ईमेल द्वारा सत्यापित किया जाता है, तो रजिस्ट्रार पंजीकरण जारी करने से पहले एक संक्षिप्त साक्षात्कार आयोजित करता है। इस सत्यापन प्रणाली का फायदा कुमार और उनके सहयोगियों द्वारा उठाया गया। जब इच्छुक फार्मासिस्टों ने उनसे संपर्क किया, तो कुमार ने फर्जी प्रमाणपत्रों की एक श्रृंखला तैयार कर ली - जिसमें कक्षा 10 और 12 के परिणाम, एक फार्मेसी डिप्लोमा और एक व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रमाणपत्र शामिल थे, जिसमें 500 घंटे के फील्डवर्क का दावा किया गया था। एसीपी रैंक के एक अधिकारी ने बताया, संजय रोहिणी में एक प्रिंटर के पास जाकर दस्तावेज तैयार करता था और कॉलेज की फर्जी जानक. ारी देता था। पूरे पैकेज की कीमत 4 लाख रुपये थी - जिसमें से 1.5 लाख रुपये कथित तौर पर रजिस्ट्रार को दिए गए और बाकी रकम दूसरों में बांट दी गई। जाली दस्तावेज छपने के बाद उन्हें पंजीकरण के लिए डीपीसी की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाता था।

कैसे हुआ इस रैकेट का पर्दाफाश: यह घोटाला जनवरी 2023 में सामने आया, जब दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने कुलदीप सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि उन्होंने जाली दस्तावेजों के आधार पर तीन लोगों को प्रमाण पत्र जारी किए और उनकी सत्यापन रिपोर्ट को अपने पास रख लिया। हालांकि, इस मामले में तुरंत कोई औपचारिक मामला दर्ज नहीं किया गया, लेकिन एसीबी ने एक विवेकपूर्ण जांच शुरू की और व्यापक स्तर पर गड़बड़ी का खुलासा किया। मार्च 2020 से अगस्त 2023 के बीच सिंह के कार्यकाल के दौरान, कम से कम 4,928 फार्मासिस्ट पंजीकृत किए गए, जिनमें से कई पर धोखाधड़ी का संदेह था। जांचकर्ताओं ने पाया कि सिंह ने कॉलेज सत्यापन प्राप्त करने से पहले ही कई आवेदनों को मंजूरी दे दी थी - और कुछ मामलों में तो कॉलेजों द्वारा दस्तावेजों को फर्जी घोषित करने के बाद भी। जांच में यह भी पता चला कि घोटाला सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं था। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भी दलालों के नेटवर्क थे, जहां कॉलेज पैसे लेकर फर्जी सर्टिफिकेट को मान्य करने को तैयार थे। अबो. हर (पंजाब) में एसपी कॉलेज ऑफ फार्मेसी और मीरा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मथुरा में महावीर सिंह चाहर कॉलेज ऑफ फार्मेसी और आरएसएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी के साथ-साथ यूपी में बागपत मेडिकल इंस्टीट्यूट के कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है।

MD PAPER MAY 2025_32 Inch January. 2021.qxd 5/1/2025 9:50 AM Page 11

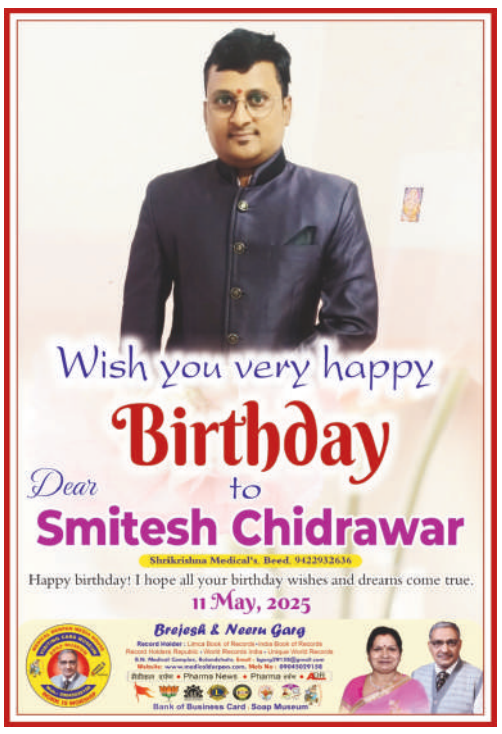

खसरे के बढ़ते प्रकोप के बीच काली खांसी के मामले भी बढ़ रहे

बच्चों में टीकाकरण की दर में गिरावट के कारण, काली खांसी के मामले, जिसे काली खांसी के रूप में भी जाना जाता है, खसरे के प्रकोप के साथ-साथ बढ़ रहे हैं। सीडीसी के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में 2023 की तुलना में 6 गुना अधिक मामले दर्ज किए गए, जो कुल 35,435 संक्रमणों के बराबर है, जिसमें 10 मौतें शामिल हैं - महामारी से पहले 2019 की तुलना में अधिक। प्रोपब्लिका की एक रिपोर्ट के लेखकों ने लिखा, सबसे हालिया संघीय किंडरगार्टन टीकाकरण डेटा के प्रोपब्लिका विश्लेषण के अनुसार, 4 प्रमुख टीकों के लिए राष्ट्रीय दरें, जो कोविड-19 महामारी से पहले के वर्षों में अपेक्षाकृत स्थिर थीं, तब से काफी गिर गई हैं। न केवल खसरा, कण्ठमाला और रूबेला के लिए टीकाकरण की दरें गिरी हैं, बल्कि संघीय डेटा से पता चलता है कि पर्टुसिस, डिप्थीरिया, टेटनस, हेपेटाइटिस बी और पोलियो के लिए भी टीकाकरण की दरें गिरी हैं। पर्टुसिस एक संक्रामक जीवाणु संक्रमण है जिसे व्यापक रूप से काली खांसी के रूप में जाना जाता है क्योंकि खांसने के बाद सांस लेने पर तेज आवाज वाली हूप ध्वनि होती है। यह बीमारी मुख्य रूप से शिशुओं को प्रभावित करती है, हालाँकि यह किशोरों और वयस्कों को भी प्रभावित करती है जिनकी टीकाकरण से सुरक्षा कम हो गई है। शिशुओं में, पर्टुसिस से जुड़े लक्षण और स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएँ अधिक गंभीर होती हैं और इसमें निमोनिया, कान में संक्रमण, सांस लेने में कठिनाई, निर्जलीकरण और वजन कम होना, दौरे पड़ना या संभावित रूप से मस्तिष्क क्षति शामिल हो सकती है। सीडीसी के अनुसार, 1 वर्ष से कम आयु के एक तिहाई शिशुओं को काली खांसी होने पर अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता होती है। हालांकि दुर्लभ, पर्टुसिस से जुड़ी मौतें मुख्य रूप से शिशुओं और बच्चों में देखी जाती हैं। कोविड-19 महामारी से पहले पर्टुसिस की दर हर साल लगभग 10,000 मामलों की थी, लेकिन 2021 के बाद से इसमें 1500% की वृद्धि देखी गई है। सबसे खतरनाक वृद्धि 2023 और 2024 के बीच हुई, जब 7063 से 35,435 मामलों तक महत्वपूर्ण उछाल आया।

अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन में विज्ञान, चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य के उपाध्यक्ष एंड्रिया गार्सिया, एमडी ने इंडिपेंडेंट को बताया, यह एक दशक से भी अधिक समय में सबसे अधिक संख्या है। उदाहरण के लिए, महामारी से पहले के कुछ वर्षों में, हम लगभग 15,000 से 19,000 मामले देख रहे थे। इसलिए, लुइसियाना की तरह, देश भर में मामलों में यह वृद्धि ऐसी चीज है जिस पर नजर रखनी चाहिए और जिसके बारे में चिंतित होना चाहिए। स्वास्थ्य विशेषज्ञ काली खांसी और अन्य संक्रामक रोगों में वृद्धि का कारण टीकाकरण में निरंतर कमी को मानते हैं, जिसने भविष्य में संक्रामक रोगों के प्रकोप की गंभीरता और आवृत्ति के बारे में चिंताएँ बढ़ा दी हैं। यह पहले से ही खसरे के प्रकोप से स्पष्ट हो रहा है, जिसके संयुक्त राज्य अमेरिका में 800 मामले और मैक्सिको और कनाडा की सीमाओं से परे अतिरिक्त मामले सामने आए हैं। हालाँकि, कम रिपोर्टिंग के कारण, ये संख्याएँ संभावित रूप से मामलों की वास्तविक संख्या से बहुत कम हैं। हालाँकि खसरा, कण्ठमाला और रूबेला का टीका खसरा संक्रमण को रोकने में अत्यधिक प्रभावी है - इतना कि 2000 में बीमारी लगभग समाप्त हो गई थी - बढ़ती हिचकिचाहट और दवा में विश्वास की कमी टीकाकरण दरों में गिरावट के मुद्दे को और बढ़ा देती है। पर्टुसिस वैक्सीन- जिसे DTaP के नाम से जाना जाता है- डिप्थीरिया, टेटनस और पर्टुसिस सहित 3 बीमारियों को कवर करती है। यह इन संक्रामक रोगों से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। वैक्सीन में 6 साल की अवधि में दिए जाने वाले 5 शॉट शामिल हैं, जिसके बाद प्री-टीन और वयस्कों में बूस्टर शॉट- आमतौर पर Tdap- दिए जाते हैं। बच्चों में, शॉट आमतौर पर 2 महीने, 4 महीने, 6 महीने, 15 से 18 महीने और 4 से 6 साल की उम्र में दिए जाते हैं। प्रतिकूल प्रभाव आम तौर पर हल्के होते हैं और मुख्य रूप से बुखार, चिड़चिड़ापन, सिरदर्द, थकान या इंजेक्शन वाली जगह पर दर्द शामिल होते हैं। हालाँकि चिकित्सा उन्नति ने स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को इन संक्रामक रोगों का अधिक प्रभावी ढंग से इलाज करने की अनुमति दी है, लेकिन वे लोगों के लिए महत्वपूर्ण खतरे पैदा करना जारी रखते हैं क्योंकि झुंड प्रतिरक्षा कम हो जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ टीकाकरण की सुरक्षा, प्रभावकारिता और आवश्यकता पर जोर देते रहते हैं, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और समाज की सबसे कमजोर आबादी की रक्षा की आधारशिला है।

चेन्नई में एमजीएम हेल्थकेयर ने गंभीर हृदय अवरोध से पीड़ित 6 वर्षीय बच्चे की जीवन रक्षक सर्जरी की

चेन्नईः प्राप्त समाचार के अनुसार चेन्नई स्थित MGM हेल्थकेयर ने 6 साल के एक बच्चे की जटिल हृदय शल्य चिकित्सा सफलतापूर्वक की, जो गंभीर लेफ्ट वेंट्रिकुलर आउटफ्लो ट्रैक्ट (LVOT) रुकावट से पीड़ित था, एक गंभीर स्थिति जो डेक्सट्रोकार्डिया हृदय में हृदय से शरीर के बाकी हिस्सों में रक्त के प्रवाह को गंभीर रूप से अवरुद्ध करती है। मेडिकल टीम ने श्संशोधित कोनो प्रक्रियाश का विकल्प चुना, जो एक अत्यधिक विशिष्ट प्रक्रिया है जो बच्चे के मूल हृदय वाल्व को संरक्षित करते हुए रुकावट को दूर करती है, रॉस प्रक्रिया जैसी पारंपरिक प्रक्रियाओं के बजाय जिसमें कृत्रिम वाल्वों का प्रत्यारोपण शामिल होता है। युवा रोगी बेहतर हृदय कार्यक्षमता के साथ ठीक हो गया है। डॉक्टरों के अनुसार, रोगी को सीने में दर्द और सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। उसके भर्ती होने पर, मेडिकल टीम ने तुरंत उसकी गंभीर LVOT रुकावट की स्थिति का निदान किया यह जीवन रक्षक सर्जरी ऐश्वर्या ट्रस्ट के सहयोग से एमजीएम हेल्थकेयर में की गई, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि बच्चे को विश्व स्तरीय देखभाल मिले। एमजीएम हेल्थकेयर में पीडियाट्रिक कार्डियक सर्जरी के सीनियर कंसल्टेंट डॉ आरकेआर नोवीन डेविडसन ने डॉ सुरेश राव केजी और पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी टीम द्वारा एनेस्थीसिया सपोर्ट प्रदान करके सर्जरी को सफलतापूर्वक किया। प्रक्रिया के बारे में बात करते हुए, डॉ नोवीन डेविडसन ने कहा, एलवीओटी एक गंभीर हृदय की स्थिति है, जिसमें हृदय के मुख्य पंपिंग कक्ष, बाएं वेंट्रिकल से शरीर के बाकी हिस्सों में रक्त का प्रवाह काफी अवरुद्ध हो जाता है। रुकावट का इलाज करने के लिए एक संशोधित कोनो प्रक्रिया, एक जटिल और उन्नत हृदय सर्जरी को चुना गया, ताकि बाएं वेंट्रिकल के संकुचित आउटफ्लो पथ को बड़ा किया जा सके। उन्होंने कहा, ऑपरेशन छाती की हड्डी के माध्यम से किया गया था, जिसमें सर्जरी के दौरान रक्त संचार बनाए रखने के लिए मरीज को हार्ट-लंग मशीन से जोड़ा गया था। सर्जरी के दौरान महत्वपूर्ण अंगों की सुरक्षा के लिए लड़के के शरीर को सुरक्षित, नियंत्रित तापमान पर ठंडा भी किया गया था। हृदय को सावधानीपूर्वक खोलने के बाद, हमने महाधमनी वाल्व के नीचे रुकावट पैदा करने वाले मोटे ऊतक और रेशेदार बैंड की पहचान की और उन्हें हटाया। चूंकि बहिर्वाह पथ अभी भी संकरा था, इसलिए हमने मार्ग को और अधिक साफ करने के लिए हृदय के दाईं ओर से एक अतिरिक्त उद्घाटन किया। हमने मार्ग को चौड़ा करने के लिए एक मेडिकल-ग्रेड पैच (सिंथेटिक पैच - PTFE) का उपयोग किया और मरीज के अपने हृदय आवरण (पेरीकार्डियम) से बने पैच का उपयोग करके महाधमनी वाल्व को बड़ा किया। हृदय को धीरे-धीरे सामान्य तापमान और लय में वापस लाया गया और यह अपने आप धड़कने लगा। सर्जरी के दौरान एक हृदय स्कैन ने पुष्टि की कि वाल्व अच्छी तरह से काम कर रहा था और हृदय से रक्त प्रवाह में बहुत सुधार हुआ था, जिसमें कोई ढाल नहीं था। मरीज को सुरक्षित रूप से हृदय-लंग मशीन से हटा दिया गया और स्थिर स्थिति में रिकवरी के लिए ले जाया गया। उन्होंने आगे कहा कि संशोधित कोनो प्रक्रिया विशेष रूप से उन रोगियों के लिए फायदेमंद है, जिनमें गंभीर संकुचन है और जिन्हें पारंपरिक तकनीकों से ठीक नहीं किया जा सकता। यह हृदय से शरीर के बाकी हिस्सों में रक्त प्रवाह को बेहतर बनाने में मदद करता है, हृदय की मांसपेशियों पर तनाव को कम करता है और रोगी के जीवन की गुणवत्ता और दीर्घकालिक हृदय कार्य को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है। डेक्सट्रोकार्डिया एक दुर्लभ जन्मजात स्थिति है, जिसमें हृदय छाती के बाईं ओर के बजाय दाईं ओर स्थित होता है। यह लगभग 10,000 लोगों में से 1 में होता है।

एफओपीई ने केंद्र से कुसुम हेल्थकेयर को मुआवजा देने का आग्रह किया

बेंगलुरुः भारत में एमएसएमई दवा निर्माताओं की सर्वोच्च संस्था फेडरेशन ऑफ फार्मास्युटिकल्स एंटरप्रेन्योर्स (FOPE) ने यूक्रेन में भारतीय दवा कंपनी कुसुम हेल्थकेयर के गोदाम पर हुए हमले पर खेद व्यक्त किया है। दुर्भाग्य से, 12 अप्रैल, 2025 को यूक्रेन में कुसुम हेल्थकेयर के गोदाम पर मिसाइल से हमला हुआ। FOPE द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि गोदाम में भारत से आयातित क्रिटिकल केयर दवाइयाँ और API (सक्रिय दवा सामग्री) थे, जो विशेष रूप से यूक्रेन में वृद्ध और बाल रोगियों के लिए थे। संघर्ष क्षेत्र में कमजोर आबादी को जीवन रक्षक और क्रिटिकल केयर दवाइयाँ आपूर्ति करने वाली अपनी सदस्य भारतीय कंपनी की सुविधा पर हुए हमले पर खेद व्यक्त करते हुए, FOPE ने कहा कि इस हमले के कारण होने वाला नुकसान बहुत बड़ा है और अनुमान है कि यह 150 करोड़ रुपये का है। संघर्ष क्षेत्र में होने के कारण, बीमा उपलब्ध नहीं है। अब FOPE केंद्र सरकार से अपील करता है कि वह कंपनी को अपना संचालन जारी रखने के लिए तुरंत उचित मुआवजा देने पर विचार करे क्योंकि इसमें महत्वपूर्ण विदेशी मुद्रा के साथ-साथ यूक्रेन में 2,000 और भारत में समान संख्या में कर्मियों को रोजगार शामिल है। भारत को श्विश्व की फार्मेसी के रूप में जाना जाता है। युद्ध के खतरों के बावजूद, जो आमतौर पर स्वास्थ्य सुविधाओं पर लक्षित नहीं होते हैं, जीवन रक्षक और महत्वपूर्ण दवाओं की आपूर्ति निरंतर जारी है। अब कुसुम हेल्थकेयर को मानवीय आधार पर राहत उपाय के रूप में अपने संच. ालन को बनाए रखने के लिए तुरंत पर्याप्त मुआवजा प्रदान किया जाना चाहिए, FOPE के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरीश जैन ने कहा। हम केंद्र सरकार से भी अपील करते हैं कि वह यूक्रेन और रूस दोनों के अधिकारियों के साथ कूटनीतिक रूप से इस मामले को तुरंत उठाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि दवा गोदामों सहित स्वास्थ्य सुविधाओं पर इस तरह के हमले भविष्य में दोनों पक्षों की ओर से न हों, जैन ने कहा। इसके अलावा, FOPE ने विदेशों में भारतीय कंपनियों की संपत्तियों की सुरक्षा के लिए एक नीति बनाने का भी अनुरोध किया, ताकि भारतीय नागरिकों के जीवन के साथ-साथ विद. ेशों में मूल्यवान संपत्तियों की भी रक्षा हो सके, खासकर यह ध्यान में रखते हुए कि युद्ध क्षेत्रों को वैश्विक स्तर पर जीवन विज्ञान उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखने के लिए पर्याप्त रूप से संरक्षित किया जाता है, जैन ने बताया। 17 अप्रैल, 2025 को, रूस ने यूक्रेन के आरोपों को खारिज कर दिया कि रूसी सेना ने कीव में एक भारतीय दवा कंपनी के गोदाम पर हमला किया।

मीडिया हाउस की रिपोर्ट के अनुसार रूसी दूतावास ने संकेत दिया है कि यूक्रेनी वायु रक्षा मिसाइलें भारतीय फार्मा कंपनी कुसुम के गोदाम पर गिर सकती हैं, जिससे आग लग गई। भारत में यूक्रेनी दूतावास ने कहा कि रूसी मिसाइल ने भारतीय दवा कंपनी कुसुम के गोदाम पर हमला किया और मॉस्को जानबूझकर यूक्रेन में भारतीय व्यवसायों को निशाना बना रहा है। रूसी दूतावास ने बताया कि रूसी सशस्त्र बलों ने 12 अप्रैल को कुसुम हेल्थकेयर के गोदाम पर हमला नहीं किया या हमला करने की योजना नहीं बनाई। इसने कहा कि रूसी सामरिक विमानन ने मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) को निशाना बनाया और मिसाइल बलों ने उस दिन एक पूरी तरह से अलग स्थान पर एक हवाई क्षेत्र और बख्तरबंद वाहन मरम्मत और यूएवी असेंबली कार्यशालाओं के अलावा यूक्रेनी सेना के एक विमानन संयंत्र को निशाना बनाया। रूसी दूतावास ने कहा, घटना की सबसे संभावित व्याख्या यह है कि यूक्रेनी वायु रक्षा मिसाइलों में से एक कुसुम हेल्थकेयर के गोदाम पर गिर गई, जिससे उसमें आग लग गई।

कर्म ही पूजा है
MEDICAL DARPAN MEDIA HOUSE
All India Circulation
आवश्यकता है
समस्त भारतवर्ष में अपनी इच्छानुसार शहर का चयन कर संवाददाता व विज्ञापन बुकिंग हेतु प्रतिनिधि व ऑफिस हेतु
• ऑफिस स्टाफ • सोशल मीडिया एक्सपर्ट
• कम्प्यूटर ऑपरेटर • आशुलिपिक
• ग्राफिक्स डिजाइनर • रिसेप्शनिस्ट
• अकाउन्टेंट • टेलीकॉलर
• सॉफ्टवेयर व हार्डवेयर विशेषज्ञ
आय Rs.10,000/- to Rs.25,000/- तक, कार्यानुसार
Send Your Resume & Contact us:
9045029158, 9410434811
medicaldarpanaccount@gmail.com, medicaldarpan.ctp@gmail.com
• मैडीकल दर्पण • Pharma दर्पण
• Pharma News • ADR (A Drug Index)
• medicaldarpan.com • onlinepharmamarket.com
Limca Book of Records Holder
• Soap Museum • Bank of Visiting Cards
Medical Darpan Media House, Pushpanjali Enclave, K.P. Road, Bulandshahr 203001 (UP)

हिमाचल प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए 193 करोड़ रुपये आवंटित किए

शिमलाः हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य भर में दो क्रिटिकल केयर ब्लॉक (CCB) और पाँच जिला एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं (DIPHL) की स्थापना के लिए 193.75 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इस पहल का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण और सस्ती स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच में सुधार करना है। हाल ही में हुई कैबिनेट मीटिंग में, राज्य सरकार ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्वाहन (क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर) में 50 बिस्तरों वाला CCB और शिमला जिले के सिविल अस्पताल रोहड़ू में 50 बिस्तरों वाला CCB स्थापित करने को मंजूरी दी। ये सुविधाएँ आपातकालीन सेवाओं, गहन देखभाल इकाइयों (ICU), उच्च निर्भरता इकाइयों (HDU), आइसोलेशन बेड, डायलिसिस इकाइयों, लेबर रूम, ऑपरेशन थिएटर और पॉइंट-ऑफ-केयर प्रयोगशालाओं सहित उन्नत चिकित्सा बुनियादी ढाँचे से सुसज्जित होंगी। प्रत्येक सीसीबी को मौजूदा जिला अस्पताल के साथ एकीकृत किया जाएगा और सामान्य परिस्थितियों में एक नियमित सुविधा के रूप में कार्य करेगा। हालांकि, स्वास्थ्य आपात स्थिति या कोविड-19 जैसे प्रकोप के दौरान, सख्त संक्रमण नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए उन्हें शारीरिक रूप से अलग किया जा सकता है। प्रत्येक ब्लॉक का निर्माण 16.63 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा, जिसमें 27.12 करोड़ रुपये की उपकरण लागत होगी। कैबिनेट ने डॉ. राधाकृष्णन सरकारी मेडिकल कॉलेज हमीरपुर से जुड़े पंडित जवाहर लाल नेहरू सरकारी मेडिकल कॉलेज चंबा और जिला अस्पताल हमीरपुर में डीआईपीएचएल की स्थापना को भी मंजूरी दी। इन डीआईपीएचएल का उद्देश्य नैदानिक क्षमताओं में सुधार करना, तेजी से परीक्षण करना और प्रभावी प्रकोप प्रबंधन का समर्थन करना है।

क्लीनिक पर जांच के दौरान मिली सरकारी दवाइयां

प्रतापगढ़। फर्जी डॉक्टर के क्लीनिक पर सरक. ारी दवाइयां मिलने का मामला प्रकाश में आया है। अवैध अस्पतालों की चेकिंग के दौरान सीएमओ कार्यालय की टीम ने यह कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान झोलाछाप के सहयोगियों ने टीम की कार्रवाई में बाधा डाली। सीएमओ टीम ने लीलापुर थानाक्षेत्र के अजगरा बाजार में स्थित एक क्लीनिक पर दबिश दी। टीम इंचार्ज डिप्टी सीएमओ डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि क्लीनिक पर खुद को डॉक्टर बताने वाले के पास डिग्री नहीं मिली। क्लीनिक का रजिस्ट्रेशन भी नहीं मिला। हैरानी की बात यह थी कि सरकारी अस्पताल की मैट्रोजिल आदि दवाओं के 15 डिब्बा भी बरामद हुए हैं। टीम जब कार्रवाई का वीडियो बनाने लगी तो झोलाछाप डॉक्टर ने अपने साथियों को बुला लिया और टीम से गाली गलौच की। हालात बिगड़ते देख स्वास्थ्य विभाग की टीम लीलापुर थाना पहुंची और गलत तरीके से मरीजों का इलाज करने के साथ चोरी से सरकारी अस्पताल की दवा बेचने और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने का आरोप लगाने की शिकायत दी। डिप्टी सीएमओ डॉ. राजेश ने बताया कि इस बात की भी जांच की जा रही है कि किस सरकारी अस्पताल से दवा क्लीनिक संचालक को मिली है। दवा देने वाले कर्मचारी के खिलाफ कार्यवाही होगी।

केमिस्ट शॉप पर रेड कर मिस ब्रांडेड दवाइयां जब्त की

सुंदरनगर (मंडी)। प्राप्त समाचार के अनुसार केमिस्ट शॉप पर रेड कर मिस ब्रांडेड दवाइयां बरामद करने का मामला प्रकाश में आया है। यह कार्रवाई सिविल अस्पताल सुंदरनगर में राज्य नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड की दवा दुकान में की गई। दुकान में दर्द निवारक दवा की एक मिस ब्रांडेड स्ट्रिप बरामद की। ड्रग इंस्पेक्टर रीना चौहान ने बताया कि फार्मा कंपनी और पुलिस से शिकायत मिली थी कि सिविल अस्पताल सुंद. रनगर में सिविल सप्लाई की दुकान पर फर्जी दवा बेची जा रही है। इसके चलते उनकी टीम ने कैमिस्ट शॉप के काउंटर से मिस ब्रांडेड दवा बरामद की। ड्रग इंस्पेक्टर ने दुकान मालिक से दवा की स्ट्रिप का रिकॉर्ड मांगा है और मामले में आगे की जांच जारी है। रीना चौहान ने बताया कि शिकायत मिलते ही देर रात पुलिस के साथ छापेमारी की गई। प्रतिबंधित दवाई का रैपर कब्जे में लेकर संबंधित मेडिकल स्टोर से दवाई के स्टॉक की जानकारी मांगी गई है।

राज्यों ने मनोवैज्ञानिकों को दवा लिखने का अधिकार दिया

7 राज्यों (कोलोराडो, इडाहो, इलिनोइस, आयोवा, लुइसियाना, न्यू मैक्सिको और यूटा) ने लाइसेंस प्राप्त मनोवैज्ञानिकों को दवा लिखने का अधिकार दिया है। यह आंदोलन मानसिक स्वास्थ्य देखभाल की कमी को दूर करने के लिए उभरा, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहाँ मनोचिकित्सकों की सीमित पहुँच है। प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिकों को अवसादरोधी, चिंतानिवारक और मूड स्टेबलाइजर जैसी मनोविकृतिरोधी दवाएँ लिखने की अनुमति देकर, इन राज्यों का उद्देश्य एकीकृत उपचार मॉडल के माध्यम से प्रतीक्षा समय को कम करना और रोगी देखभाल को बेहतर बनाना है। 1 प्रिस्क्राइबिंग मनोवैज्ञानिक टॉक थेरेपी को औषधीय हस्तक्षेपों के साथ जोड़ते हैं, जिससे अक्सर कई प्रदाताओं के कारण होने वाली रुकावट कम हो जाती है। प्रिस्क्रिप्शन अथॉरिटी के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए, मनोवैज्ञानिकों के पास डॉक्टरेट की डिग्री (पीएचडी या PsyD) होनी चाहिए और क्लिनिकल साइकोफार्माकोलॉजी (MSCP) में 2 साल का मास्टर डिग्री प्रोग्राम पूरा करना चाहिए, जिसमें कोर्सवर्क और पर्यवेक्षित क्लिनिकल ट्रेनिंग दोनों शामिल हैं। मनोवैज्ञानिकों के लिए साइकोफार्माकोलॉजी परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद, उम्मीदवारों को एक अनंतिम लाइसेंस प्राप्त होता है, जिसके लिए उन्हें स्वतंत्र रूप से प्रिस्क्राइब करने से पहले 2 साल की पर्यवेक्षित प्रैक्टिस की आवश्यकता होती है। ये आवश्यकताएं यह सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन की गई हैं कि प्रिस्क्राइबिंग मनोवैज्ञानिकों के पास दवाओं को सुरक्षित और प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए आवश्यक ज्ञान हो। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन मनोवैज्ञानिकों के लिए प्रिस्क्रिप्शन अथॉरिटी का समर्थन करता है, निदान, चिकित्सा और मनोचिकित्सा में उनके व्यापक प्रशिक्षण का हवाला देते हुए। न्यू मैक्सिको और लुइसियाना के अध्ययनों से पता चला है कि प्रिस्क्रिप्शन मनोवैज्ञानिकों से रोगी के परिणाम बेहतर हो सकते हैं, जैसे आत्महत्या की दर कम करना। 3 समर्थकों का तर्क है कि यह पहल देखभाल में महत्वपूर्ण अंतराल को संबोधित करती है, खासकर ग्रामीण समुदायों में जहां मनोचिकित्सक सीमित हैं। कई मनोचिकित्सकों द्वारा बीमा स्वीकार न किए जाने के कारण, प्रिस्क्रिप्शन मनोवैज्ञानिक दवा-सहायता प्राप्त चिकित्सा की आवश्यकता वाले रोगियों के लिए अधिक सुलभ और लागत प्रभावी विकल्प प्रदान करते हैं।

MD PAPER MAY 2025_32 Inch January. 2021.qxd 5/1/2025 9:50 AM Page 12

AUTHORIZED DISTRIBUTORS OF ADR BOOK

Location	Party Name	Contact No.
Agra	Satish Book Enterprises	9997877123
Ahmedabad	Bharat Medical Book House	9824013920
Akola	Book Emporium	9422861751
Aligarh	Rama Book Store	9319275252
Allahabad	Chetana Medical Books	9307978423
Amritsar	City Book Shop	0183-2571591
Amritsar	Medical Books & Surgicals Centre	0183-2422729
Aurangabad	Arihant Excel Medical Book House	9822259681
Aurangabad	Shri Samarth Book Depot	9822034577
Belgaun	Shri Ganesh Book Stall	8312461258
Berhampur	Book World	9861015189
Bhagalpur	Kora Kagaz	9771511779
Bhopal	Lyall Book Depot	0755-2543624
Bhubaneswar	Annapurna Medical Book Shop	9861243882
Bikaner	Academy Book Centre	9414138998
Burla	Bharat Book Emporium	9337335744
Calicut	Ramdas Sotes & Books	0495-2358398
Chennai	Chennai Medical Book Centre	044-66246369
Chennai	Shah Medical Books	9444829937
Coimbatore	Arasu Medical Book House	9444308567
Coimbatore	Balaji Medical Books	0422-6725292
Coimbatore	Dass Medical Book Shop	9443958620
Cuttack	Scientific Book Depot	9437020414
Delhi	Mirza Book Depot	9958723206
Delhi	Pawan Book Service	9810202316
Delhi	R.S.Book Store	9810546759
Delhi	Sagar Book Depot	9811680722
Delhi	University Book Store	9818357577
Dhulea	Koshal Book Shop	9423916592
Gorakhpur	Medical Book Centre	9450884543
Gwalior	Anand Pustak Sadan	9425114555
Indore	New Jain Book Stall	9926636333
Indore	Scientific Literature Company	9826299744
Jabalpur	Lords Book Sellers	9425155125
Jabalpur	Akash Pustak Sadan	9826563047
Jaipur	Kumar Medical Book Store	9829610430
Jammu	Bhartiya Pustakalaya	9796636000
Jammu	Narend Book Depot	9419114398
Jamnagar	Jay Medical Book Centre	9925236982
Jodhpur	Book World	9829088088
Jorhat	Naveen Pustakalaya	9435514204
Kolhapur	Ajab Pustakalaya	9881424434
Kolkata	Raj Book House	9432550891
Kota	R.K.Stationers	9829087574
Koti Hyderabad	Osmani Medical Book House	040-64644253
Koti Hyderabad	Paras Medical Books Pvt Ltd.	040-24600869
Koti Hyderabad	Sharp Medical Book Centre	040-65544303
Lucknow	Aditya Medical Books Pvt Ltd.	0522-2611724
Lucknow	Arora Book Agencies	0522-4046778
Ludhiana	Verma Book Depot	9872202530
Madurai	Medical Books & International	9344101063
Meerut	City Book Centre	0121-4056292
Meerut	Menakshi Prakashan	0121-2645498
Meerut	R LAL Book Depot	0121-2666235
Mumbai	The National Book Depot	022-24131362
Mumbai	Vikas Medical Book House Pvt Ltd.	022-23010441
Mumbai	Bhalani Medical Book House	022-24171660
Nagpur	New Medical Book Shop	9822225591
Nagpur	Book Source	9850943011
Patna	Current Book Service	9431077745
Pune	J D Granth Bhandar	020-24492832
Raipur	S.K.Medical Book House	9329637397
Raipur	Sristhi Book Stationery Mart	9300855027
Rajkot	Jay Books Medical Book	9925236984
Ranchi	Student Book Depot	0651-2221907
Saharanpur	Hans Pustak Bhandar	9457449388
Sangli	Tanavade & Sons	9823049499
Sri Nagar	Doctors Dotkom	9086454647
Tirupati	Shri Venketswar Book Depot	9885479105
Trivandram	Professional Book House	9495951506
Varanasi	Atithi Medical Books	9307978423
Varanasi	Current Book Agency	9335015235
Visakhapatnam	Andhra Medical Book Centre	9985716032
Visakhapatnam	World Medical Book Centre	9849022192

नोवो नॉर्डिस्क भारत में अपने सबसे बड़े इंसुलिन ब्रांड को चरणबद्ध तरीके से बंद करेगी

नई दिल्ली: मधुमेह बाजार को हिला देने वाले एक कदम में, नोवो नॉर्डिस्क भारत में अन्य पुराने इंसुलिन ब्रांडों के साथ देश के सबसे ज्यादा बिकने वाले इंसुलिन, ह्यूमन मिक्सटार्ड को बंद कर रहा है । ह्यूमन मिक्सटार्ड अकेले ही भारत में नोवो नॉर्डिस्क के लिए 800 करोड़ रुपये का ब्रांड है, बावजूद इसके कि यह मूल्य नियंत्रण के अधीन है। ह्यूमन मिक्सटार्ड के अलावा, चरणबद्ध तरीके से बंद होने से 5,000 करोड़ रुपये के इंसुलिन बाजार में इसके शीर्ष ब्रांड प्रभावित हो सकते हैं जिनमें एक्ट्रापिड, इंसुलटार्ड, इंसुलिन डेटेमिर और लेवेमिर और जुल्टोफी शामिल हैं - जिन्हें ज्यादातर पहले से भरे डिस्पोजेबल पेन और कार्ट्रिज (पेनफिल और फ्लेक्सपेन) के रूप में बेचा जाता है। कंपनी ने हाल ही में अपने मार्केटिंग पार्टनर एबॉट इंडिया को सूचित किया कि मौजूदा स्टॉक खत्म होने के बाद उत्पाद बंद कर दिए जाएंगे, एक्सेस किए गए दस्तावेजों में कहा गया है। इसमें लगभग छह महीने लग सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि यह फैसला डेनिश कंपनी की वैश्विक रणनीति के अनुरूप है जिसमें ओजेम्पिक और वेगोवी सहित नए, पेटेंट किए गए ब्लॉकबस्टर मधुमेह और वजन घटाने के उपचारों को प्राथमिकता दी गई है, क्योंकि उनमें अधिक लाभप्रदता है। साथ ही, यह संभावित रूप से इस साल भारतीय बाजार में इन उपचारों को पेश करने की अपनी योजनाओं के अनुरूप प्रतीत होता है। अपनी वैश्विक रणनीति के हिस्से के रूप में, पुरानी पीढ़ी के इंसुलिन उत्पादों को वैश्विक स्तर पर क्रमिक तरीके से बंद कर दिया जाएगा। कंपनी को 17 अप्रैल को भेजे गए एक ईमेल का जवाब नहीं मिला। हालांकि, कंपनी ने ह्यूमन मिक्सटार्ड, एक्ट्रापिड और इंसुलटार्ड को शीशियों में बेचना जारी रखने की योजना बनाई है - जिसे इंजेक्शन के जरिए मरीजों तक पहुंचाया जा सकता है।

दिल्ली सरकार मई तक 70 आयुष्मान आरोग्य मंदिर शुरू करेगी: स्वास्थ्य अधिकारी

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार दिल्ली सरकार मई से राष्ट्रीय राजधानी में 70 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (AAY) शुरू करने की तैयारी कर रही है, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक, एक अधिकारी ने बताया। स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि AAY को मौजूदा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (PHC), डिस्पेंसरियों और मोहल्ला क्लीनिकों को अपग्रेड करके विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन्हें लागू करने का काम पहले से ही चल रहा है। लगभग 10 से 15 निर्वाचन क्षेत्रों में, प्रक्रिया अंतिम चरण में है क्योंकि उपयुक्त स्थानों की पहचान की जा रही है। अधिकारी ने कहा, यह एक दीर्घकालिक पहल है, इसलिए हम अस्थायी सुधारों से बच रहे हैं। सब कुछ योजनाबद्ध और टिकाऊ तरीके से किया जा रहा है। उन्होंने कहा, पहले चरण में, मई से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक-एक करके 70 AAY शुरू किए जाएंगे। केंद्र सरकार से 2,400 करोड़ रुपये के वित्त पोषण द्वारा समर्थित इस परियोजना में कुल 1,139 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का निर्माण शामिल है, जिसकी घोषणा दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पहले की थी। यह पहल प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) के तहत केंद्र के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के बाद की गई है और इसका उद्देश्य शहर के प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा नेटवर्क को मजबूत करना है। अधिकारी ने कहा कि मोहल्ला क्लीनिकों की मौजूदा सेवाओं के ऊपर नए केंद्र बनाए जाएंगे और उम्मीद है कि वे सामान्य बाह्य रोगी देखभाल और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगे, जिसमें उच्च रक्तचाप जैसी गैर-संचारी बीमारियों के लिए टीकाकरण और जांच शामिल है। नोवो नॉर्डिस्क भारत में अपने सबसे बड़े इंसुलिन ब्रांड को चरणबद्ध तरीके से बंद करेगी।

गुजरात एफडीसीए ने नकली क्यूआर कोड का उपयोग कर किया नकली दवाओं के अंतरराज्यीय वितरण का पर्दाफाश

मुंबई: प्राप्त समाचार के अनुसार नकली दवाओं के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी सफलता के रूप में, गुजरात खाद्य एवं औषधि नियंत्रण प्रशासन (FDCA) ने नकली QR कोड का उपयोग करके नकली दवाओं के अंतरराज्यीय वितरण से जुड़े अपनी तरह के पहले गुप्त ऑपरेशन का पर्दाफाश किया है। FDCA ने आधिकारिक तौर पर ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) को पत्र लिखा है और महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, दिल्ली और पश्चिम बंगाल के चार राज्यों में दवा नियामक अधिकारियों को सतर्क किया है, जहां कथित तौर पर नकली दवाएं प्रसारित की गई थीं। FDCA आयुक्त डॉ. एचजी कोशिया के अनुसार, जांच में थोक विक्रेताओं और वितरकों के एक परिष्कृत गठजोड़ का पता चला है जो उत्पाद पैकेजिंग पर वैध QR कोड के तहत नकली दवाओं के अवैध व्यापार में लगे हुए हैं। ऑपरेशन के पैमाने और तरीके से पता चलता है कि उन्नत तकनीकी क्षमताओं वाले एक संगठित साइबर अपराधी नेटवर्क की संलिप्तता है। डॉ. कोशिया ने कहा, हम जांच कर रहे हैं कि क्या ये नकली QR कोड डेटा चोरी के माध्यम से बनाए गए थे, अवैध रूप से विनिर्माण इकाइयों से प्राप्त किए गए थे, या उच्च-स्तरीय विशेषज्ञता वाले साइबर अपराधियों द्वारा हेरफेर किए गए थे। उन्होंने आगे बताया कि विभाग ने एक प्रतिष्ठित दवा कंपनी से एक औषधीय उत्पाद की कुल 850 स्ट्रिप्स के चार बैच जब्त किए हैं, जो वर्तमान में फोरेंसिक जांच के अधीन हैं। यह खुलासा 2022 में जारी भारत सरकार के निर्देश के मद्देनजर हुआ है, जिसमें शीर्ष 300 दवा ब्रांडों को 1 अगस्त, 2023 तक अपनी पैकेजिंग पर क्यूआर कोड शामिल करना अनिवार्य किया गया है। इस पहल का उद्देश्य ट्रेसबिलिटी को बढ़ावा देना और भारतीय बाजार में दवाओं की प्रामाणिकता सुनिश्चित करना है। हालांकि, गुजरात FDCA के निष्कर्ष अब क्यूआर कोड प्रणाली की सुरक्षा और छेड़छाड़ की चपेट में आने के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा करते हैं। खतरनाक घटनाक्रमों के जवाब में, गुजरात FDCA ने नकली दवाओं की उत्पत्ति और प्रसार का पता लगाने के लिए राज्यव्यापी छापे, नमूना जब्ती और डिजिटल फोरेंसिक को शामिल करते हुए एक व्यापक जांच शुरू की है। आने वाले हफ्तों में कार्यवाही में तेजी आने की उम्मीद है, क्योंकि अधिकारी उन सुरागों का पीछा कर रहे हैं जो वर्तमान में पहचाने गए चार राज्यों से आगे तक फैल सकते हैं। क्षमता निर्माण और सतर्कता की तत्काल आवश्यकता को पहचानते हुए, FDCA ने 150 प्रमुख प्रवर्तन अधिकारियों को लक्षित करते हुए एक राज्यव्यापी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किया है। इसमें संयुक्त आयुक्त, सहायक आयुक्त, वरिष्ठ औषधि निरीक्षक और औषधि निरीक्षक शामिल हैं। प्रशिक्षण का उद्देश्य दवा धोखाधड़ी के बढ़ते खतरे का मुकाबला करने के लिए पहचान क्षमताओं, साइबर अपराध जागरूकता और नियामक प्रतिक्रिया तंत्र को बढ़ाना है। गुजरात एफडीसीए उपभोक्ता सुरक्षा सुनिश्चित करने और दवा आपूर्ति श्रृंखला की अखंडता को बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दवा नियंत्रण एजेंसियों, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों और दवा कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। हम पूरे नेटवर्क का पता लगाने और अपराधियों को पकड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं, डॉ कोशिया ने पुष्टि की।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों में सामान्य सर्दी की दवा के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सामान्य सर्दी की दवा क्लोरोफेनरामाइन मैलेट और फेनिलफ्रीन हाइड्रोक्लोराइड के संयोजन के उपयोग को प्रतिबंधित कर दिया है और निर्माताओं से दवा के लेबल और पैकेज इंसर्ट पर संबंधित चेतावनी का उल्लेख करने को कहा है। यह प्रतिबंध केंद्र सरकार द्वारा इस बात से संतुष्ट होने के बाद लगाया गया है कि विशेष दवा फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (FDC) के उपयोग से चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों को जोखिम हो सकता है और उक्त दवा के सुरक्षित विकल्प उपलब्ध हैं। केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त एक विषय विशेषज्ञ समिति (SEC) ने भी पहले ऐसी कार्यवाही की सिफारिश की थी और सलाह दी थी कि निर्माताओं को इस संबंध में चेतावनी का उल्लेख करना चाहिए। इस मामले की पहले ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड (DTAB) द्वारा जांच की गई थी और सिफारिश की गई थी कि दवा को चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों में उपयोग के लिए प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। मंत्रालय ने 15 अप्रैल, 2025 को जारी अधिसूचना में कहा, उक्त औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड की सिफारिशों के आधार पर, केंद्र सरकार इस बात से संतुष्ट है कि देश में मानव उपयोग के लिए उक्त औषधि के निर्माण, बिक्री और वितरण को प्रतिबंध के माध्यम से विनियमित करना जनहित में आवश्यक और समीचीन है। नहीं, इसलिए, औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 26ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्र सरकार क्लोरफेनिरामाइन मैलेट + फेनिलफ्रीन हाइड्रोक्लोराइड के निश्चित खुराक संयोजन के सभी योगों के निर्माण, बिक्री या वितरण को निम्नलिखित शर्त के अधीन प्रतिबंधित करती है, कि निर्माता दवा के लेबल और पैकेज इंसर्ट या प्रचार साहित्य पर चेतावनी का उल्लेख करेंगे शनिश्चित खुराक संयोजन चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों में इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। अधिसूचना आधिकारिक राजपत्र में इसके प्रकाशन की तिथि से लागू होगी। धारा 26ए केंद्र सरकार को आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना द्वारा जनहित में दवाओं के निर्माण आदि को विनियमित या प्रतिबंधित करने की शक्ति प्रदान करती है। यह ध्यान देने योग्य है कि 2023 में, दवा नियामक ने क्लोरफेनिरामाइन मैलेट आईपी 2 मिलीग्राम के साथ फेनिलफ्रीन एचसीएल आईपी 5 मिलीग्राम प्रति एमएल ड्रॉप्स के सामान्य सर्दी के स्थिर दवा संयोजन (एफडीसी) के सभी निर्माताओं को लेबल और पैकेज इंसर्ट और प्रचार साहित्य पर चार साल से कम उम्र के बच्चों में संयोजन के उपयोग को प्रतिबंधित करने की चेतावनी का उल्लेख करना अनिवार्य कर दिया है। यह आदेश एक विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) के बाद जारी किया गया था जो दवा नियामक को फुफ्फुसीय खंड पर दवा अनुमोदन और परीक्षणों से संबंधित मामलों पर सलाह देती है, इस तरह के उपाय की सिफारिश करते हुए कि संयोजन का उपयोग चार साल से कम उम्र के बच्चों में नहीं किया जाना चाहिए।

डेंटलकार्ट ने जटिल दंत उत्पादों की त्वरित खरीद को बढ़ाने के लिए खरीदारी गाइड लॉन्च किया

बेंगलुरु: प्राप्त समाचार के अनुसार एनएसई में सूचीबद्ध कंपनी और डेंटल सप्लाई के लिए एक ऑनलाइन गंतव्य डेंटलकार्ट ने हाल ही में एक बाइंग गाइड सुविधा शुरू की है, जो डेंटल प्रोफेशनल्स को जटिल उत्पाद आवश्यकताओं से निपटने के लिए एक सूचित खरीद निर्णय लेने में मदद करने के लिए एक क्यूरेटेड चरण-वार खरीदारी सहायक है।

कई डेंटल प्रोफेशनल्स एक विशिष्ट प्रक्रिया के लिए उत्पादों के सही संयोजन की पहचान करने में संघर्ष करते हैं। हाल ही में लॉन्च की गई बाइंग गाइड के साथ, जिसमें दंत चिकित्सा में कई प्रमुख प्रक्रियाओं पर चरण-वार, विशेषज्ञ-समर्थित सिफारिशें शामिल हैं, सभी विशेषताओं में दंत चिकित्सकों द्वारा शोध थकान में कमी और उत्पाद खोज में वृद्धि हुई है। डेंटलकार्ट के संस्थापक और सीईओ डॉ. विकास अग्रवाल ने कहा, हम रणनीतिक प्रौद्योगिकी एकीकरण का उपयोग करके ग्राहक खरीदारी के अनुभव को बढ़ाने के तरीकों में लगातार लगे रहते हैं। बाइंग गाइड के लॉन्च के साथ, हम डेंटल प्रोफेशनल्स के लिए खरीदारी की यात्रा के हर चरण में विशेषज्ञ मार्गदर्शन के साथ सही समय पर सही उत्पादों की खोज करना आसान बना रहे हैं। 9 साल पुरानी कंपनी 500 से ज्यादा निर्माताओं से सीधे सोर्स किए गए 700 श्रेणियों में 22,000 से ज्यादा उत्पादों की एक विशाल रेंज पेश करती है, जिसने सुचारू तैनाती और मापनीयता सुनिश्चित करने के लिए चरणों में आंतरिक व्यवस्थापक उपकरण और कॉन्फिगरेशन डैशबोर्ड का विकास और परीक्षण शुरू किया है। इसने प्रत्येक गाइड को विशिष्ट उपचार चरणों, अनुशंसित उत्पादों, विशेषज्ञ इनपुट और वैकल्पिक शैक्षिक संसाधनों के साथ संरचित तरीके से डिजाइन किया है।

इसके अलावा डायनेमिक उत्पाद मैपिंग के साथ, उत्पादों का वास्तविक समय का जुड़ाव बढ़ाया जाता है और उपयोगकर्ता की यात्रा को और अधिक सहज और व्यक्तिगत बनाया जाता है। इसके अतिरिक्त, नई सुविधा डेमो बुकिंग को एकीकृत करती है ताकि ग्राहक आसानी से अपडेट के लिए ऑप्ट-इन कर सकें या गाइड के भीतर सीधे उत्पाद डेमो शेड्यूल कर सकें। इसके अलावा, इसमें बल्क खरीदारी को सरल और तेज बनाने के लिए सभी का चयन करें और सभी खरीदें बटन जैसे स्मार्ट विकल्पों को रणनीतिक रूप से एकीकृत किया गया है। इसके बाद, यह ग्राहकों को उनके नैदानिक, शोध या परिच. ालन लक्ष्यों के साथ संरेखित उत्पादों का पता लगाने, समझने और खरीदने में सक्षम बनाता है, जिससे रूपांतरण, ज्ञान और आत्मविश्वास में सुधार होता है। यह निर्देशित यात्रा, बंडल खरीदारी और क्रॉस-सेल सुझाव देकर ग्राहक के आत्मविश्वास को बढ़ाता है, जो अंततः रूपांतरण दरों और समग्र संतुष्टि में सुधार करता है। कंपनी के संचार नोट में कहा गया है कि सदस्यता के विकल्प के साथ, ग्राहक नए जोड़े गए खरीद गाइड के बारे में सीधे ईमेल के माध्यम से वास्तविक समय की अपडेट प्राप्त कर सकते हैं।

MD PAPER MAY 2025_32 Inch January. 2021.qxd 5/1/2025 9:50 AM Page 13

Naturally safe
AYURVEDIC AND HERBAL
Formulations
NU ALTER
MANUFACTURER, SUPPLIER & TRADERS
OWN MANUFACTURING UNITS
CERTIFIED WITH
ISO, GMP AND WHO-GMP
Tablet | Capsule | Syrup | Dry Syrup
Spray | Ointment | Powder
SPECIAL OFFER 10% OFF LIMITED PERIOD
For manufacturing and Trade Inquiries
Plz Contact : 0172-5000295 8699038826 9799047262
NU ALTER HERBOVET
93, HSIIDC, Alipur, Barwala
Haryana-134103
E-mail : altarhealth1@gmail.com
Web : www.nualtergroup.com
Quality manufacturing of Ayurvedic, Veterinary and Allopathic Products

दुष्ट इंसान की मीठी बातों पर कभी भरोसा मत करो। वो अपना मूल स्वभाव कभी नहीं छोड़ सकता। जैसे शेर कभी हिंसा नहीं छोड़ सकता।

HEALTHY PLANET HEALTHY Life
Attractive Packing
Large Range of Products
Competitive & Reasonable Rates
Assured Quality Manufactured at GMP Plants
Proven track record of Uninterrupted Services
Pluto Biomeds Pvt. ltd.
A professionally managed company gaining a strong foothold in the pharmaceuticals industry

Products	We offer
• Tablets	• Attractive Promo Inputs
• Capsules	• Corporate Gifts
• Eye / Ear drops	• Yearly Bonanza
• Injectables	• Seasonal Bonanza
• Liquids (Suspension / syrups / Drops)	• Visual Aid
• Protein Powders	• Order book
• Dry Syrups	• Reminder Cards
• Soaps	• Catch covers
• Ointments and Gels	• Product Literatures
• Mouthwash	

BUSINESS OPPORTUNITY
Marketing and distribution rights available for unrepresented areas on monoply basis.
CALL TODAY +91 9368 331 293
Pluto Biomeds
A-60, 1-2 Floor, Transport Nagar, Dehradun-248002, Uttarakhand
Mob 93683 31293 email: plutobiomeds@gmail.com

क्या कृत्रिम मिठास हमारे स्वास्थ्य के लिए ठीक है? वर्तमान साक्ष्य क्या कहते हैं, जानिए

कैम्ब्रिज: प्राप्त समाचार के अनुसार खाने की चीजों में चीनी की मात्रा कम करने और उनका आकर्षक स्वाद बनाए रखने के लिए उनमें कृत्रिम मिठास मिलाई जा रही है। लेकिन शोध के बढ़ते मामलों से पता चलता है कि ये गैर-पोषक स्वीटनर हमेशा स्वस्थ और सुरक्षित विकल्प नहीं हो सकते हैं। तो अगर हम चीनी खाने के नुकसान के बिना मीठा खाने का आनंद लेना चाहते हैं तो हमारा सबसे अच्छा विकल्प क्या है? कृत्रिम स्वीटनर मूल रूप से हमारे मीठे स्वाद को महसूस करने वाले मार्ग को उत्तेजित करने वाले रसायनों के रूप में विकसित किए गए थे। चीनी के अणुओं की तरह, ये स्वीटनर सीधे हमारे मुंह में स्वाद सेंसर पर काम करते हैं। वे शरीर को एक तंत्रिका संकेत भेजकर ऐसा करते हैं कि उच्च कार्बोहाइड्रेट वाले खाद्य स्रोत का सेवन किया गया है - शरीर को ऊर्जा के लिए उपयोग करने के लिए इसे तोड़ने के लिए कहते हैं।

चीनी के सेवन के मामले में, यह हमारे डोपामिनर्जिक सिस्टम को भी उत्तेजित करता है। यह मस्तिष्क का वह हिस्सा है जो प्रेरणा और पुरस्कार के लिए जिम्मेदार है, जो चीनी की लालसा से जुड़ा हुआ है। विकासवादी दृष्टिकोण से, इसका मतलब है कि हम ऊर्जा के स्रोत के लिए और अपने अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए उच्च चीनी वाले भोजन की तलाश करने के लिए कठोर हैं। हालाँकि, चीनी का अत्यधिक सेवन स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म देने के लिए जाना जाता है, जैसे कि चयापचय संबंधी व्यवधान जो मोटापे और मधुमेह का कारण बन सकता है। इसी तरह, जब चीनी के बजाय कृत्रिम मिठास इस उत्तेजना का कारण बनती है, तो इसी तरह के चयापचय असंतुलन के सबूत बढ़ रहे हैं। यह इस तथ्य के बावजूद होता है कि कृत्रिम मिठास डोपामाइन प्रणाली को उत्तेजित नहीं करती है।

दरअसल, इस साल की शुरुआत में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चला है कि सुक्रालोज (सॉफ्ट ड्रिंक के दो कैन में मौजूद चीनी के बराबर मात्रा) का सेवन करने के दो घंटे के भीतर, प्रतिभागियों में शारीरिक भूख की प्रतिक्रियाएँ बढ़ गई थीं। शोध ने हाइपोथैलेमस में रक्त प्रवाह को मापा, जो हमारे मस्तिष्क का वह क्षेत्र है जो भूख नियंत्रण के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने पाया कि सुक्रालोज मस्तिष्क के इस क्षेत्र में रक्त प्रवाह को बढ़ाता है। अध्ययनों से यह भी पता चला है कि मीठा करने वाले पदार्थ भूख हार्मोन, लेप्टिन के समान न्यूरॉन्स को उत्तेजित कर सकते हैं। समय के साथ, यह हमारी भूख की सीमा को बढ़ा सकता है - जिसका अर्थ है कि हमें भरा हुआ महसूस करने के लिए अधिक भोजन खाने की आवश्यकता है। इससे पता चलता है कि कृत्रिम मीठा करने वाले पदार्थों का सेवन करने से हमें अधिक भूख लगती है, जो अंततः हमें अधिक कैलोरी का सेवन करने के लिए प्रेरित कर सकता है।

सरकार का लक्ष्य महाराष्ट्र के दूरदराज के इलाकों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है: सीएम फडणवीस

मुंबई: प्राप्त समाचार के अनुसार महाराष्ट्र सरकार राज्य में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं का एक संपूर्ण नेटवर्क विकसित करने की योजना बना रही है, ताकि दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों सहित सभी को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराई जा सके, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा। आज महाराष्ट्र स्वास्थ्य सुविधाओं का केंद्र बन रहा है और राज्य में सभी प्रकार की गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन अब हम इस राज्य में एक संपूर्ण नेटवर्क विकसित करना चाहते हैं, जहां यह गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा समाज के अंतिम व्यक्ति को भी उपलब्ध हो, जो दूरदराज के इलाकों में रहता है, मुख्यमंत्री ने सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल द्वारा आयोजित 22वें मुंबई लाइव एंडोस्कोपी कोर्स को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों और तकनीक की मदद से राज्य सरकार दूरद. राज के इलाकों तक पहुंच सकती है और अंतिम व्यक्ति की सेवा कर सकती है। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हमारे देश में हर व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और सस्ती स्वास्थ्य सेवा मिले, और मुझे लगता है कि हम यही करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में पिछले दो वर्षों में हमने 10 नए मेडिकल कॉलेज शुरू किए हैं क्योंकि हमें समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा के लिए डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के एक बड़े समूह की आवश्यकता है। एचएन रिलायंस फाउंडेशन और रिलायंस फाउंडेशन हेल्थकेयर इनिशिएटिव्स के ग्रुप सीईओ डॉ. तरंग ज्ञानचंदानी ने कहा, हमें मुंबई लाइव एंडोस्कोपी जैसे प्लेटफॉर्म का समर्थन करने पर गर्व है जो वैश्विक स्तर पर नैदानिक उत्कृष्टता और चिकित्सा शिक्षा को सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि अस्पताल समाज के सभी वर्गों के रोगियों के लिए तकनीकी रूप से संचालित और एआई संचालित उपचार प्रोटोकॉल को आगे बढ़ाने में सबसे आगे है। सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल, मुंबई के गैस्ट्रोसाइंसेज के अध्यक्ष डॉ. अमित मेदेव ने कहा कि दुनिया में पाचन तंत्र की बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं और नए जीआई एंडोस्कोपिक उपचार के तरीकों से अब कई बीमारियों को सर्जरी की आवश्यकता के बिना ठीक किया जा सकता है।

दिल्ली सरकार ने 25 नवनियुक्त औषधि निरीक्षकों में से 17 की नियुक्ति की घोषणा की

चेन्नई: दिल्ली सरकार ने गजट नोटिफिकेशन के जरिए 17 नए ड्रग इंस्पेक्टरों की नियुक्ति की घोषणा की है। 25 नए नियुक्त किए गए इंस्पेक्टरों में से आठ की अधिसूचना लंबित है। ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट के कंट्रोलिंग एंड लाइसेंसिंग अथॉरिटी केआर चावला के मुताबिक, बाकी बचे आठ ड्रग इंस्पेक्टरों की अधिसूचना इस महीने के आखिरी हफ्ते तक आने की उम्मीद है। इसके साथ ही डीसीए में ड्रग इंस्पेक्टरों की कुल संख्या 39 हो गई है। अभी तक विभाग में सिर्फ 14 ड्रग इंस्पेक्टर थे। हालांकि, विभाग के सुचारू संचालन के लिए यह संख्या पर्याप्त नहीं है। ड्रग इंस्पेक्टरों की स्वीकृत संख्या 46 है। चावला ने सरकार को विभाग की कुल संख्या की जरूरत के बारे में भी लिखा है। विभाग राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में ड्रग एक्ट के प्रवर्तन में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। फार्माबिज के साथ जानकारी साझा करते हुए डीसी ने कहा कि नए ड्रग इंस्पेक्टर अभी ट्रेनिंग ले रहे हैं, जो अगले छह महीने तक चलेगी। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली डीसीए एकमात्र राज्य नियामक प्राधिकरण है, जो नए ड्रग इंस्पेक्टरों को एक महीने की औद्योगिक ट्रेनिंग सहित छह महीने की ट्रेनिंग देता है। वरिष्ठ औषधि निरीक्षक और एडीसी प्रशिक्षक हैं। छापेमारी करने वाली टीमों में नए लोगों को शामिल करते हुए विभाग ने पहले ही तीन औचक छापे और चार जब्ती की है। उन्होंने कहा कि विभाग व्यापक प्रशिक्षण आयोजित कर रहा है, क्योंकि राज्य औषधि निरीक्षकों को दिल्ली में सीडीएससीओ के निरीक्षकों के साथ मिलकर काम करना है। प्रशिक्षण में नए विनियामक अधिकारियों को बिक्री परिसर से नमूने लेने, तलाशी और जब्ती, खुफिया जानकारी विकसित करने और नियमित निरीक्षण प्रक्रियाओं जैसे काम से संबंधित मुद्दों से अवगत कराया जाएगा। उन्हें प्रभावी दवा विनियमन और प्रवर्तन के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से खुद को लैस करने के लिए औषधि और सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम की विभिन्न धाराओं को पढ़ाया जाएगा।

उन्हें विनिर्माण उद्योगों में जोखिम-आधारित निरीक्षण करने वाली टीमों का भी हिस्सा बनाया जाएगा। कानून के विशेषज्ञ डी एंड सी अधिनियम से संबंधित कानूनी प्रावधानों पर कक्षाएं लेंगे। इसके अलावा, उन्हें ब्लड बैंकों में निरीक्षण करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। दिल्ली में निरीक्षण के संबंध में, केआर चावला ने कहा कि दिल्ली एक ऐसी जगह है जहां देश भर से निर्मित दवाएं बाजार में आती हैं, इसलिए निरीक्षण हमेशा महत्वपूर्ण होते हैं। हालांकि दवा निर्माण कंपनियों की संख्या बहुत कम है, लेकिन देश भर के निर्माता और विपणक दिल्ली को अपने व्यवसाय और लोकप्रियता के लिए एक आकर्षक स्थान के रूप में देखते हैं। इसलिए, खुदरा और थोक परिसरों में हर दिन सख्त निरीक्षण किए जाते हैं। नवनियुक्त औषधि निरीक्षक देश के विभिन्न राज्यों से हैं, उनमें से चार दक्षिण भारत से हैं। उनकी भर्ती संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की गई थी क्योंकि दिल्ली सरकार अभी भी केंद्र शासित प्रदेश के मानदंडों का पालन कर रही है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने दिल्ली डीसीए से दो नए औषधि निरीक्षकों का चयन किया है और उन्हें छापे और संयुक्त निरीक्षण के समय उनकी क्षमता का उपयोग करने के लिए केंद्रीय निरीक्षकों के अधीन प्रशिक्षित किया है। चावला ने आगे कहा कि विभाग को दो और निरीक्षकों की उम्मीद है क्योंकि सरकार ने पहले ही उन्हें नियुक्ति आदेश भेज दिए हैं। एक बार जब वे विभाग में शामिल हो जाते हैं, तो औषधि निरीक्षकों की संख्या बढ़कर 41 हो जाएगी। वर्तमान में, दिल्ली डीसीए में 48 अधिकारी हैं, जिनमें एक डिप्टी ड्रग कंट्रोलर कंट्रोलिंग अथॉरिटी और एसएलए, आठ जोनल एडीसी और 39 ड्रग इंस्पेक्टर हैं।

Forgo Pharmaceuticals (P) Ltd.
(An ISO 9001:2015 Certified Company)
• Knee & Ankle Support
• Body Belts & Braces
• Fracture Aids
• Cervical Aids
• Fingers, Wrist & Arm Supports
A wide range of products available for Third Party & PCD marketing
Tablets & Capsules | Neturaceuticals & Protein Powders
Oral Liquids & Dry Syrup | Dietary Supplements
Injectables | Herbal Preparations
Eye Drops, Ear Drops & Nasal Drops | Wide range of Skin Care Cosmetics
Creams, Lotions, Gels & Ointments | Veterinary Drugs
Shampoo & Soaps | Vaccines & Pre Filled Syringes
Aerosats & Form Fill Seat (FFS)
Tablets, Capsules, Dry Syrup, Liquid Orals, Eye/Ear Drops, Soap, Shampoo/Lotion, Ointment, Sachets, Veterinary Medicines
Our Speciality Divisions
More then 1000 products
All new molecules available
Third party manufacturing also done
More then 1000 products
Third Party Manufacturing also done
All new Molecules available
Forgo Pharmaceuticals (P) Ltd. | The Green's Ayurveda | Constant Remedies (P) Ltd. | Elegance | Yashvan Lifesciences | Sykocure Lifesciences | Kardic Kare | Forgo Cares | Spark Laboratories | Forever Formulations
Corporate Office: Plot No. 92, Ind. Area Phase-I, Panchkula Haryana 134113
Mfg. Unit Forgo Pharmaceuticals (GMP/GLP/WHO Certified Unit) (AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)
27, DIC IND AREA, Barotiwala, Teh: Baddi, Distt. Solan (HP)
Email : helpdeskforgo@yahoo.com / forgopharmaceutical@yahoo.co.in
Contact Detail : 0172-2569292 / 2568292 / 9814924737 / 7696099905 / 9877640753 / 9569569292

उजाला सिग्नस उत्तर भारत में विस्तार के लिए अमनदीप हॉस्पिटल्स में हिस्सेदारी खरीदेगी

नई दिल्ली: उजाला सिग्नस ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स उत्तर भारत में अपनी पैठ मजबूत करने और उसका विस्तार करने के लिए अमनदीप हॉस्पिटल्स में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी हासिल करने के लिए तैयार है। हालांकि उजाला द्वारा अधिग्रहित वित्तीय शर्तों और शुद्ध इक्विटी हिस्सेदारी का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन समझौते के अनुसार, उजाला सिग्नस अमनदीप हॉस्पिटल्स में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी हासिल करेगी, जो अमृतसर, पठानकोट, फिरोजपुर और श्रीनगर में पांच मल्टी-स्पेशलिटी अस्पतालों का नेटवर्क चलाता है। विकास पर टिप्पणी करते हुए, उजाला सिग्नस हॉस्पिटल्स के संस्थापक निदेशक डॉ शुचिन बजाज ने कहा, अमनदीप ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के साथ हमारी साझेदारी उत्तर भारत के हर कोने में विश्व स्तरीय, सस्ती स्वास्थ्य सेवा सुलभ बनाने के हमारे मिशन में एक साहसिक कदम है। उजाला सिग्नस हेल्थकेयर सर्विसेज के चेयरमैन, डायरेक्टर और सह-संस्थापक, प्रोबल घोषाल ने कहा, अपनी-अपनी ताकतों को मिलाकर हम पंजाब और जम्मू-कश्मीर में स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार हैं। हमारा लक्ष्य सिर्फ विकास करना नहीं है, बल्कि सार्थक रूप से विकास करना है - जिसमें समुदाय के साथ गहन जुड़ाव, मजबूत चिकित्सा प्रतिभा और नैदानिक परिणामों पर निरंतर ध्यान केंद्रित करना शामिल है। इस अधिग्रहण के बाद अस्पताल श्रृंखला नेटवर्क 21 से 26 अस्पतालों तक विस्तारित हो जाएगा और कुल बिस्तर क्षमता 40 प्रतिशत बढ़कर 2,000 बिस्तरों से लगभग 2,800 बिस्तरों तक हो जाएगी। इसके अलावा, संयुक्त समूह लुधियाना, जालंधर, पटियाला और ट्राइसिटी क्षेत्र में संभावित नए अस्पतालों सहित पंजाब भर में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की योजना बना रहा है।

मई माह के व्रत एवं त्यौहार

01.05.2025	विश्व श्रमिक दिवस
03.05.2025	सौर ऊर्जा दिवस
08.05.2025	एकादशी
13.05.2025	एकता दिवस
29.05.2025	महाराणाप्रताप जयंती
31.05.2025	तम्बाकूनिषेध दिवस

OMNI Herbal Acne®
CREAM • CAPSULE • FACE WASH
APPROVED BY AYUSH
for Glowing Skin
NOTE REQUIRED DISTRIBUTOR IN VACANT AREAS
• त्वचा का कुदरती रंग निखारें।
• चेहरे का रंग साफ करके निखार लाएं।
• यह औषधि चेहरे पर होने वाले कील, मुहांसों, झाइयों, दाग-धब्बे, झुर्रियां कम करने में लाभदायक है।
REMOVES DARK SPOTS ON THE FACE
USEFUL IN PIMPLES, ACNE, HYPERPIGMENTED SKIN
नोट : बेहतर परिणाम हेतु Omni Herbal Acne Face Wash से मुँह धोकर क्रीम लगाएं तथा Omni Herbal Acne Capsule का सेवन करें।
OMNIPOTENT S PHARMACEUTICALS
Patel nagar, Kamiri Road, Hisar-125001 (HR) • Consumer Care No.: 98125-22181, 94160-42679
omnipotents_pharmaceuticals@yahoo.co.in • www.omnipotentspharma.com

MD PAPER MAY 2025_32 Inch January. 2021.qxd 5/1/2025 9:51 AM Page 14

एंटीबायोटिक दवा से 30 लाख बच्चों की गई जान

नई दिल्ली। प्राप्त समाचार के अनुसार एंटीबायोटिक दवा से दुनिया में 30 लाख से अधिक बच्चों की मौत हो जाने का मामला प्रकाश में आया है। यह खुलासा बाल स्वास्थ्य के दो प्रमुख विशेषज्ञों ने एक अध्ययन के बाद किया है। इसका सबसे अधिक खतरा अफ्रीका और दक्षिण पूर्व एशिया के बच्चों पर पाया गया है। बताया गया कि एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रति. रोधक क्षमता विकसित होने के कारण बच्चों की मौत होने की आशंका है। इस स्थिति को एंटीमाइक्रोबायल रेजिसटेंस (रोगाणुरोधी प्रतिरोध) यानी एएमआर कहा जाता है। एएमआर शरीर में तब विकसित होता है जब संक्रमण पैदा करने वाले रोगाणु, इतने ताकतवर हो जाते हैं कि एंटीबायोटिक दवाएं असर करना बंद कर देती हैं। इस नए अध्ययन से पता चला है कि एएमआर बच्चों पर कैसे बुरा असर डाल रहा है। अध्ययन के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और विश्व बैंक समेत कई संस्थाओं से आंकड़े लिए गए थे। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि साल 2022 में तीस लाख से अधिक बच्चों की मौत दवा के प्रति पैदा हुई प्रतिरोधक क्षमता से जुड़ी है। बता दें कि एंटीबायोटिक्स का उपयोग त्वचा संक्रमण से लेकर निमोनिया तक कई प्रकार के जीवाणुजनित संक्रमणों के उपचार या रोकथाम के लिए किया जाता है। कभी-कभी संक्रमण उपचार के बजाय इसे रोकथाम के लिए भी प्रयोग किया जाता है। हालांकि, सामान्य सर्दी, फ्लू या कोविड जैसी बीमारियों और वायरल संक्रमणों पर एंटीबायोटिक्स का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। कुछ जीवाणुओं ने अब कुछ दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर ली है और इसकी वजह एंटीबायोटिक दवाओं का अनुचित उपयोग बताया जा रहा है।

डीओपी से शेष राज्यों में पीएमआरयू की स्थापना में तेजी लानी होगी: पैनल

नई दिल्ली: रसायन और उर्वरकों पर संसदीय पैनल ने फार्मास्युटिकल्स विभाग (डीओपी) को शेष पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) में जल्द से जल्द मूल्य निगरानी और संसाधन इकाइयों (पीएमआरयू) की स्थापना के लिए त्वरित उपाय करने की सिफारिश की है। उपभोक्ता जागरूकता प्रचार और मूल्य निगरानी (सीएपीपीएम) योजना के सुसंगत कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए तमिलनाडु, सिक्किम और मणिपुर राज्यों और दिल्ली और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के केंद्र शासित प्रदेशों में इकाइयों की स्थापना में तेजी लाई जानी चाहिए। समिति अनुशंसा करती है कि विभाग शेष पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में जल्द से जल्द पीएमआरयू की स्थापना के लिए त्वरित उपाय करे। उनके संचालन के लिए एक स्पष्ट समयसीमा प्रदान की जानी चाहिए, साथ ही देरी के लिए स्पष्टीकरण और किए जा रहे सुधारात्मक उपायों के बारे में भी बताया जाना चाहिए, सांसद कीर्ति आजाद झा की अध्यक्षता वाले पैनल ने वर्ष 2025-26 के लिए डीओपी के लिए अनुदान की मांगों पर एक रिपोर्ट में कहा। इसमें कहा गया है, सभी क्षेत्रों में CAPPM योजना के सुसंगत कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने से उपभोक्ता संरक्षण में वृद्धि होगी और दवा क्षेत्र में मूल्य विनियमन मजबूत होगा। CAPPM योजना में दो प्रमुख घटक शामिल हैं - राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में PMRU को सहायता और CAPPM के लिए विज्ञापन और प्रचार। पैनल ने नोट किया कि जबकि DoP ने सूचित किया है कि 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में PMRU चालू हैं, पाँच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अभी भी PMRU चालू नहीं हैं।

पैनल ने कहा, समिति चिंतित है कि कार्यान्वयन में यह अंतर इन क्षेत्रों में मूल्य निगरानी प्रयासों को प्रभावित कर सकता है, जो दवा क्षेत्र में अधिक मूल्य निर्धारण को रोकने और मूल्य पारदर्शिता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चूंकि PMRU को स्थापना और आवर्ती व्यय दोनों के लिए राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (NPPA) द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित किया जाता है, इसलिए वित्तीय बाधाएं उनकी स्थापना में एक सीमित कारक नहीं होनी चाहिए। इसमें कहा गया है कि इन क्षेत्रों में PMRU की स्थापना में देरी CAPPM योजना के समान कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए अधिक केंद्रित प्रयासों की आवश्यकता को रेखांकित करती है। पैनल ने कहा, समिति यह सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर देती है कि सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में उपभोक्ताओं के पास एक मजबूत मूल्य निगरानी तंत्र तक पहुंच हो जो उन्हें अधिक मूल्य निर्धारण और बाजार शोषण से बचाए। पैनल ने पाया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए CAPPM के लिए बजट अनुमान (BE) 6 करोड़ रुपये, 2023-24 के लिए 5 करोड़ रुपये और 2024-25 के लिए 4 करोड़ रुपये था, जबकि वास्तविक व्यय क्रमशः 2.20 करोड़ रुपये, 2.95 करोड़ रुपये और 2.47 करोड़ रुपये (20 फरवरी, 2025 तक) था। डीओपी ने पैनल को बताया कि पीएमआरयू एनपीपीए के मुख्य सहयोगी भागीदार हैं, जो जमीनी स्तर पर सूचना एकत्र करने के तंत्र के साथ काम करते हैं। उनसे जन जागरूकता पैदा करने की उम्मीद की जाती है ताकि ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर (डीपीसीओ) का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंच सके। साथ ही, पीएमआरयू से राज्य ड्रग कंट्रोलर और एनपीपीए को आवश्यक तकनीकी सहायता प्रदान करने की उम्मीद की जाती है।

बर्सन ग्लोबल जेन जेड रिपोर्ट: 78% भारतीय युवा लेते हैं अपनी स्वास्थ्य सेवा की जिम्मेदारी

मुंबई: प्राप्त समाचार के अनुसार प्रतिष्ठा के माध्यम से ग्राहकों के लिए मूल्य बनाने के उद्देश्य से निर्मित वैश्विक संचार लीडर बर्सन ने हाल ही में जेन जेड वयस्कों के स्वास्थ्य के प्रति दृष्टिकोण पर एक वैश्विक रिपोर्ट प्रकाशित की, जेन जेड: हेल्थकेयर कनेक्शन और बदलाव का आह्वान। रिपोर्ट के भारत-विशिष्ट निष्कर्ष जेन जेड की स्वास्थ्य सेवाओं और प्रदाताओं से संबंधित धारणाओं और प्राथमिकताओं के बारे में दिलचस्प अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। जेन जेड स्वास्थ्य और कल्याण को फिर से परिभाषित कर रहा है, पहले की तरह निवारक देखभाल को प्राथमिकता दे रहा है। डिजिटल स्वास्थ्य उपकरण, व्यक्तिगत कल्याण योजनाओं और मान. सिक स्वास्थ्य संसाधनों तक पहुंच के साथ, वे अपनी भलाई के बारे में सूचित निर्णय ले रहे हैं। स्व-देखभाल, तकनीक-संचालित स्वास्थ्य प्रबंधन पर उनका जोर, और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं से पारदर्शिता की मांग व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए अधिक संलग्न और सशक्त दृष्टिकोण की ओर बदलाव को दर्शाती है। चुनौतियों का सामना करना पड़ा: 53% उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्हें वहनीयता और गुणवत्तापूर्ण देखभाल तक पहुँच के साथ-साथ ऑनलाइन स्पेस में स्वास्थ्य से संबंधित भ्रामक जानकारी के बारे में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। व्यक्तिगत देखभाल: भारत में 66% जनरेशन व्यक्तिगत देखभाल को प्राथमिकता देते हैं और कनेक्शन को महत्व देते हैं। सर्वेक्षण में शामिल 77% भारतीय जनरेशन ने आगे कहा कि वे डॉक्टरों पर भरोसा करते हैं और 68% अस्पतालों और क्लीनिकों पर भरोसा करते हैं। स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं का महत्व: जनरेशन के 59% उत्तरदाताओं ने कहा कि वे अपनी सेहत की यात्रा में स्वास्थ्य सेवा कंपनियों की अभिन्न भूमिका को समझते हैं। वैकल्पिक उपचार विकल्प: जनरेशन के 53% उत्तरदाताओं ने कहा कि वे समग्र या वैकल्पिक चिकित्सा उपचार के लिए खुले हैं। बर्सन ग्रुप इंडिया की सीईओ दीपशिखा धर्मराज ने कहा, जनरेशन जेड, डिजिटल-नेटिव पीढ़ी, धीरे-धीरे अपनी स्वास्थ्य सेवा की जिम्मेदारी खुद ले रही है।

भ्रूण लिंग जांच व गर्भपात करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

रोहतक। प्राप्त समाचार के अनुसार भ्रूण लिंग जांच व गर्भपात करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करने में सफलता मिली है। यह सफलता स्वास्थ्य विभाग रोहतक व सोनीपत की पीसी पीएनडीटी टीम को मिली है। गुरुग्राम के पटौदी में चार दलालों को गिरफ्तार किया है और आरोपियों के पास से 39 हजार रुपये भी बरामद किए हैं। इन चारों आरोपियों के खिलाफ पटौदी थाने में केस दर्ज करा दिया गया है। सिविल सर्जन डॉ. रमेश चंद्र ने बताया कि सोनीपत सिविल सर्जन को गुप्त सूचना मिली थी। इसमें गुरुग्राम के पटौदी में भ्रूण लिंग जांच व गर्भपात कराने का दावा किया गया। सूचना के तहत रोहतक व सोनीपत पीसी पीएनडीटी टीम ने दलाल नितेश से पटौदी बस अड्डे पर संपर्क किया। इसके बाद नितेश ने गणपति डायग्नोस्टिक अल्ट्रासाउंड केंद्र में जाकर राजीव और प्रवीण से मिलने को कहा। वहां से आरोपी महिला को स्कूटी से रामा अस्पताल ले गए। वहां से वापस उसे गणपति डायग्नोस्टिक सेंटर ले आए। यहां पंजीकृत डॉक्टर ने अल्ट्रासाउंड किया। वहीं, आरोपियों ने टीम से जांच करने के 39 हजार रुपये भी लिए। इसकी रिकॉर्डिंग गणपति डायग्नोस्टिक अल्ट्रासाउंड सेंटर के सीसीटीवी कैमरे में दर्ज हुई। इस मामले में टीम ने राजीव, प्रवीण, नितेश व दीपक पर केस दर्ज कराया है।

ये रहे टीम में शामिल: छापेमारी के लिए गई टीम में डॉ. सुमित कौशिक (नोडल अधिकारी पीसी पीएनडीटी सोनीपत), डॉ. विश्वजीत राठी नोडल अधिकारी पीसी पीएनडीटी रोहतक, डॉ. विशाल चौधरी, रंजीत, जोगिंदर मौजूद रहे।

अध्ययन: भारत में 32% युवा पेशेवर चिंता से प्रभावित हैं

बेंगलुरु: प्राप्त समाचार के अनुसार डिजिटल हेल्थकेयर कंपनी मेडीबडी ने एक अध्ययन जारी किया है, जिसमें मिलेनियल वर्कफोर्स के बीच भावनात्मक तनाव में तेज वृद्धि का खुलासा किया गया है। अक्टूबर से दिसंबर 2024 तक मेडीबडी के मनोवैज्ञानिक परामर्श डेटा से मिलेनियल वर्कफोर्स के बीच मानसिक स्वास्थ्य के बारे में चिंताजनक रुझान का पता चलता है, जिसमें चिंता और तनाव लगभग आधे मामलों को प्रभावित करने वाली प्रमुख चिंता के रूप में उभर रहे हैं। अध्ययन, जिसमें विभिन्न आयु समूहों और लिंगों के ग्राहकों के लिए विशेषज्ञ मनोवैज्ञानिकों द्वारा लिए गए 2,400 परामर्शों के डेटा का विश्लेषण किया गया, कार्यस्थल के वातावरण में लक्षित मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता को सामने लाता है, विशेष रूप से 20-40 वर्ष की आयु के युवा पेशेवरों के लिए जो चिंता और तनाव से संबंधित स्थितियों का सबसे अधिक प्रचलन प्रदर्शित करते हैं। डेटा से पता चलता है कि चिंता से संबंधित मुद्दे कुल मिलाकर सबसे अधिक प्रचलित स्थिति बने हुए हैं, जिसमें सभी परामर्शों का 32.28% शामिल है, इसके बाद तनाव से संबंधित चिंताएँ 17.15% हैं, जो कुल मिलाकर सभी मानसिक स्वास्थ्य परामर्शों का लगभग 50% है। अध्ययन ने इन मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के कारणों की समीक्षा की। जेनरेशन में, युवा पुरुष अक्सर पेशेवर और सामाजिक दबावों के कारण बर्नआउट का सामना करते हैं, जबकि युवा महिलाएँ अक्सर वित्तीय अस्थिरता और सामाजिक मान्यता की माँग से जूझती हैं, जो सामाजिक मानदंडों और डिजिटल एक्सपोजर से प्रभावित होती है। इस आयु वर्ग में दोनों लिंगों के लिए रिश्ते से संबंधित तनाव और शरीर की छवि की चिंताओं को महत्वपूर्ण मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों के रूप में देखा गया।

MD PAPER MAY 2025_32 Inch January. 2021.qxd 5/1/2025 9:52 AM Page 15

मेदांता अस्पताल में एयर होस्टेस के साथ डिजिटल रेप करने वाला अरेस्ट

गुरुग्राम (हरियाणा)। प्राप्त समाचार के अनुसार मेदांता अस्पताल में एयर होस्टेस के साथ डिजिटल रेप करने वाला आरोपी टेक्निशियन गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी टेक्निशियन अस्पताल में पांच महीने से नौकरी पर था। आरोपी 23 वर्षीय दीपक मूलरूप से बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के बधौली गांव का रहने वाला बताया गया है। एसआईटी ने आरोपी को पकड़ने के लिए 800 सीसीटीवी फुटेज खंगाले और पहचान कर उसे पकड़ लिया गया। 46 वर्षीय महिला पश्चिम बंगाल की रहने वाली एयर होस्टेस ने आरोप लगाया है कि आईसीयू में उसके साथ डिजिटल रेप हुआ। महिला ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत में कहा कि 6 अप्रैल को अस्पताल के आईसीयू रूम में दो नर्सों के सामने मेल स्टाफ ने डिजिटल रेप किया। उस समय वो आधी बेहोशी की हालत में थी। महिला ने कहा कि मैं वहां की सारी आवाजें और बातें सुन पा रही थी। उस आदमी ने दोनों नर्सों से सामान के बारे में पूछा। नर्सें उन्हें जानकारी देने लगीं।

उसने आगे बताया कि उस आदमी ने एक नर्स से उसकी कमर के साइज के बारे में पूछा। फिर उसने कहा कि वो खुद चेक करेगा और फिर उसने अपना हाथ चादर के नीचे डाल दिया। फिर उसका प्राइवेट पार्ट छुआ। यह सब आरोपी ने उसके वेस्टबैंड का साइज चेक करने के बहाने किया। जब प्राइवेट पार्ट से खून आया तो एक नर्स ने पूछा कि अभी तो साफ चादर बिछाई थी फिर खून कहां से आया। इस पर दूसरी नर्स ने बहाना बनाया कि शायद एयर होस्टेस को पीरियड्स आने शुरू हो गए हैं। उसने उसके साथ हुए डिजिटल रेप के बारे में नहीं बताया। मेदांता अस्पताल में एयर होस्टेस के साथ डिजिटल रेप करने वाला आरोपी टेक्निशियन गिरफ्तार कर लिया गया है।

सीसीआई ने एस्टर डीएम हेल्थकेयर और क्वालिटी केयर इंडिया के बीच विलय को मंजूरी दी

बेंगलुरु: भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) ने प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 की धारा 31(1) के तहत एस्टर डीएम हेल्थकेयर और क्वालिटी केयर इंडिया के बीच प्रस्तावित विलय को मंजूरी दे दी है। इस वर्ष के दौरान विलय लेनदेन पूरा होने की उम्मीद है। विलय की गई इकाई एस्टर डीएम क्वालिटी केयर को एस्टर प्रमोटर्स और ब्लैकस्टोन द्वारा संयुक्त रूप से नियंत्रित किया जाएगा और यह देश भर में उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल तक पहुँच का विस्तार करने के एक साझा दृष्टिकोण के साथ दो अग्रणी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की ताकत को एक साथ लाता है।

एस्टर डीएम हेल्थकेयर के संस्थापक और अध्यक्ष डॉ. आजाद मूपेन ने कहा, विलय को पूरा करने के लिए, CCI की मंजूरी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, और हमें खुशी है कि हमें नियामक प्राधिकरण से मंजूरी मिल गई है। एस्टर डीएम हेल्थकेयर और क्वालिटी केयर इंडिया का विलय केवल संसाधनों का एकीकरण नहीं है, बल्कि देश में सबसे बड़े और सबसे प्रभावशाली हेल्थकेयर नेटवर्क में से एक बनाने के लिए दृष्टि, विशेषज्ञता और साझा प्रतिबद्धता का अभिसरण है। यह मंजूरी हमारे संयुक्त दृष्टिकोण की ताकत और हेल्थकेयर तक पहुँच और गुणवत्ता बढ़ाने की हमारी सामूहिक क्षमता को दर्शाती है। एस्टर और क्वालिटी केयर के व्यापक नेटवर्क और परिचालन विशेषज्ञता का एकीकरण विश्व स्तरीय हेल्थकेयर देने, नवाचार को बढ़ावा देने और रोगी परिणामों को बेहतर बनाने की हमारी क्षमता को काफी मजबूत करेगा। साथ मिलकर, हम हेल्थकेयर में एक नए युग की शुरुआत कर रहे हैं। विलय की गई इकाई एस्टर डीएम क्वालिटी केयर लिमिटेड में चार प्रमुख ब्रांडों का संयुक्त पोर्टफोलियो होगा: एस्टर डीएम, केयर हॉस्पिटल, किम्सहेल्थ और एवरकेयर। संयुक्त इकाई के पास 27 शहरों में फैले 38 अस्पतालों और 10,150+ बिस्तरों का नेटवर्क होगा, जो इसे भारत की शीर्ष 3 अस्पताल श्रृंखलाओं में से एक बनाता है। विलय की गई इकाई के वित्त वर्ष 27 तक आंतरिक स्रोतों/नकदी के माध्यम से ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड अवसरों के मिश्रण के साथ 13,300 बिस्तरों तक बढ़ने की उम्मीद है। विलय की गई इकाई से महत्वपूर्ण तालमेल को अनलॉक करने की उम्मीद है जो विकास को बढ़ावा देगा, परिचालन दक्षता को बढ़ाएगा और पूरे नेटवर्क में रोगी देखभाल के मानक को बढ़ाएगा।

केईएम अस्पताल में एच-टेक खेल पुनर्वास केंद्र खुलेगा

मुंबई: प्राप्त समाचार के अनुसार शहर में पहली बार, परेल में नागरिक-संचालित केईएम अस्पताल में एक उच्च तकनीक वाला खेल पुनर्वास केंद्र स्थापित किया जाएगा। 15,000 वर्ग फुट की सुविधा में खेल से संबंधित चोटों से पीड़ित लोगों की मदद करने के लिए उन्नत मशीनरी होगी। चाल विश्लेषण और प्रशिक्षण, मांसपे. शियों की जांच और प्रशिक्षण के लिए मशीनें, साथ ही एक्वा ट्रेडमिल, एक ही छत के नीचे उन्नत पुनर्वास के लिए उपलब्ध होंगी। केईएम अस्पताल की डीन डॉ. संगीता रावत ने कहा, यह सुविधा हमारी ऊंची इमारत की 12वीं मंजिल पर बनेगी और लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत वाली एक टर्नकी परियोजना होगी। उन्होंने कहा कि सोमवार सुबह भूमिपूजन किया गया। केंद्र अगस्त तक चालू हो सकता है। केंद्र के लिए धन बालकृष्ण इंडस्ट्रीज (बीकेटी) की विजयलक्ष्मी पोद्दार से आया, जिन्होंने कुछ साल पहले केईएम अस्पताल के आर्थोपेडिक विभाग को एक रोबोटिक हाथ दान किया था। अस्पताल के आर्थोपेडिक विभाग के प्रमुख डॉ. मोहन देसाई ने कहा, यह केंद्र पश्चिमी भारत में अपनी तरह का अनूठा होगा, जिससे सेठ जीएस मेडिकल कॉलेज और केईएम अस्पताल देश के उन छह विशिष्ट केंद्रों में से एक बन जाएगा जो खेल संबंधी चोटों और पुनर्वास के लिए समर्पित हैं। केईएम सेंटर एक खेल विज्ञान प्रयोगशाला होगी, जिसमें गति विश्लेषण, आर्थोस्कोपी, साथ ही पुनर्वास की सुविधा होगी। हम धावकों, क्रिकेटरों, जम्परों, आदि के लिए गति विश्लेषण करने में सक्षम होंगे, सहायक प्रोफेसर और खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ रोशन वेड ने कहा, जो केंद्र का प्रबंधन करेंगे। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर कई खिलाड़ी हैं जो पांच सितारा अस्पतालों और उनके महंगे पुनर्वास पैकेजों का खर्च नहीं उठा सकते हैं। कई खिलाड़ियों के लिगामेंट टियर और घुटने की चोटें हैं जो उनके करियर को खत्म कर सकती हैं। डॉ वेड ने कहा, हमारा केंद्र ऐसे युवा वंचित रोगियों की देखभाल करेगा और यदि संभव हो तो उन्हें खेल में वापस आने की अनुमति देगा। केंद्र के पूरी तरह चालू हो जाने के बाद केईएम अस्पताल से खेल चिकित्सा पर पीजी पाठ्यक्रम शुरू करने की भी योजना है। शहर में पहली बार, परेल में नागरिक-संचालित केईएम अस्पताल में एक उच्च तकनीक वाला खेल पुनर्वास केंद्र स्थापित किया जाएगा।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने करनाल फार्मा पार्क के निर्माण में तेजी लाने के लिए फार्मा नीति में बदलाव का उद्योग को आश्वासन दिया

चेन्नई: हरियाणा फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एचपीएमए) के अध्यक्ष और करनाल फार्मा पार्क लिमिटेड के चेयरमैन आरएल शर्मा, करनाल में क्लस्टर स्थापित करने के लिए गठित एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) को राज्य के मुख्यमंत्री डॉ नायब सिंह सैनी से आश्वासन मिला है कि सरकार राष्ट्रीय राजमार्ग 1 से सटे करनाल में फार्मा पार्क परियोजना के त्वरित विकास के लिए राज्य फार्मा नीति में बदलाव करेगी। मुख्यमंत्री ने फार्मा उद्योग को आश्वासन दिया है कि उनकी सरकार करनाल में फार्मा पार्क के विकास के लिए राज्य फार्मा नीति का नवीनीकरण करेगी, जिसका उद्देश्य हरियाणा की सूरत को एक आधुनिक फार्मा हब में बदलना है। सीएम ने पिछले सप्ताह मानेसर (न्यू गुड़गांव) में हरियाणा चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एचसीसीआई) द्वारा बुलाई गई औद्योगिक नेताओं की राज्य स्तरीय बैठक में हरियाणा के दवा निर्माताओं को यह आश्वा. सन दिया । बैठक में राज्य के उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह भी मौजूद थे। अब सरकार करनाल फार्मा पार्क परियोजना के विकास को प्राथमिकता देते हुए एक और फार्मा नीति जारी करने की तैयारी कर रही है, जो पिछले विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ पार्टी के चुनावी घोषणापत्र की प्राथमिकताओं में से एक थी। इसके अलावा, केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री की ओर से यह प्रतिबद्धता थी कि करनाल औद्योगिक क्षेत्र में एक फार्मा पार्क स्थापित किया जाएगा, शर्मा ने फार्माबिज को बताया। एचसीसीआई के प्रस्तुतीकरण में, आरएल शर्मा, जो एचसीसीआई के उपाध्यक्ष भी हैं, ने मुख्यमंत्री से निजी तौर पर मुलाकात की और उन्हें फार्मा उद्योग के सामने आने वाली समस्याओं और करनाल में फार्मा पार्क स्थापित करने में एसपीवी द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों से अवगत कराया। उद्योग की शिकायतों को सुनने के बाद, मुख्यमंत्री ने कहा कि वह आधुनिक फार्मा फॉर्मूलेशन पार्क के विकास के लिए एसपीवी द्वारा उठाए गए कदमों में तेजी लाने के लिए हरियाणा की फार्मा नीति का नवीनीकरण करेंगे।

MD PAPER MAY 2025_32 Inch January. 2021.qxd 5/1/2025 9:53 AM Page 16

Your Inquires are welcome for
FRANCHISEE / PCD
For Marketing & Distribution with Monopoly Rights
With A Wide Range of
TABLETS | CAPSULES | LIQUID SYRUPS
DRY SYRUPS | DROPS | OINTMENTS
EXTERNAL PREPARATIONS
Shivveer Singh
TANISK BIOTECH PVT. LTD.
(ISO 9001:2015 Certified Company)
Nigam Road Selaqui Dehradun – 248011
Ph.: 7453880000,6395960128
Email: taniskbiotech@gmail.com | Visit: taniskbiotech.co.in

3rd Party Manufacturing Franchise
Deal in:-
Ayurvedic
Medicine & Nutraceutical
Small Batch Facility Available
Capsule | Syrup | Powder
Cream | Oil | Drop
Contect us for: 3rd Party Manufacturing
Right Life Sciences
Unit F-27, Sector-2nd Upsidc Ramghat Road, Aligarh (U.P.)
Off.: 5/57 Ashok Nagar (Park) Aligarh (U.P.)
www.rightlifescience.com, 9927014541, 9045246510

Hillwin Pharmaceuticals
THIRD PARTY MANUFACTURING & FRANCHISEE/PCD
Best quality of efficiency Product we directly approved by WHO GMP
With the Wide Range of :
Tablets | Capsules | Liquids | Dry Syrup | Injectables
Drops | Lotions | Gels | Ointments | Shampoos
Protein Powders | Ayurveda Products | Neutraceuticals
Excellent Packing Like Alu-Alu, Blister & Strip Packing
Brand Promotional Input Like...
Visual aid · Sample Catch covers · Visiting Cards
Product Literature · MR Bags · DCR Pad · Gifts
Trade Enquiries are Welcome for Third Party MFG. / PCD Franchises Distribution on Monopoly basis in PAN India.
CALL US : +91 8476855579 , 9476782423
Head Office : B-39, New Shopping Complex, Opp. PNB Bank Shivalik Nagar, Haridwar (U.K.)

डब्ल्यूएचओ ने एंटी-फंगल दवाओं की कमी के कारण स्वास्थ्य संकट की चेतावनी दी

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार कोविड-19 महामारी की सबसे दर्दनाक यादों में से एक है म्यूकोरमाइकोसिस नामक गंभीर फंगल संक्रमण से पीड़ित मरीजों के परिवार इस स्थिति के इलाज के लिए दवाओं की तलाश में संघर्ष कर रहे थे। कई मामलों में, उन्हें समय पर दवा नहीं मिल पाती, जिससे जटिलताएं और यहां तक कि मौत भी हो जाती है। डॉक्टरों का कहना है कि महामारी के खत्म होने के साथ दवा संकट की तीव्रता भले ही कम हो गई हो, लेकिन एंटीफंगल दवाओं की कमी और मौजूदा दवाओं के प्रति बढ़ते प्रतिरोध के कारण फंगल संक्रमण को नियंत्रित करने का संघर्ष जारी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा जारी अपनी तरह की पहली रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगर जल्द ही एंटीफंगल दवाओं की संख्या बढ़ाने के लिए कदम नहीं उठाए गए, तो कमी से सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट पैदा हो सकता है। डब्ल्यूएचओ के एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस के सहायक महानिदेशक डॉ. युकिको नाकातानी ने कहा, आक्रामक फंगल संक्रमण सबसे कमजोर लोगों के जीवन को खतरे में डालते हैं, लेकिन देशों में जीवन बचाने के लिए आवश्यक उपचारों की कमी है। उन्होंने कहा, न केवल नई एंटीफंगल दवाओं और डायग्नोस्टिक्स की पाइपलाइन अपर्याप्त है, बल्कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों में, यहां तक कि जिला अस्पतालों में भी फंगल परीक्षण में कमी है। इस डायग्नोस्टिक गैप का मतलब है कि लोगों की पीड़ा का कारण अज्ञात रहता है, जिससे उन्हें सही उपचार मिलना मुश्किल हो जाता है। दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के एक क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ डॉ. राजेश चावला ने कहा कि अब भी उनके पास गंभीर फंगल संक्रमण वाले मरीज आते रहते हैं और उनका प्रबंधन करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है क्योंकि कई मामलों में संक्रमण पैदा करने वाले फंगस मौजूदा दवाओं के प्रति प्रति. रोधी पाए जाते हैं।

BADRIVAS BIOTECH PVT. LTD.
BADRIVAS BIOTECH
MORE THAN 30+ YEARS
THIRD PARTY MANUFACTURING & PCD FRANCHISEE
TIMELY DELIVERY | LATEST MANUFACTURING FACILITY
AFFORDABLE PRICE | ATTRACTIVE PACKING
CARDIAC · NEURO · DIABETICS · NARCOTIC
MORE THAN 1500 APPROVED MOLECULES
PSYCHOTROPIC · DERMA/SKIN · VETERINARY · CNS
Tablets | Capsules | Liquid | Ointment | Nutraceuticals
badrivasindia@gmail.com | www.badrivasbiotech.com |+91 72538 01212 , +91 72538 11212, +91 92580 45068

We Welcome Your Inquiries for 3rd Party Manufacturing
Committed to Create Miracles
MIRACLE LIFE SCIENCES
GMP · GLP · FDA APPROVED
Best quality of efficiency Product we directly approved by WHO GMP
With the Wide Range of :
Tablets | Capsules | Liquids | Dry Syrup | Dry-Inj.
Drops | MEDICATED SOAP | Syrup | Ointments | Veterinary Bolus
Beta & Non-Beta | Ophthalmic Drops | Veterinary Inj.
Excellent Packing Like Alu-Alu, Blister & Strip Packing
Brand Promotional Input Like.....
Visual aid · Sample Catch covers · Visiting Cards
Product Literature · MR Bags · DCR Pad · Gifts
Trade Enquiries are Welcome for Third Party MFG. / PCD Franchises Distribution on Monopoly basis in PAN India.
M. +91 9897039922, 9897939961, 7037039923
MIRACLE LIFE SCIENCES
(Behind Patanjali Yog Peeth) 148, Village : Bahadarpur Saini, Post: Daulatpur Bahadrabad-249 405, Haridwar (U.K.)
Email : miracle.patel@gmail.com Web: www.miraclelifesciences.in

FDA REGISTERED FACILITY
AESTHETIC SOFTCAPS
An USFDA Registered, WHO-GMP, GHP, HACCP, ISO 9001:2015 & ISO 22000:2018 Certified Company
Offering the Wide Range of :
• GUMMIES • EFFERVESCENT TABLETS
• SOFTGEL CAPSULES • HARDGEL CAPSULES
• TABLETS • LIQUIDS • SACHETS
• PROTEIN POWDERS
3rd Party Manufacturing
PCD Franchise
+91 7042630159 | +91 9671248900
Works : Kh. No. 181/86/4, Village Mouja Ogli, Suketi Road, Kala Amb, Dist. Sirmaur-173030 (H.P.)
Corporate Office : #200, 2nd Floor, Kh. No.1124, Near Bagga Link Service Station, Rithala, Delhi-110085
Marketing Office : SCO 1131, 1st Floor, Model Town Road, Kartar Nagar, Model Town, Ambala City, Haryana-134003
Email ID : aestheticsoftcaps@gmail.com | Website : www.aestheticsoftcaps.com

अमृत और मृत्यु – दोनों ही इस शरीर में स्थित हैं. मनुष्य मोह से मृत्यु को व सत्य से अमृत को प्राप्त होता है.

AARISE Pharmaceuticals
for us, your health is always first.
Aarise Pharmaceuticals
H. O. : Kh. No. 32, Shri Vas Greens, SIDCUL Road, Haridwar-249402, Uttarakhand
Web - www.aarisepharma.com Email - info@aarisepharma.com
Contact - +91 9899783330 , +91 9289410333
QUIT Smoking
Rx Varenicline Tartrate Tablets 1mg
Smoke Vex Tablets
10x1x10 Tablets
WE OFFER Monopoly Distributorship OF OUR RANGE...
Tablets · DCGI Approved FDC are also available
Capsules · Liquid · Ointments
Complete Marketing & Distribution Support

नीरू गर्ग स्वामी की ओर से ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा प्रकाशित, ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा मुद्रित तथा हरिहर प्रैस के लिए एमपी, प्रिंटर्स नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में मुद्रित एवं के० पी० रोड, बुलन्दशहर से प्रकाशित, सम्पादक - ब्रजेश कुमार गर्ग